हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची • शुक्रवार • 23.01.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 179 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

स्वच्छ ऊर्जा, उन्नत विनिर्माण और भविष्य की तकनीकों में झारखंड की भूमिका महत्वपूर्ण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

दावोस/रांची : ऊर्जा सुरक्षा, सप्लाई चेन की मजबूती और स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण को लेकर बढ़ती वैश्विक चिंताओं के बीच, झारखंड ने वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्लूइएफ), दावोस में अपनी रणनीतिक क्षमताओं का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में राज्य प्रतिनिधिमंडल द्वारा क्रिटिकल मिनरल्स पर एक उच्चस्तरीय वैश्विक संवाद आयोजित किया गया, जिसमें भारत, यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी और दावोस से नीति-निमार्ता, उद्योग जगत, शिक्षाविद और वैश्विक विशेषज्ञ शामिल हुए।

क्रिटिकल मिनरल्स में झारखंड की केंद्रीय भूमिका

भूविज्ञान से मूल्य सृजन तक झारखंड के क्रिटिकल मिनरल्स के अवसर विषय पर आयोजित इस ग्लोबल हाइब्रिड राउंड टेबल में इस तथ्य को रेखांकित किया गया कि झारखंड, भारत सरकार द्वारा चिन्हित 24 में से 20 क्रिटिकल मिनरल्स का केंद्र है। यह झारखंड को भारत की ऊर्जा सुरक्षा, जियो-सिक्योरिटी और जियो-इकोनॉमिक रणनीति का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनाता है। प्रतिभागियों ने स्वच्छ ऊर्जा, उन्नत विनिर्माण और भविष्य की तकनीकों में झारखंड की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

मूल्य संवर्धन, नीति निर्माण और वैश्विक सहयोग पर फोकस

राज्य सरकार ने राउंड टेबल में यह स्पष्ट किया कि झारखंड केवल खनन तक सीमित न रहकर अनुसंधान एवं विकास, मिनरल प्रोसेसिंग, उन्नत विनिर्माण और तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में राज्य सरकार एक व्यापक मिनरल प्रोसेसिंग नीति का मसौदा तैयार कर रही है, जिसमें निवेश प्रोत्साहन, वित्तीय समर्थन और मूल्य श्रृंखला विकास पर विशेष जोर दिया गया है। यह सोच 'यूके-भारत एफटीए, भारत-जर्मनी सहयोग तथा यूके-भारत व्यापार एवं सुरक्षा' पहल जैसे अंतरराष्ट्रीय ढांचों के अनुरूप है।

ऊर्जा सुरक्षा, सतत विकास और 'प्रकृति के साथ विकास' का संकल्प

चर्चाओं के दौरान जिम्मेदार खनन, टिकाऊ आपूर्ति श्रृंखलाओं और तकनीक-आधारित मूल्य संवर्धन की आवश्यकता पर सहमति बनी। झारखंड की 'प्रकृति के साथ विकास' की विकास दृष्टि ने अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों को विशेष रूप से प्रभावित किया। इस अवसर पर "Beneath the Ground: Powering India's Energy Security" शीर्षक से एक कॉफी टेबल बुक का भी विमोचन किया गया, जो झारखंड की भूवैज्ञानिक समृद्धि और भारत की ऊर्जा सुरक्षा में उसकी भूमिका को रेखांकित करती है। केंद्र सरकार में पूर्व राज्य मंत्री, राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, वैश्विक शोध संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की भागीदारी ने यह स्पष्ट किया कि झारखंड वैश्विक मंच पर गंभीर, दूरदर्शी और दीर्घकालिक साझेदारी के लिए पूरी तरह तैयार है। 25 वर्षों की राज्य यात्रा के बाद झारखंड अब खनिज-समृद्ध राज्य से आगे बढ़कर प्रोसेसिंग, विनिर्माण और स्वच्छ औद्योगिक विकास के वैश्विक केंद्र के रूप में अपनी पहचान स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन देर रात दावोस से पहुंचे लंदन

आपके इस स्वागत सम्मान से अभिभूत हूं : मुख्यमंत्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लंदन/रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और कल्पना सोरेन, अध्यक्ष, महिला एवं बाल विकास समिति, झारखंड विधानसभा एवं विधायक, प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्यों के साथ बुधवार देर को दावोस से लंदन पहुंचे। लंदन पहुंचने पर लंदन में निवास कर रहे झारखण्ड के स्कॉलर्स और डायसपोरा के अन्य सदस्यों द्वारा जोरदार स्वागत किया गया।

लंदन पहुंचने पर झारखण्ड के स्कॉलर्स और डायसपोरा के अन्य सदस्यों द्वारा हेमन्त सोरेन और कल्पना सोरेन का पारंपरिक गीत संगीत से भावनात्मक स्वागत हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपके इस स्वागत सम्मान से अभिभूत हूं। निशब्द हूं। मेरे प्रति आपका यह देखकर मैं गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। लंदन में हमारे लोग झारखंड का नाम रोशन कर रहे हैं। आप सबका हार्दिक आभार। कल्पना सोरेन ने कहा की हेमन्त जी एवं प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्यों के साथ देर रात लंदन पहुंची। झारखण्ड के हमारे स्कॉलर्स और डायसपोरा के अन्य सदस्यों द्वारा स्वागत के लिए हार्दिक आभार। सभी को झारखण्डी जोहार !

झारखण्ड के स्कॉलर्स और डायसपोरा के अन्य सदस्यों द्वारा मुख्यमंत्री और उनकी धर्मपत्नी का पारंपरिक गीत संगीत से स्वागत उनके द्वारा मुख्यमंत्री और उनकी धर्मपत्नी के प्रति स्नेह और प्यार को दर्शाता। अपने मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर वे लोग भावुक हो गए।

एक नजर

जम्मू-कश्मीर में बड़ा हादसा, 10 सैनिकों की मौत

जम्मू : जम्मू-कश्मीर के डोडा में गुरुवार को सेना का एक वाहन सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर गया। इस हादसे में 10 सैन्य जवानों की जान चली गई, जबकि अन्य जवान घायल हो गए। स्थानीय लोगों और बचाव दलों ने मिलकर घायलों को निकाला। हादसे के बारे में जानकारी देते हुए सैन्य अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार को एक सैन्य वाहन 17 जवानों को लेकर ऊंचाई वाले क्षेत्र में मौजूद चौकी की ओर लेकर जा रहा था, तभी डोडा के भादरवाह-चंबा अंतरराज्यीय सड़क क्षेत्र स्थित खानी टॉप के पास सेना का एक बुलेटप्रूफ वाहन सड़क से फिसलकर लगभग 200 फीट गहरी खाई में गिर गया। इस हादसे में 10 जवानों की जान चली गई है, जबकि अन्य जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही सेना और पुलिस की संयुक्त टीम ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया। स्थानीय लोग भी पुलिस और रेस्क्यू टीमों की मदद के लिए पहुंचे। रेस्क्यू ऑपरेशन में 10 जवानों के शव बरामद किए गए। घायल जवानों को बाहर निकाला गया, जिनमें से कई की हालत गंभीर बताई जा रही है।

सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में एक करोड़ के इनामी अनल समेत 15 नक्सली ढेर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चाईबासा : झारखंड के पश्चिम सिंहभूम जिले में गुरुवार को सुरक्षा बलों के साथ हुई मुठभेड़ में 1 करोड़ रुपए के इनाम वाले शीर्ष नेता अनल दा समेत 15 माओवादी मारे गए। पुलिस ने बताया कि सीआरपीएफ की कोबरा यूनिट के करीब 1500 जवान किरीबुरु थाना क्षेत्र के सारंडा जंगल के कुमड़ी इलाके में चलाए जा रहे अभियान में लगे हुए हैं। सुरक्षा बलों का नेतृत्व कमांडो बटालियन फॉर रेसोल्यूट एक्शन (कोबरा) की 209वीं बटालियन कर रही है।

भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद

पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमने शीर्ष नेता पतिराम मांझी उर्फ अनल दा समेत 15 माओवादियों के शव बरामद किए हैं। भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया है। सुबह 6 बजे शुरू हुई मुठभेड़ अभी भी जारी है। उन्होंने बताया कि सारंडा जंगल में मंगलवार से माओवादी विरोधी अभियान जारी है, लेकिन गोलीबारी गुरुवार सुबह शुरू हुई।

अनल दा 1987 से सक्रिय था

झारखंड पुलिस के आईजी (ऑपरेशन) माइकल राज एस ने पीटीआई को बताया कि पुलिस को सारंडा जंगल में अनल दा और उसके साथियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद अभियान शुरू किया गया। गिरिडीह जिले के पीरतंद निवासी अनल दा 1987 से सक्रिय था। पुलिस वर्षों से उसकी तलाश कर रही थी।

माओवादी दस्तों ने शुरू की गोलीबारी

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कोबरा 209 बटालियन के नेतृत्व में सीआरपीएफ और राज्य पुलिस की संयुक्त फोर्स गुरुवार तड़के सरंदा वन के कुंभदिह गांव के पास माओवादी विरोधी अभियान पर थी। तभी पतिराम मांझी उर्फ अनल दा और लालचंद हेमब्रम उर्फ अनमोल के नेतृत्व वाले माओवादी दस्तों ने उन पर गोलीबारी की।

भागने के सभी रास्ते बंद

झारखंड के आईजी (ऑपरेशन) माइकल राज ने कहा कि माओवादियों को भारी नुकसान पहुंचाया गया है और गोलीबारी अभी भी जारी है। भागने के सभी रास्तों को बंद करने के लिए अतिरिक्त बल भेजे गए हैं और साथ ही तलाशी अभियान भी शुरू किया गया है। आगे की जानकारी की प्रतीक्षा है। किसफोटा ने कहा कि यह अभियान सारंडा वन के भीतर भौगोलिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण इलाके में जारी है। पूरे सारंडा आरक्षित वन क्षेत्र में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। अभियान समाप्त होने के बाद ही विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई जा सकेगी।

माओवादी दस्तों पर अंतिम हमले के लिए रोडमैप

गौरतलब है कि सीआरपीएफ के महानिदेशक (ऑपरेशन) ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने सोमवार को चाईबासा में एक रणनीति बैठक के दौरान प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) दस्तों पर अंतिम हमले के लिए रोडमैप को अंतिम रूप दिया था, जिनका नेतृत्व केंद्रीय समिति के सदस्य मिसिर बेसरा उर्फ निर्भय, असीम मंडल उर्फ तिमिर और पतिराम मांझी उर्फ अनल दा कर रहे थे।

झारखंड में कोल्हान और सारंडा को माओवादियों का अंतिम गढ़ माना जाता है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने बुडा पहाड़, चतरा, लातेहार, गुमला, लोहरदगा, रांची और पारसनाथ में उनकी गतिविधियों को प्रभावी ढंग से सीमित कर दिया है।

केंद्र से झारखंड को सौगात, आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज व हाईटेक लैब को हरी झंडी

एजेंसी

नयी दिल्ली : झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी की सक्रिय पहल से राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को नई दिशा मिलने जा रही है। नयी दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रताप राव जाधव के साथ हुई अहम बैठक में झारखंड को हेल्थ हब के रूप में विकसित करने से जुड़े कई प्रस्तावों को सैद्धांतिक मंजूरी दी गई है। इस बैठक में झारखंड स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार भी मौजूद रहे।

करीब एक घंटे तक चली इस बैठक में राज्य की स्वास्थ्य सुविधाओं को आधुनिक, मजबूत और जनहितकारी बनाने पर विस्तार से चर्चा हुई। केंद्र सरकार ने झारखंड सरकार के प्रस्तावों पर सकारात्मक रुख दिखाते हुए कई अहम फैसलों पर सहमति जताई। बैठक में झारखंड में आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की स्थापना पर सैद्धांतिक मंजूरी दी गई। डॉ. इरफान अंसारी ने बताया कि औषधीय पौधों और प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद झारखंड में अब तक आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज नहीं था। इसे देखते हुए एक सरकारी और एक निजी आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की स्थापना का प्रस्ताव रखा गया, जिसे केंद्र ने स्वीकार किया।

इसके अलावा राज्य के सभी मेडिकल कॉलेजों और रांची सदर अस्पताल में जापानी तकनीक से लैस हाईटेक लैब स्थापित करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इससे मरीजों को जांच और इलाज के लिए दूसरे राज्यों में नहीं जाना पड़ेगा और एक ही जगह सटीक जांच व बेहतर उपचार संभव हो सकेगा। बैठक में धनबाद के SNMCH और जमशेदपुर के MGM मेडिकल कॉलेज सहित अन्य संस्थानों में एमबीबीएस सीटों को 100 से बढ़ाकर 250 करने और पीजी सीटों में इजाफे पर भी चर्चा हुई। केंद्रीय मंत्री ने विशेषज्ञ टीम के निरीक्षण के बाद सीट वृद्धि की प्रक्रिया आगे बढ़ाने का भरोसा दिया।

लंदन में शिक्षा व कौशल विकास पर झारखंड-यूके के बीच संवाद, युवाओं को वैश्विक अवसरों से जोड़ने पर जोर

एजेंसी

नयी दिल्ली : लंदन प्रवास के दौरान झारखण्ड सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को शिक्षा एवं कौशल विकास पर केंद्रित एक उच्चस्तरीय राउंड टेबल संवाद के साथ एक नई और महत्वपूर्ण पहल की शुरूआत की। यह बैठक प्रातः 09:45 बजे से 11:30 बजे तक आयोजित हुई, जिसमें यूके के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों, विश्वविद्यालयों, स्किलिंग संगठनों, अवार्डिंग बॉडीज और अप्रेंटिसशिप पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़े प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक की अध्यक्षता सुदिव्य कुमार, मंत्री, पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग सह उच्च शिक्षा विभाग तथा वंदना डाडेल, आईएएस, अपर मुख्य सचिव, झारखण्ड सरकार ने की। संवाद का उद्देश्य झारखण्ड के युवाओं को वैश्विक मानकों के अनुरूप कौशल, व्यावहारिक प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय अवसरों से जोड़ने की रणनीति पर विचार-विमर्श करना रहा। मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि यह संवाद उस स्पष्ट सोच को मजबूती देता है, जिसमें शिक्षा को रोजगार से, कौशल को अवसर से और स्थानीय प्रतिभा को वैश्विक मंच से जोड़ा जा रहा है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के मार्गदर्शन में अबुआ सरकार द्वारा युवा शक्ति को भविष्य के लिए तैयार करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण और दूरगामी पहल है।

सत्र के उद्घाटन में झारखण्ड प्रतिनिधिमंडल ने राज्य को केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि वैश्विक शिक्षा और नवाचार के संभावित केंद्र के रूप में प्रस्तुत किया। प्रतिनिधिमंडल ने इस तथ्य पर ध्यान आकृष्ट किया कि हाल के वर्षों में अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों की गतिविधियां मुख्यतः पश्चिमी भारत, दिल्ली एनसीआर और दक्षिण भारत तक सीमित रही हैं, जबकि पूर्वी और मध्य भारत अब भी अंतरराष्ट्रीय शिक्षा निवेश के मानचित्र से बाहर हैं। झारखण्ड ने अधिक संतुलित और समावेशी अंतरराष्ट्रीयकरण की आवश्यकता पर बल देते हुए पूर्वी भारत को वैश्विक शिक्षा साझेदारियों के अगले चरण का प्रमुख गंतव्य बनाने का आह्वान किया।

झारखण्ड सरकार ने उच्च शिक्षा में गुणवत्ता और परिणामों को सुदृढ़ करने हेतु तीन प्रमुख सुधारात्मक कदम प्रस्तुत किए–राज्य संकाय विकास अकादमी की स्थापना, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप अनिवार्य 8-सप्ताह की इंटर्नशिप, तथा राष्ट्रीय बेंचमार्किंग के अनुरूप राज्य संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क। सरकार ने यह भी रेखांकित किया कि उच्च शिक्षा में लैंगिक समानता सूचकांक के मामले में झारखण्ड राष्ट्रीय औसत से बेहतर प्रदर्शन कर रहा है।

झारखंड के देवघर में रेलवे फाटक पर ट्रेन ने ट्रक को मारी टक्कर, दो घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

देवघर : झारखंड के देवघर में गुरुवार को एक बड़ी घटना होने से टल गई। हावड़ा-जसीडीह मेन लाइन से आ रही ट्रेन ने रोहिणी स्थित रेलवे फाटक के पास सड़क क्रॉस कर रहे एक ट्रक को टक्कर मार दी।

ट्रेन और ट्रक के बीच हुई टक्कर से दो बाइक भी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हालांकि इस हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। आसनसोल रेलवे डिवीजन के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे हैं। उन्होंने वहां के रेल अधिकारियों से घटना की जानकारी ली।

स्थानीय लोगों ने बताया कि एक लोडेड ट्रक रेलवे फाटक क्रॉस कर रहा था, उसी दौरान ट्रेन आ गई। जिस वजह से ट्रक के पिछले हिस्से से ट्रेन टकरा गई। ट्रेन की चपेट में जैसे ही ट्रक आया उसके साथ दो मोटरसाइकिल भी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। लोगों ने बताया कि ट्रेन की स्पीड कम थी इसलिए किसी तरह की कोई जनहानि नहीं हुई।

इस दुर्घटना को लेकर आसनसोल डिवीजन के पीआरओ विप्लव बावरी ने बताया कि घटना की जैसे ही जानकारी मिली पूरी टीम मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। ट्रक को ट्रैक से हटा दिया गया है। उन्होंने कहा कि घटना को लेकर चार सदस्यीय टीम का गठन कर दिया गया है। टीम जांच करेगी और पूरे घटना में जो भी दोषी होंगे उन पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एक नजर

दनुआ गांव में बंदर का आतंक, हमलों से ग्रामीण व छात्र दहशत में

चौपारण : प्रखंड के चोरदाहा पंचायत अंतर्गत दनुआ गांव में इन दिनों बंदर का आतंक ग्रामीणों के लिए गंभीर परेशानी का कारण बन गया है। बंदर के लगातार हमलों से जहां गांव के लोग भयभीत हैं, वहीं उत्क्रमित +2 उच्च विद्यालय के छात्र-छात्राएं भी दहशत के माहौल में जीने को मजबूर हैं। अब तक बंदर के हमले में कई ग्रामीण एवं विद्यार्थी घायल हो चुके हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अभिभावकों ने बच्चों की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता जताई है। भय के कारण कई अभिभावकों ने अपने बच्चों को स्कूल भेजना बंद कर दिया है। विद्यालय परिसर एवं स्कूल आने-जाने वाले रास्तों पर बंदर की लगातार मौजूदगी से बच्चों में भय का माहौल बना हुआ है। इस समस्या को लेकर ग्रामीणों में वन विभाग के प्रति भारी नाराजगी देखी जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि बंदर के आतंक की सूचना देने के बावजूद वन विभाग के अधिकारी न तो मौके पर पहुंच रहे हैं और न ही फोन उठाकर स्थिति की जानकारी लेना उचित समझते हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द हस्तक्षेप कर बंदर को पकड़वाने और बच्चों व ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

अभिहित अधिकारी के साथ मटन एवं चिकेन दुकानदारों की बैठक 27 जनवरी को

बरही : हजारीबाग अभिहित अधिकारी-सह-अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शशि जायसवाल के निदेर्शानुसार तथा जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी मो. मंजर हुसैन के साथ जिले के सभी मटन एवं चिकेन शॉप संचालकों की एक महत्वपूर्ण बैठक 27 जनवरी को पूर्वान्ह 11 अभिहित अधिकारी के कार्यालय में आयोजित की जा रही है। बैठक में खाद्य सुरक्षा स्वच्छता, नियमों के अनुपालन एवं अन्य आवश्यक बिंदुओं पर चर्चा की जाएगी। जिले के सभी मटन एवं चिकेन शॉप संचालकों से निर्धारित तिथि एवं समय पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर बैठक में भाग लेना सुनिश्चित करने की अपील की गई है। अनुपस्थित रहने की स्थिति में संबंधित दुकानदारों पर नियमानुसार कार्रवाई भी की जा सकती है।

सरस्वती पूजा को लेकर पुलिस ने किया मॉकड्रिल

बरही : सरस्वती पूजा को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से गुरुवार को बरही प्रशासन द्वारा बरही चौक पर बरही एसडीपीओ अजीत कुमार विमल के नेतृत्व में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल में पुलिस प्रशासन, दंडाधिकारी, अग्निशमन विभाग और स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने संयुक्त रूप से भाग लिया। मॉक ड्रिल के दौरान आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई, अग्निकांड से निपटने और घायलों को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने का अभ्यास किया गया। पुलिस बल ने रूट मार्च कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और संवेदनशील स्थानों की पहचान की। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजीत कुमार विमल ने कहा कि सरस्वती पूजा के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या अप्रिय घटना से निपटने के लिए प्रशासन पूरी तरह तैयार है। किस तरीके से हमलोग भीड़ को निपटते हैं वह हमने दिखाया। सबसे पहले हमलोग चेतावनी देते है, उसके बाद करवाई करते हैं। इसलिए भीड़ का हिस्सा ना बने, कानून हाथ में ना ले, गैर कानूनी मजमा ना बनाए। आने वाले त्यौहार शांतिपूर्ण तरीके से बनाए। पूजा समितियों को भी दिशा-निर्देश दिए गए हैं कि वे सुरक्षा मानकों का पालन करें एवं प्रशासन का सहयोग करें।

मीडिया की आवाज और प्रशासन की पहल रंग लाई
बगरा नदी पर बनेगा पुल, विधायक ने किया शिलान्यास

प्रत्युष नवबिहार बड़कागांव

हजारीबाग : पदमा प्रखंड के विकास को नई गति देते हुए बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने दो बड़ी योजनाओं का शिलान्यास किया। इसमें सबसे महत्वपूर्ण दोनई कला और दोनई खुर्द के बीच बगरा नदी पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण की आधारशिला रखी गई। यह पुल न केवल आवागमन सुगम करेगा, बल्कि ग्रामीणों के वर्षों पुराने संघर्ष और उस दर्द को भी खत्म करेगा जो हाल ही में मीडिया के माध्यम से सामने आया था।

एक वायरल खबर ने बदली तस्वीर

उल्लेखनीय है कि इस पुल की मांग दशकों से की जा रही थी। हाल ही में एक हृदयविदारक घटना सामने आई थी, जब ग्रामीण एक शव को अंतिम संस्कार के लिए उफनती नदी के बीच से कंधे पर उठाकर ले जाने को मजबूर थे। मीडिया में यह खबर प्रमुखता से आने के बाद हजारीबाग उपायुक्त ने तुरंत संज्ञान लिया। उपायुक्त के आदेश पर जिला प्रशासन और झारखंड विकास के पदाधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इसे DMFT फंड से प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की।

स्कूल के उन्नयन से शिक्षा को मिलेगी मजबूती

पुल के साथ-साथ विधायक ने पदमा स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय के उन्नयन कार्य का भी शुभारंभ किया। इस आधुनिकीकरण से क्षेत्र के बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण, रोजगारपरक शिक्षा और आधुनिक सुविधाएं मिल सकेंगी।

शिलान्यास के दौरान बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा:

"बगरा नदी पर पुल निर्माण से दर्जनों गांवों का सीधा संपर्क जिला मुख्यालय और मुख्य सड़कों से हो जाएगा। स्कूल के अपग्रेडेशन से हमारे बच्चों का भविष्य उज्ज्वल होगा। हमारा लक्ष्य हर गांव तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना है। इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य बसंत नारायण मेहता,सांसद प्रतिनिधि अजय मेहता, विधायक प्रतिनिधि नारायण यादव,प्रमुख वीणा देवी, भाजपा मंडल अध्यक्ष बाबूलाल मेहता, उप प्रमुख सतेंद्र राणा, मुखिया सविता मेहता, मुखिया शांति देवी, मुखिया प्रतिनिधि विजय मेहता, प्रकाश ओझा, राजकुमार मेहता, महावीर मेहता, और भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। ग्रामीणों ने मीडिया की सक्रियता, जिला प्रशासन की त्वरित कार्रवाई और विधायक के प्रयासों के प्रति आभार व्यक्त किया। ओझा, राजकुमार मेहता, महावीर मेहता,और भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे। ग्रामीणों ने मीडिया की सक्रियता, जिला प्रशासन की त्वरित कार्रवाई और विधायक के प्रयासों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सरस्वती पूजा चंदा न देने पर बवाल, दनुवा घाटी में ट्रेलर पर पथराव, उपचालक गंभीर घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : दिल्ली से देवघर जा रहे एक ट्रेलर को दनुवा घाटी में सरस्वती पूजा चंदा के दौरान नहीं रोकना भारी पड़ गया। चंदा वसूली करने वालों ने गाड़ी पीछा कर गाड़ी में तोड़फोड़ व मारपीट को अंजाम दिया। ट्रेलर चालक नितेष चंद्रवंशी के अनुसार गाड़ी में दाल-चावल लदा हुआ है। और देवघर जा रहे थे, पर चौपारण के दनुवा घाटी में कुछ युवकों ने चंदा के बहाने वाहन को रोकने का इशारा किया। पर ट्रेलर चालक द्वारा वाहन नहीं रोकने पर युवकों ने पीछा करते हुए पथराव शुरू कर दिया। इस दौरान ट्रेलर का शीशा टूट गया, वहीं उपचालक पवन यादव कोनहरा, बरकट्ठा के सिर पर पत्थर लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। युवकों का हमला यहीं नहीं रुका, बल्कि उन्होंने पीछा कर ट्रेलर पर दोबारा हमला बोल दिया। घटना के बाद चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए ट्रेलर को चौपारण थाना परिसर में सुरक्षित खड़ा किया, जहां से दोनों घायलों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में घायल उपचालक के सिर में पांच टांके लगाए गए हैं। दोनों घायलों का इलाज जारी है। इधर, घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी ने मामले पर त्वरित संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है और आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई की बात कही जा रही है।

ग्रामीण जनता ही है सर्वोपरि, ग्रामीण जनता के हर मांग को किया जाए पूरा : विधायक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष हजारीबाग में त्रिपक्षीय वार्ता आयोजित किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य चंद्रगुप्त खनन परियोजना से प्रभावित और विस्थापित परिवारों की लंबित मांगों का स्थायी समाधान निकालना था। बैठक में मुख्य रूप से जिला प्रशासन, सीसीएल के अधिकारी, एमओयू कंपनी के अधिकारी,और चंद्रगुप्त परियोजना से प्रभावित कई गांव के ग्रामीण मौजूद थे। बैठक में विधायक रोशन लाल चौधरी ने विस्थापितों के हक और अधिकार की रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराई और उन्होंने स्पष्ट किया है कि जनता की भावनाओं के विरुद्ध कोई भी निर्णय नहीं लिया जाना चाहिए। ग्रामीण जनता के सभी मांगों को पूर्ण किया जाए तब आगे कोई बात होगी। चुकी हमारे

लिए ग्रामीण जनता ही सर्वोपरि है। हम ग्रामीण जनता के मांग के साथ खड़े हैं। हमारा एक ही उद्देश्य है हमारे विधानसभा क्षेत्र के हर एक समस्याओं का स्थाई समाधान करना। जिसके लिए मैं ग्रामीण जनता के साथ मिलकर सड़क से लेकर सदन तक लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हूं। मौके पर विस्थापित प्रभावित लोगों ने विधायक रोशन लाल चौधरी के नेतृत्व में मांग पत्र कंपनी के अधिकारियों एवं जिला प्रशासन को सोप जिसमें मुख्य रूप से विस्थापित परिवारों की मांगों में मुख्य रूप से उचित मुआवजा, नियोजन, पुनर्वास की बेहतर व्यवस्था और बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता शामिल रही हैं। रैयती, बंदोबस्ती गैर मजुरूआ एवं दखल कब्जा वाले जमीनों को भौतिक सत्यापन कर रैयती के तर्ज पर मुआवजा मकान कुआं बाउंड्री बोरिंग पेड़ तालाब का RFCTLARR ACT 2013 के तहत वर्तमान बाजार दर के कुल राशि का एक साथ भुगतान किया जाए। परियोजना क्षेत्र से होने वाले विस्थापित परिवारों को हजारीबाग शहर के अंदर एक साथ बसाया जाए एवं 18 वर्ष से ऊपर सभी होने वाले विस्थापित प्रभावितों को 7 लख रुपए से बढ़कर 25 लख रुपए भुगतान किया जाए।

प्रेस वार्ता कर एनएमएल पकरी बरवाडीह महाप्रबंधक सुब्रत दास ने उपलब्धियां को गिनाया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : एनएमएल पकरी बरवाडीह द्वारा आज एक प्रेस मीट का आयोजन किया गया, जिसमें परियोजना प्रमुख सुब्रत कुमार दास ने मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद किया तथा उनके सभी प्रश्नों के उत्तर दिए। इस अवसर पर उन्होंने एनटीपीसी की उत्तरदायी खनन, सतत विकास एवं समावेशी सामाजिक प्रगति की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। मीडिया को संबोधित करते हुए श्री दास ने बताया कि एनटीपीसी की सामुदायिक विकास एवं सीएसआर गतिविधियाँ मुख्य रूप से परियोजना प्रभावित व्यक्तियों पर केंद्रित हैं, जिनमें विशेष रूप से महिलाएँ, बच्चे, वृद्धजन, युवा तथा सामाजिक-आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग शामिल हैं। उन्होंने जानकारी दी कि वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान कुल 41,631 लाभार्थियों को विभिन्न सीएसआर योजनाओं से लाभान्वित किया गया, जिनमें से 80

प्रतिशत से अधिक लाभार्थी सामाजिक, आर्थिक एवं भौगोलिक रूप से वंचित वर्ग से संबंधित हैं। उन्होंने बताया कि इसी अवधि में स्वास्थ्य क्षेत्र में 10,415 लोगों को लाभ पहुंचाया गया, जबकि शिक्षा से जुड़ी योजनाओं के अंतर्गत 6,528 बच्चों को कवर किया गया, जो मुख्यतः वंचित परिवारों से हैं। जल आपूर्ति योजनाओं से 7,100 लोग, स्वच्छता कार्यक्रमों से 2,400 लोग तथा ग्रामीण विकास गतिविधियों से 3,700 लोग लाभान्वित हुए। इसके अतिरिक्त, कौशल विकास एवं महिला सशक्तिकरण कार्यक्रमों के अंतर्गत 388 महिलाओं को आत्मनिर्भरता हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया गया। स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी देते हुए श्री दास ने बताया कि 70 निःशुल्क चिकित्सा शिविरों का आयोजन कर 7,049 मरीजों का उपचार किया गया। इसके अलावा 8 नेत्र परीक्षण शिविरों के माध्यम से 1,144 विद्यार्थियों की जांच की गई, जिनमें से 505 विद्यार्थियों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए गए। साथ ही 7 मोतियाबिंद जांच शिविरों में 242 मरीज चिन्हित किए गए, जिनमें से 59 वृद्ध मरीजों का सफल ऑपरेशन कराया गया।

श्रीदस में नन्हे वैज्ञानिकों का कमाल, 500 से ज्यादा मॉडल देख दंग रह गए दर्शक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : प्रखंड अंतर्गत देवचंदा मोड़ स्थित श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल में गुरुवार को भव्य विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए नवाचार और मॉड्यूल देखकर आगंतुकों की भीड़ उमड़ पड़ी। अक् रोबोटिक्स, ग्रीन एनर्जी, कृषि और लोककला से जुड़े प्रोजेक्ट्स ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। प्रदर्शनी में बच्चों ने 500 से अधिक मॉड्यूल प्रस्तुत किए। इसमें STEM जोन, आर्ट गैलरी और कृषि केंद्र प्रमुख आकर्षण रहे। विद्यार्थियों ने आधुनिक तकनीक के साथ सामाजिक जरूरतों को जोड़ते हुए ऐसे प्रोजेक्ट्स बनाए, जो भविष्य में उपयोगी साबित हो सकते हैं। अकऔर रोबोटिक्स के मॉडल रहे खास बच्चों ने अकऔर रोबोटिक्स से जुड़े कई सेंसर आधारित प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए। इनमें दृष्टिबाधित लोगों की मदद के लिए

बनाया गया सेंसर स्पेक्टेकल्स विशेष चर्चा में रहा। यह चश्मा सामने किसी वस्तु के आने पर व्यक्ति को अलर्ट करता है। ग्रीन एनर्जी और जल संरक्षण पर दिया संदेश ग्लोबल वार्मिंग को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों ने सोलर एनर्जी, वाटर कंजर्वेशन और ग्रीन एनर्जी से जुड़े मॉडल प्रस्तुत किए। इन मॉड्यूल्स के माध्यम से बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कृषि केंद्र और लोककला ने खींचा ध्यान कृषि केंद्र के माध्यम से विद्यार्थियों ने फसलों और खेती से जुड़ी जानकारियां साझा कीं। वहीं आर्ट गैलरी में बच्चों ने झारखंड की पहचान सोहराय और कोहबर कला को प्रस्तुत कर दर्शकों को आकर्षित किया।

थाना परिसर में सरस्वती पूजा को लेकर शांति समिति की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव थाना परिसर में सरस्वती पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक की गई। जिसकी अध्यक्षता प्रखण्ड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल व संचालक पत्रकार नरेश कुमार ने किया। बैठक में स्थानीय जनप्रतिनिधि, बुद्धिजीवी, समाजसेवी एवं आम नागरिकों ने उपस्थित होकर सरस्वती पूजा शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने पर चर्चा हुई। बैठक में उपस्थित लोगों ने प्रस्ताव रखा कि भड़काऊ गाना नहीं मां सरस्वती की पूजा में धार्मिक गाने ही बजे। नशा मुक्त पूजा एवं जुलूस होनी चाहिए। बाजार एवं सार्वजनिक स्थलों पर शराब की बिक्री नहीं हो। समय-समय पर नशाखोरी के विरुद्ध छापामारी होती रहनी चाहिए। दिखावा की पूजा नहीं

श्रद्धा की पूजा हो। चौक बाजार के सड़क पर बढ़ाकर किए जा रहे दुकान पर रोक लगनी चाहि एवं दिन में भारी वाहन पर भी प्रतिबंध लगे रहे। बैठक को संबोधित करते हुए प्रखण्ड विकास पदाधिकारी जितेन्द्र कुमार मंडल ने अपील की कि किसी भी प्रकार की अफवाह सोशल मीडिया पर ना फैलाए। सोशल मीडिया में हर चीज वास्तविकता नहीं होती है उसमें एडिटिंग रहती है। प्रशासन के दिशा निर्देश को ध्यान में रखते हुए जुलूस निकाले। पुलिस प्रशासन हर तरफ अपनी पैनी नजर बनाए हुए। जनप्रतिनिधि गण से निवेदन है कि गांव में कोई भी असामाजिक तत्व के लोग दिखे तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस प्रशासन को दें। पुलिस की गश्ती हमेशा रहेगी। जिनके बच्चे शराबी हो रहे हैं उन अभिभावकों को सजग होने की आवश्यकता है। अंचलाधिकारी ने कहा कि सभी लोग आपसी भाईचारे के साथ पूजा मानवें असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर प्रशासन रखेगी। कोई भी भड़काऊ गाना नहीं बजाएंगे। नशे के कारण हमारे बच्चे बिगड़ रहे है इसपर लगातार प्रशासन नजर रखी हुई हैं। 1 -2 बजे तक स्कूल और कॉलेज अपना जुलूस निकाल निकालना है।। बाकी अखाड़े एवं समिति वाले 2-5 बजे तक जुलूस को निकले। इंस्पेक्टर ललित कुमार ने कहा कि सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने वाले पर कानून कारवाई की जायेगी। प्रशासन के साथ साथ पब्लिक का भी हर क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने में मदद करनी चाहिए। क्षेत्र में घटना घटने के बाद सिर्फ प्रशासन ही नहीं आम जनमानस ही अधिक प्रभावित होते हैं। डीजे की प्रतियोगिता की मंशा से जुलूस नहीं निकालें। भड़कावे गाना न बजाए। बैठक की धन्यवाद ज्ञापन करते हुए थाना प्रभारी कृष्ण कुमार गुप्ता ने कहा कि पूजा को पूजा की तरह मनाई सभी धर्म के लिए यह विद्या की पूजा होती है। नशाखोरी के विरुद्ध सूचना दें कार्रवाई होगी। सूचना देने को गुप्त रखी जाए। जुलूस में अभिभावक अवश्य रहे। बैठक में मध्य जिला परिषद सुनिता देवी, अंचलाधिकारी मनोज कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल, इंस्पेक्टर ललित कुमार,थाना प्रभारी कृष्ण कुमार गुप्ता, एस एई सावित्री कच्छप, पूर्वी भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय यादव, पश्चिमी मंडल अध्यक्ष शिवशंकर उर्फ शिबू मेहता, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष सुरेश महतो, मुखिया तकरीमुल्लाह खान, राजदेव कुमार, गोसाई बलिया प्रतिनिधि चन्दनपुरी, उदय कुमार मेहता, उपेंद्र कुमार प्रसाद, संजय यादव, मेवालालनाग ठाकुर, फिरोज खान, सत्यजीत कुमार अलंकार, सहित पूजा अखाड़े के पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

आम्रपाली-चंद्रगुप्त क्षेत्र की सलाहकार व वेलफेयर समिति की हुई बैठक

केरेडारी : केरेडारी प्रखंड के अंतर्गत बीते दिन आम्रपाली, चंद्रगुप्त क्षेत्र, के क्षत्रिय सलाहकार समिति एवं क्षेत्रीय वेलफेयर कमेटी की बैठक आम्रपाली के कांफ्रेंस हॉल में महाप्रबंधक संजीव कुमार के अध्यक्षता में किया गया जिसमें राष्ट्रीय कोयला मजदूर यूनियन के आम्रपाली चंद्रगुप्त के क्षेत्रीय अध्यक्ष सुबोध कुमार शाहा एवं क्षेत्रीय सचिन मोहम्मद जहुर ने पुरजोर तरीके से मजदूरों की समस्याओं को प्रबंधन के सामने रखा जो इस प्रकार है सभी कामगारों को क्वार्टर दिया जाए, सभी कामगारों को प्रमोशन समय से दिया जाए, आम्रपाली में तौलिया वाटर बोतल जूता एवं सेफ्टी किट समय से दिया जाए, हजारीबाग से ड्यूटी आने जाने के लिए आम्रपाली तक बस चलाया ,आम्रपाली में स्कूल एवं अस्पताल का अभिलंब व्यवस्था किया जाए एवं सभी कामगारों को इंसेंटिव दिया जाए तथा सभी कांटा घरों में पीने का पानी एवं शौचालय का व्यवस्था किया जाए, आम्रपाली के हर एक रास्ता में पानी का छिड़काव किया जाए, आम्रपाली डिस्पेंसरी में महिला डॉक्टर का व्यवस्था किया जाए एवं दवा का समुचित व्यवस्था किया जाए, पीट ऑफिस में मोटरसाइकिल रखने के लिए शेड बनाया जाए, आम्रपाली परियोजना में कैंटीन को चालू किया जाए, आम्रपाली चंद्रगुप्त क्षेत्र में सभी कामगारों को संडे दिया जाए ,सभी यूनियन को यूनियन ऑफिस दिया जाए, चंद्रगुप्त को अभिलंब खोला जाए एवं वहां से उत्पादन किया जाए एवं चंद्रगुप्त में डिस्पेंसरी की व्यवस्था किया जाए तथा एक डॉक्टर का भी व्यवस्था किया जाए, एवं एक एंबुलेंस भी वहां दिया जाए चंद्रगुप्त के परियोजना कार्यालय चंद्रगुप्त में ही शिफ्ट किया जाए ,आम्रपाली में चल रहे सभी शिफ्ट बसों को नया दिया जाए एवं एसी बस दिया जाए। प्रबंधन ने उक्त सभी मांगों को पूरा करने का आशवासन दिया की। प्रबंधन की ओर से आम्रपाली परियोजना के परियोजना पदाधिकारी मोहम्मद अकरम क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक अनूप भगत वरीय कार्मिक प्रबंधक आलोक रंजन स्टाफ ऑफिसर्स सिविल सुजीत कुमार, कार्मिक पदाधिकारी आम्रपाली परियोजना दिवाकर साहू इत्यादि अधिकारी गण उपस्थित थे यूनियन की ओर से विभिन्न यूनियन के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

विधायक ने किया वर्गकक्षों के निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास

चलकुशा : प्रखंड अंतर्गत PM SHRI UPG+2 हाई स्कूल, चौबे में विधायक अमित कुमार यादव ने नारियल फोड़ कर 4 अतिरिक्त वर्गकक्षों के निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया। इस दौरान विधायक अमित कुमार यादव ने कहा शिक्षा हमारे बच्चों के भविष्य की नींव है, और विद्यालय में सुविधाओं का विस्तार हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इन नए कमरों के निर्माण से हमारे छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के लिए बेहतर और सुविधाजनक वातावरण मिलेगा। क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए मेरा प्रयास और समर्पण निरंतर जारी है। शिलान्यास कार्यक्रम में जिला परिषद सदस्य सविता सिंह, प्रमुख नीतू कुमारी, मुखिया अंशु कुमार, भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय सिंह व अन्य लोग उपस्थित थे।

इंडोनेशिया में अखंड रामायण पाठ से जुड़े विभावि के शिक्षक

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय के शिक्षा शास्त्र विभाग की डॉ अमिता कुमारी ने पिछले दिन इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में आयोजित प्रथम अखंड रामायण पाठ से ऑनलाइन जुड़कर इसका गवाह बनी। इसकी जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि यह पाठ सनातन धर्म और भारत की सांस्कृतिक एकता को दशार्या। इस अखंड पाठ में सत्य, करुणा, कर्तव्य बोध, परिवार एवं सामाजिक सौहार्द प्रतिबिंबित हो रही थी। जकार्ता ब्राह्मण संगठन द्वारा आयोजित इस पाठ का उद्देश्य था भारतीय डायस्पोरा को एक ऐसा अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान करना जहां भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का आदान-प्रदान किया जा सके। डॉ अमिता कुमारी ने बताया कि इस अखंड पाठ में जवाहरलाल नेहरू इंडियन कल्चर सेंटर के डॉ सुनील करमचंदानी ने जकार्ता में अवस्थित भारतीय दूतावास का प्रतिनिधित्व किया। दूतावास के प्रथम सचिव अमित मिश्रा भी मौके पर उपस्थित हुए। दोनों ही भारत सरकार के प्रतिनिधियों ने आयोजन की सराहना की तथा बताया कि इस पाठ ने भारतीय अध्यात्म तथा विविधता को जकार्ता केंद्र से विश्व के विभिन्न स्थान तक पहुंचाया। इस पाठ ने सांस्कृतिक एकता के साथ-साथ एक विदेशी भूमि में वैश्विक सौहार्द के संदेश को सशक्त किया। इस अवसर पर तुलसीदास द्वारा रचित श्रीरामचरितमानस का अखंड पाठ 18-19 जनवरी को लगातार 24 घंटे तक आयोजित किया गया। दुनिया के अलग-अलग राष्ट्रों से बड़ी संख्या में लोग ऑनलाइन इससे जुड़े। डॉ अमिता ने बताया कि कार्यक्रम को आयोजकों द्वारा जकार्ता से लाइव स्ट्रीम किया गया था जिससे कि इस आध्यात्मिक अवसर का लाभ अधिक से अधिक लोगों को मिल सके। डॉ अमिता ने आगे बताया कि विजय पांडे के नेतृत्व में इस अखंड पाठ का आयोजन किया गया। आयोजन में ऊषांति मिश्रा, कुशवेंद्र शर्मा तथा प्रकाश चतुर्वेदी की भूमिका सराहनीय रही। उन्होंने बताया कि इस पाठ से जुड़कर उत्साहित महसूस कर रही है। विजय पांडे ने आश्वासन दिया है कि वह बहुत जल्द ऐसे और भी आयोजन करेंगे और अधिक से अधिक लोगों को ऐसे आध्यात्मिक आयोजनों से जोड़ेंगे।

राज्य स्थापना दिवस समारोह में राज्यपाल ने सांस्कृतिक एकता का दिया संदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने गुरुवार को लोक भवन, राँची में सामूहिक रूप से आयोजित उत्तर प्रदेश तथा त्रिपुरा, मणिपुर एवं मेघालय के राज्य स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, गौरवशाली इतिहास एवं आध्यात्मिक चेतना के लिए विश्वविख्यात है। वाराणसी, अयोध्या, प्रयागराज एवं मथुरा जैसे पावन स्थल न केवल भारत, बल्कि सम्पूर्ण विश्व के लिए आस्था और सांस्कृतिक चेतना के प्रमुख केंद्र हैं। राज्यपाल महोदय ने प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ का उल्लेख करते हुए कहा कि देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालुओं की सहभागिता भारत की सांस्कृतिक शक्ति और

उसकी सुदृढ़ आध्यात्मिक परंपरा का अद्वितीय उदाहरण है। इतनी विशाल एवं श्रद्धा से परिपूर्ण जन-भागीदारी विश्व स्तर पर दुर्लभ है। उन्होंने कहा कि विगत वर्षों में उत्तर प्रदेश देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए एक प्रमुख निवेश केंद्र के रूप में उभरा है तथा उत्तम प्रदेश के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि स्वतंत्रता के पश्चात उत्तर प्रदेश ने देश को सर्वाधिक प्रधानमंत्री दिए हैं और वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी लोकसभा में वाराणसी का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। राज्यपाल ने कहा कि पूर्वोत्तर के त्रिपुरा, मणिपुर एवं मेघालय राज्य अपनी विशिष्ट संस्कृति, परंपराओं, कला एवं प्राकृतिक सौंदर्य के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विविधता को समृद्ध करते हैं। उन्होंने कहा कि एक भारत, श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम राज्यों के मध्य आपसी समझ, संवाद और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करने की एक महत्वपूर्ण पहल है तथा यह आयोजन उसी भावना को साकार करता है। उन्होंने इन राज्यों के नागरिकों को स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए उनके निरंतर विकास, समृद्धि और प्रगति की कामना की। उक्त अवसर पर मणिपुर के माननीय राज्यपाल अजय कुमार भल्ला एवं मेघालय के राज्यपाल सी. एच. विजयशंकर के वीडियो संदेश का प्रसारण भी किया गया। इसके पश्चात आगामी 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में उपस्थित सभी लोगों को मतदाता शपथ दिलाई गई।

एक नजर

समाहरणालय में मतदाता प्रतिज्ञा पाठ में अधिक मतदान कराने पर जोर

रांची : भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर 16 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस (25 जनवरी) के अवसर पर माई इंडिया माई वोट (मैं भारत हूं) थीम के अनुरूप समाहरणालय में गुरूवार को मतदाता प्रतिज्ञा पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने की। इस अवसर पर निर्वाचन विभाग से जुड़े विभिन्न पदाधिकारी-कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से मतदाता प्रतिज्ञा का पाठ किया। प्रतिज्ञा के माध्यम से लोकतंत्र के प्रति निष्ठा, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने एवं अधिक से अधिक नागरिकों को मतदान के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने का महत्वपूर्ण अवसर है। सभी अधिकारी-कर्मचारियों से मतदाता जागरूकता अभियानों को निरंतर चलाने और आगामी चुनावों में मतदाता सहभागिता बढ़ाने पर विशेष ध्यान देने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान मतदाता सूची के शुद्धिकरण और अद्यतन कार्य में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पदाधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

भारतीय नौसेना प्रमुख पहुंचे रांची, एयरपोर्ट पर स्वागत

रांची : भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी दो दिवसीय दौरे पर गुरुवार की शाम रांची पहुंचे। यहां बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर पूर्व सैनिकों और झारखंड के सांस्कृतिक कलाकारों ने उनका भव्य स्वागत किया। इस मौके पर सेना के भी अधिकारी मौजूद रहे। यह पहला अवसर है, जब नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार झारखंड की राजधानी रांची पहुंचे हैं। वे रात्रि विश्राम लोक भवन में करेंगे। उनके दौरे को लेकर प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हैं। तय कार्यक्रम के अनुसार नौसेना प्रमुख 23 जनवरी को सुबह 10:00 बजे सीसीएल के सभागार में रांची शहरी क्षेत्र से जुड़े विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं, महाविद्यालय एवं विद्यालयों के विद्यार्थियों से रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के साथ विकसित भारत 2047 पर संवाद करेंगे। इसके बाद तुपदाना स्थित टेंडर हार्ट स्कूल में रांची ग्रामीण क्षेत्र के दर्जनों स्कूलों के विद्यार्थियों के साथ 12:00 बजे रक्षा विकसित भारत 2047 पर संवाद करेंगे। दोपहर में 1:00 बजे रांची क्लब में सांसद कला महोत्सव के तहत हुए पेंटिंग की चित्रकला प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जिसका अवलोकन नौसेना प्रमुख करेंगे।

नि:शुल्क मोतियाबिंद जांच व लेंस प्रत्यारोपण शिविर का हुआ आयोजन

रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के जन आरोग्य केन्द्र, गांधीनगर में गुरुवार को नि:शुल्क मोतियाबिंद जाँच एवं लेंस प्रत्यारोपण स्वास्थ्य जाँच शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर में कुल 127 लोगों की नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच की गई, जिसमें 30 मरीजों में मोतियाबिंद की पुष्टि हुई। इन सभी मरीजों की नि:शुल्क सर्जरी गांधीनगर अस्पताल में की जाएगी। इसके अतिरिक्त अन्य सभी मरीजों को आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई गईं तथा हीमोग्लोबिन, ब्लड शुगर एवं हाइपरटेंशन की भी नि:शुल्क जाँच की गई। शिविर के सफल आयोजन में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों का सराहनीय योगदान रहा। प्रमुख रूप से डॉ. राजकुमार (सीएमएस, सीसीएल), डॉ. भरत सिंह (सीएमओ, गांधीनगर इंचार्ज), डॉ. प्रीति तिग्गा (सीएमओ, सीएसआर, इंचार्ज), डॉ. अनिता होरो, डॉ. रजनी कुजूर, डॉ. अम्बरीश, डॉ. असीमा तिग्गा, डॉ. नीतू सिंह, डॉ. प्रियंका, डॉ. लेटगाउगीं मुन्ना कुमार सिंह सहित सभी पैरामेडिकल स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

आईएमएस रांची विश्वविद्यालय में राज्यस्तरीय सेमिनार का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज द्वारा गुरुवार को राज्यस्तरीय सेमिनार व्यवहारिक वित्त और निर्णय-निमार्ण: एक अंत:विषयक परिप्रेक्ष्य का सफल आयोजन किया गया। सेमिनार में विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। सेमिनार का उद्देश्य व्यवहारिक वित्त, निर्णय-निर्माण तथा प्रबंधन से जुड़े मनोवैज्ञानिक एवं व्यवहारिक पहलुओं पर अकादमिक विमर्श को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर विभिन्न विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत किए गए तथा चयनित शोध पत्रों को आईएसबीएन नंबर के साथ पुस्तक रूप में प्रकाशित किए जाने की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम में रांची विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) डी. के. सिंह मुख्य संरक्षक के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन की शुरूआत सभी

को जोहार कहकर की। उन्होंने व्यवहारिक वित्त और निर्णय लेना पर प्रकाश डालते हुए अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का उदाहरण दिया और बताया कि किस प्रकार निर्णयों का प्रभाव पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। उन्होंने छात्रों को प्रबंधन की बारीकियों, सही निर्णय लेने की प्रक्रिया और स्टार्टअप शुरू करने के तरीकों से भी अवगत कराया। सेमिनार में डॉ. स्मृति सिंह ने मगरमच्छ और बंदर के उदाहरण के माध्यम से यह समझाया कि जैसे संबंधों में संतुलन और समझ जरूरी होती है, वैसे ही प्रबंधन में भी संबंधों की अहम भूमिका होती है।

डीआईटी एडमिशन मामले में उच्च न्यायालय ने अगले आदेश तक सीबीआई जांच पर लगायी रोक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : धनबाद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (डीआईटी) में अनुमति से ज्यादा विद्यार्थियों के नामांकन मामले में राज्य सरकार की अपील (एलपीए) पर झारखंड उच्च न्यायालय में गुरुवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस जस्टिस महेश शरदचंद्र सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने सीबीआई जांच पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 29 जनवरी को होगी। सुनवाई के दौरान सीबीआई की ओर से कोर्ट को बताया गया कि उच्च न्यायालय के आदेश के तहत मामले में पीई दर्ज कर लिया गया है। वहीं महाधिवक्ता राजीव रंजन ने खंडपीठ को बताया कि डीआईटी को 9 सितंबर 2025 को सिर्फ 60 विद्यार्थियों के एडमिशन की अनुमति मिली थी। लेकिन संस्थान ने 138 छात्रों का नामांकन कर लिया। अदालत को बताया गया कि कॉलेज ने गलती करने के बावजूद उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर की, जिसकी सुनवाई 12 और 13 जनवरी को हुई थी। हाई कोर्ट ने 13 जनवरी को मामले में सीबीआई जांच का आदेश दिया था, जिसके खिलाफ राज्य सरकार और झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (जेयूटी) ने अपील दायर की है। दरअसल बीते 13 जनवरी को उच्च न्यायालय के जस्टिस राजेश कुमार की अदालत ने डीआईटी के इंजीनियरिंग छात्रों को परीक्षा में बैठने से रोके जाने की सीबीआई जांच करने के आदेश दिए थे। अदालत ने प्रथम दृष्टया इसे छात्रों को फंसाने और उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ का मामला बताते हुए सीबीआई को झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलाजी (जेयूटी) और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटी) की भूमिका की जांच करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने सीबीआई को इस बात की जांच करने को कहा था कि एआईसीटीई और जेयूटी ने छात्रों को किस प्रकार फंसाया है और पूरे मामले में किस अधिकारी या संस्था ने क्या भूमिका निभाई है। इस मामले में डीआईटी ने उच्च न्यायालय की एकल पीठ में याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि एआईसीटी ने 30 अप्रैल 2025 को संस्थान को शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए विद्यार्थियों के एडमिशन के लिए विधिवत स्वीकृति प्रदान की थी। इसी स्वीकृति के आधार पर संस्थान ने छात्रों का नामांकन किया।

झारखंड में गर्मी की आहट धीरे-धीरे बढ़ रहा तापमान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य भर में गर्मी आहट देने लगी है। राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में तापमान बढ़ने लगा है। हालांकि अभी भी कुछ जिलों में तापमान काफी कम है, इससे संबंधित जिलों में ठंड महसूस की जा रही है। राज्य में गुमला में अभी भी सबसे ठंडा क्षेत्र है। यहां गुरुवार को न्यूनतम तापमान 4.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जबकि अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं सबसे गर्म जिले की बात की जाए तो राज्य में चाईबासा और सरायकेला रहा। चाईबासा में अधिकतम तापमान 30.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 11 डिग्री के पार पहुंच गया है, जबकि सरायकेला में अधिकतम तापमान 30.3 डिग्री दर्ज किया गया। राजधानी रांची में गर्मी और ठंड की सामान्य स्थिति है। यहां गुरुवार को अधिकतम तापमान 25 डिग्री और न्यूनतम तापमान 9 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि जमशेदपुर में न्यूनतम तापमान बढकर 13 डिग्री के पार पहुंच गया जो सामान्या तापमान से 2.3 डिग्री अधिक है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में मौसम में उतार-चढ़ाव होने की संभावना है। विभाग ने बसंत पंचमी (23 जनवरी) के बाद तापमान में 2 से 3 डिग्री की वृद्धि होने की संभावना व्यक्त की है। 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान चाईबासा में 30.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान गुमला में 4.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में दिनभर मौसम साफ रहा और मध्यम दर्जे की हवा चली। सुबह में हल्के दर्जे का कुहासा भी छाया रहा, लेकिन बाद में मौसम पूरी तरह साफ हो गया। गुरुवार को रांची में अधिकतम तापमान 25.1 डिग्री और न्यूनतम तापमान 9.8 डिग्री, जमशेदपुर में 29.2 और 13.4 डिग्री, डालटेनगंज में 28.6 और 6.9 डिग्री, बोकारो में 27.5 डिग्री और न्यूनतम 8.4 डिग्री, चाईबासा में 30.4 डिग्री और 11.6 डिग्री, खूंटी में अधिकतम तापमान 26.2 और न्यू6नतम 6.1 डिग्री, लोहरदगा में 25.7 और न्यू,नतम 7.3 डिग्री, लातेहार में 20.8 डिग्री और न्यूमनतम 10.5 डिग्री और सरायकेला में अधिकतम तापमान 30.3 डिग्री और न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

सड़क सुरक्षा माह के तहत हिंडाल्को मुरी ने चलाया जागरूकता अभियान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : मुरी सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर आज हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मुरी की ओर से सड़क सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। यह अभियान मुरी ओपी एवं हिंडाल्को प्रबंधन के संयुक्त तत्वावधान में रांची-पुरुलिया मुख्य मार्ग पर आयोजित किया गया। इस जागरूकता अभियान में मुरी ओपी के एएसआई आशीष तिवारी, एएसआई मुन्ना सिंह सहित हिंडाल्को प्रबंधन की ओर से मुख्य सुरक्षा अधिकारी श्याम कुमार एवं उनकी टीम ने सक्रिय रूप से भाग लिया। अभियान के दौरान आम लोगों, वाहन चालकों एवं राहगीरों को सड़क सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं। विशेष रूप से दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाने, अपने निर्धारित लेन

में वाहन चलाने, तथा शराब पीकर वाहन न चलाने के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने बताया कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने से न केवल दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है, बल्कि अनमोल जीवन की रक्षा भी संभव है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे स्वयं नियमों का पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। हिंडाल्को प्रबंधन एवं मुरी ओपी द्वारा संयुक्त रूप से चलाया गया यह अभियान सड़क सुरक्षा के प्रति समाज में सकारात्मक संदेश देने में सफल रहा।

उपायुक्त ने स्टांप और रजिस्ट्री विभाग को दिया डिजिटल रजिस्ट्री बढ़ाने का निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : समाहरणालय स्थित उपायुक्त सभागार में गुरुवार को उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता में जिले के आंतरिक वित्तीय संसाधनों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य जिले के आंतरिक स्त्रोतों से प्राप्त होने वाले राजस्व (स्टांप ड्यूटी, रजिस्ट्री शुल्क, खनन रॉयल्टी, बाजार शुल्क, परिवहन शुल्क, जलकर, संपत्ति कर) में वृद्धि करना और लक्ष्य प्राप्ति सुनिश्चित करना था। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन का लक्ष्य आंतरिक वित्तीय संसाधनों को मजबूत करके विकास कार्यों में स्वावलंबन बढ़ाना है। इससे सरकारी

योजनाओं के क्रियान्वयन में अधिक धन उपलब्ध होगा और जनकल्याणकारी कार्य तेजी से हो सकेंगे। बैठक में विभिन्न विभागों से प्राप्त लक्ष्य के अनुरूप अब तक की प्रगति की बारीकी से समीक्षा की गई। उपायुक्त ने स्टांप और रजिस्ट्री विभाग को डिजिटल रजिस्ट्री बढ़ाने एवं अवैध लेनदेन पर नजर रखने का निर्देश दिया। वहीं अवैध खनन पर कड़ी कार्रवाई एवं रॉयल्टी संग्रहण में वृद्धि के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने अधिकारियों से परिवहन विभाग को वाहन कर संग्रहण में सुधार और ई-चालान प्रणाली को मजबूत करने को कहा। वहीं बाजार समितियों और पंचायतों से प्राप्त शुल्क में पारदर्शिता लाने एवं ऑनलाइन संग्रहण प्रणाली लागू करने का भी निर्देश दिया गया। इसके अलावा नगर निगम और ग्रामीण क्षेत्रों में संपत्ति कर संग्रहण बढ़ाने के लिए सर्वेक्षण एवं जागरूकता अभियान चलाने को कहा गया। जलकर संग्रहण में डिफॉल्टरों पर जुमार्ना और कनेक्शन काटने की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिया गया। बैठक में डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने, जीएसटी एकीकरण और राजस्व पोर्टल के माध्यम से रीयल-टाइम मॉनिटरिंग के लिए विशेष टीम गठित करने का निर्णय लिया गया। उपायुक्त ने सभी विभागीय पदाधिकारियों को समय पर लक्ष्य प्राप्ति के लिए एक्शन प्लान तैयार करने और मासिक समीक्षा बैठक में प्रगति रिपोर्ट देने निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आंतरिक संसाधनों की मजबूती से जिला विकास में नई गति आएगी और जनता को बेहतर सेवाएं मिल सकेंगी। बैठक में अपर समाहर्ता रामनारायण सिंह, जिला परिवहन पदाधिकारी अखिलेश कुमार, जिला खनन पदाधिकारी जिला राजस्व पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी के अलावा जिला स्तरीय वरीय पदाधिकारी और संबंधित विभागों के अधिकारी एवं विशेषज्ञ उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

लोहरदगा के सैकड़ों लोगों ने थामा झामुमो का दामन

रांची : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय कार्यालय रांची में गुरुवार को लोहरदगा जिला के सैकड़ों लोगों ने झामुमो की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता कार्यक्रम पार्टी के हरमू स्थित कैंप कायार्लय में केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में लोहरदगा जिलाध्यक्ष मोज्जमिल अहमद के नेतृत्व में झामुमो कार्यालय पहुंचे नए सदस्यों को केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पाण्डेय ने पार्टी का अंगवस्त्र पहनाकर झामुमो की सदस्यता दिलाई। इस अवसर पर उन्होंने सदस्यता ग्रहण करने वाले सभी लोगों को पार्टी की विचारधारा, नीति एवं सिद्धांतों से अवगत कराया और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए मार्गदर्शन दिया। पांडेय ने कहा कि राज्य की हेमन्त सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना पार्टी कार्यकताओं की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी नए सदस्यों से राज्य के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने और सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। झामुमो की सदस्यता लेने वालों में संजय टोप्पो, रॉबर्ट एक्का, आलोक कुमार मिंज, जॉर्ज कुजूर, अमन बाड़ा, नीरज खलखो, नीलम तिर्की, रीना कुजूर, संध्या टोप्पो, आयुष सुरील, आर एलिन, रंजीत किंडो, अशोक तिग्गा, हिलारियूस एक्का, मो गुफरान, तौसीफ रजा सहित अन्य लोग शामिल हैं। कार्यक्रम में लोहरदगा जिला से पार्टी की केंद्रीय सदस्य सह महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष राधा तिर्की, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष अजय उरांव, नगर अध्यक्ष आकाश साहू, कुडु प्रखंड अध्यक्ष शंकर उरांव सहित अन्य मौजूद थे।

श्याम मंदिर में बसंत पंचमी पर बसंत उत्सव का हुआ आयोजन

रांची : हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में खाटूनरेश का बसंत पंचमी पर्व उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया जाएगा। खाटूधाम के श्री श्याम मंदिर की परंपरा अनुसार बाबा श्री श्याम का बसंत उत्सव महास्नान किया जाएगा। मंडल अध्यक्ष गोपाल मुरारका कोषाध्यक्ष मनोज खेतान एवं वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य श्याम सुंदर शर्मा के सानिध्य में महास्नान अनुष्ठान

संपन्न कराया जाएगा। प्रात: कालीन 5.30 बजे की मंगला आरती की जाएगी। इसके बाद मंड के पर्दे लगा दिए जाएंगे। मंदिर के आचार्यों संग श्री श्याम प्रभु का महास्नान विधि विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ प्रारंभ किया जाएगा। मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने बताया की भक्तों के लिए दर्शन हेतु लाइनों की सुंदर व्यवस्था की जा रही है। तीनों मंड के पर्दे बदलकर बांसती रंग के लगाए जाएंगे। बेंगलुरु कोलकाता दिल्ली रायपुर से पीला गुलाब पिला स्टार पीला गेंदा एवं अनेकों तरह के फूलों से बाबा श्याम बासंती श्रृंगार किया जाएगा। बसंत उत्सव पर्व श्याम जगत के लिए बहुत ही खास एवं महत्वपूर्ण होता है । बाबा श्याम का अंग वस्त्र बदला जाता है जो की साल में मात्र इसी दिन पहनाया एवं बदल जाता है । ऐसे तो बाबा श्री श्याम प्रतिदिन ही बागा पोशाक बदल-बदल कर पहनते हैं । लेकिन बसंती अंग वस्त्र जो साल भर बाबा पहनते हैं वह इस दिन बदलकर भक्तों के बीच वितरण किया जाएगा। श्याम जगत में ऐसी मान्यता है कि इस वस्त्र में इतनी शक्ति होती है कि वह बड़े से बड़े बीमारी को ठीक कर दें बड़े से बड़ा काम भक्तों का पार लगा दे । 8:30 बजे की श्रृंगार आरती के उपरांत लाइनों से ही श्याम भक्त बाबा श्याम के दर्शन एवं वस्त्र प्राप्त कर सकते हैं। बसंत उत्सव पर्व को लेकर प्रतिदिन मंडल अध्यक्ष गोपाल मुरारका महामंत्री गौरव अग्रवाल के नेतृत्व में मंदिर में विचार विमर्श किया जा रहा है। बासंती पोशाक बागा की सेवा सुशील रीना अग्रवाल दीपक प्रीती अग्रवाल के परिवार के द्वारा निवेदित किया जाएगा। पंचमेवा भोग सेवा अमन अग्रवाल बलवंत लाल सुमन के परिवार द्वारा निवेदित किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारी को लेकर गोपाल मुरारका गौरव अग्रवाल मनोज खेतान अशोक लड़ियां श्याम सुंदर शर्मा राजेश ढांढनीया विष्णु चौधरी प्रवीण सिंघानिया पंकज गाड़ोदिया आदित्य लोहिया रोहित अग्रवाल आदि अनेक सदस्य रात दिन लगे हुए हैं।

चिलदाग में 15वें वित आयोग द्वारा तालाब का सीढ़ी निर्माण कार्य का हुआ शिलान्यास

रांची : चिलदाग पंचायत अंतर्गत लालगढ़ गांव में 15वें वित आयोग के द्वारा महतो तालाब में सीढ़ी निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। जिसमें मुख्य रूप से उपप्रमुख जयपाल हजाम,

चिलदाग पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि रब्बानी राज, महावीर महतो, बिरसा महतो, कैलाश महतो, मेघ नाथ महतो, वार्ड सदस्य संजू देवी, अर्जुन करमाली, कुंवसो देवी, सूरज कुमार महतो, ग्राम प्रधान सूरज मुंडा, अमर महतो, प्रखंड प्रतिनिधि प्रेम उरांव और सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

हानिकारक कीटों से बच सकेंगे फसल: डॉ मयंक मुरारी

रांची : उषा मार्टिन फॉउंडेशन ने टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल कृषि की दिशा में एक और कदम बढ़ाया है। किसानों में मलचिंग, सोलर लाइट, ड्रिप इरिगेशन एवं पॉलीहाउस के बाद अब कीटों से रक्षा की दिशा में पहल की है। हानिकारक कीटों से फसल को बचाने के लिए अनगड़ा और नामकोम प्रखंड के 30 प्रगतिशील किसानों को सौर कीट नियंत्रण मशीन वितरित किया गया । सौर कीट जाल एक स्वचालित उपकरण है जो यूवी एलईडी को बिजली देने के लिए सूर्य की रोशनी का उपयोग करता है और हानिकारक रात्रिचर उड़ने वाले कीटों को आकर्षित पकड़ता है। ये जाल दिन में चार्ज होते हैं और रात में स्वचालित रूप से चालू हो जाते हैं। इनमें सौर पैनल, बैटरी और कभी-कभी प्रभावी, कम रखरखाव वाले कीट नियंत्रण के लिए फेरोमोन आकर्षण भी शामिल होते हैं। उषा मार्टिन के महाप्रबंधक डॉ मयंक मुरारी ने बताया कि यह मशीन किसानों को पैसे बचाने और कम रसायनों का उपयोग करने में मदद करता है। इससे कीटनाशकों का उपयोग कम होता है। यह पर्यावरण के अनुकूल एवं जैविक कीट नियंत्रण विधि है, जो केवल हानिकारक कीटों को लक्षित करता है। यह उन हानिकारक कीटों के खिलाफ प्रभावी है जो विभिन्न फसलों (पत्तागोभी, टमाटर, बैंगन, भींडी, मिरचा आदि सब्जी फसल) को प्रभावित करते हैं। लाभकारी कीटों की रक्षा करता है। इसे हानिकारक कीटों को आकर्षित करने के लिए डिजाइन किया गया है, जबकि परागण करने वाले कीटों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाता है। यह स्वचालित है जिसका रखरखाव पर कम खर्च पता है।

एक नजर

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर मतदाता शपथ का हुआ आयोजन

कोडरमा : अनुदीप सिंह, पुलिस अधीक्षक, कोडरमा के दिशा-निर्देशन में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय मतदाता शपथ का आयोजन अत्यंत गरिमापूर्ण वातावरण में किया गया। यह कार्यक्रम जिले के सभी थानों के परिसरों एवं पुलिस ईकाईयों में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में पुलिस बल के विभिन्न स्तर के पदाधिकारियों एवं जवानों की बडी संख्या सम्मिलित रहीं, जिन सबों के द्वारा मतदाता शपथ ली गयी कि – हम भारत के नागरिक, लोकतंत में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मयार्दा को बनाए रखेंगें तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगें। इस अवसर पुलिस अधीक्षक ने जिले वासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत का लोकतंत्र मतदाताओं की जागरूकता, सहभागिता एवं निष्पक्ष मतदान प्रक्रिया पर आधारित है। प्रत्येक नागरिकों का यह कर्तब्य है कि वह अपने मताधिकार का प्रयोग निर्भीक, निष्पक्ष एवं जिम्मेदारी के साथ करें। पुलिस अधीक्षक ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि जागरूक मतदाता ही सशक्त लोकतंत्र की नींव होते हैं और मतदाता शपथ कार्यक्रम का उद्येश्य नागरिकों में संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढाना है। आइए, हम सभी मिलकर लोकतांत्रिक परंपराओं को और अधिक सशक्त बनाएं।

मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर हुई बैठक

कोडरमा : कोडरमा जिला में 5 फरवरी को झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष सह प्रदेश के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आगमन को लेकर जिला समिति की बैठक जिला अध्यक्ष वीरेंद्र पांडेय की अध्यक्षता में जिला समिति की एक बैठक आज 22 जनवरी दिन गुरुवार कोडरमा के सरना धर्मस्थल के पास की गई। बैठक में मंच संचालन जिला सचिव पवन माइकल कुजूर तथा जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद खलील ने संयुक्त रूप से किया बैठक में मुख्य रूप से मुख्यमंत्री के 5 फरवरी को कोडरमा जिला में आगमन को लेकर तथा नगर निकाय चुनाव झुमरी तिलैया नगर परिषद कोडरमा नगर पंचायत तथा डोमचांच नगर पंचायत में झारखंड मुक्ति मोर्चा के पार्टी के कार्यकर्ता को चुनाव लड़वाने को लेकर व्यापक रूप से चर्चा की गई बैठक में मौजूद पार्टी के पदाधिकारी तथा प्रखंड अध्यक्ष सचिव ने अपनी बातों को बारी-बारी से अपने बातों को विस्तार रूप से रखा तथा यह संयुक्त रूप से निर्णय लिया गया की मुख्यमंत्री का कार्यक्रम जो कोडरमा जिला में फरवरी के पहले सप्ताह में होने जा रहा है उस सभा को ऐतिहासिक बनाया जाए।

सरस्वती पूजा को लेकर शांति समिति की हुई बैठक

मरकच्चो : नवलशाही थाना परिसर में गुरुवार को सरस्वती पुजा शान्ति पुर्वक मनाने को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी सुमन कुमार ने किया । वहीं संचालन एसआई निताय चंद्रशहा ने किया। बैठक में क्षेत्र के पुजा समिति अध्यक्ष तथा सदस्य उपस्थित हुए।
बैठक में थाना प्रभारी सुमन कुमार ने पुजा से संबंधित पूजा समितियों को गाइडलाइन का पालन करने को लेकर कहा कि सरस्वती पुजा आस्था का पूजा है।सभी पुजा समितियां प्रशासन द्वारा जारी दिशानिदेर्शों का पालन सख्ती से पालन करें ताकि पूजा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढ़ंग से संपन्न हो।

समाहरणालय सभागार में राष्ट्रीय मतदाता दिवस का हुआ आयोजन

मतदान लोकतंत्र की आत्मा है : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : राष्ट्रीय मतदाता दिवस प्रतिवर्ष 25 जनवरी को मनाया जाता है। वर्ष 2026 में 25 जनवरी रविवार होने के कारण जिले में राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन गुरुवार को समाहरणालय सभागार, सिमडेगा में गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर किया गया। कार्यक्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह ने उपस्थित सभी पदाधिकारियों, कर्मियों एवं नागरिकों को मतदान के प्रति जागरूक रहने तथा क्षेत्र के मतदाताओं को जाति, धर्म, वर्ग से ऊपर उठकर निष्पक्ष, शांतिपूर्ण मतदान करने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मतदाता शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित कर लोकतंत्र में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी एवं मतदान के महत्व पर जोर दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि मतदान लोकतंत्र की आत्मा है और प्रत्येक नागरिक का यह संवैधानिक दायित्व है कि वह निर्भीक एवं जिम्मेदारी के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग करे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आम नागरिकों को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर सिमडेगा प्रखंड अंतर्गत दो नव-मतदाताओं को उपायुक्त सिमडेगा द्वारा एपिक कार्ड प्रदान किया गया। उन्होंने नव-मतदाताओं को शुभकामनाएं देते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता निभाने के लिए प्रेरित किया। इस वर्ष राष्ट्रीय मतदाता दिवस की थीम भारतीय लोकतंत्र के हृदय में नागरिक तथा टैगलाइन मेरा भारत, मेरा वोट निर्धारित की गई है। उपायुक्त महोदया ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा, विविधतापूर्ण, युवा एवं समावेशी लोकतंत्र है और मतदाता दिवस लोकतंत्र को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण उत्सव है। कार्यक्रम में अपर समाहर्ता ज्ञानेन्द्र, जिला पंचायत राज पदाधिकारी दयानंद कार्जी, उप निर्वाचन पदाधिकारी पवन कुमार महतो, एल.आर.डी.सी. अरुणा कुमारी सहित सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं समाहरणालय कर्मी उपस्थित रहे।

समाहरणाय सभागार में स्व. विजय लकड़ा के निधन पर शोक सभा का हुआ आयोजन

सिमडेगा : ग्रामीण विकास शाखा सिमडेगा (डीआरडीए) में पदस्थापित सहायक परियोजना पदाधिकारी, विजय लकड़ा का लंबी बीमारी के बाद बीती रात रांची स्थित कैंसर अस्पताल में निधन हो गया। उनके असामयिक निधन से जिले के प्रशासनिक महकमे में शोक की लहर व्याप्त है। स्व. विजय लकड़ा के निधन पर समाहरणालय सभागार में उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह की अगुवाई में शोक सभा आयोजित की गई। इस दौरान सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर उनकी दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। साथ ही उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। शोक सभा में उपस्थित अधिकारियों व कर्मियों ने स्व.विजय लकड़ा को एक कर्तव्यनिष्ठ, ईमानदार एवं मृदभाषी अधिकारी बताते हुए उनके कार्यों और व्यवहार की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनका जाना विभाग के लिए अपूरणीय क्षति है।

मॉडर्न पब्लिक स्कूल की छात्राओं का कोडरमा जिला कबड्डी टीम में हुआ चयन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झुमरी तिलैया स्थित मोडर्न पब्लिक स्कूल की दो छात्राएं का चयन कोडरमा जिला कबड्डी टीम में हुआ है। छात्रा रचिता राज और अनामिका कुमारी का चयन कोडरमा जिले की कबड्डी टीम में हुआ है। ये दोनों छात्राएं अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगी। विद्यालय के प्राचार्य गुरु चरण वर्मा ने कहा कि दोनों छात्राओं ने अपनी प्रतिभा के कारण ये मुकाम हासिल किया है और उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं। वहीं निर्देशिका संगीता शर्मा ने कहा कि छात्राओं के चयन ने पुनः एक बार साबित किया है कि मेहनत से किसी भी सफलता को हासिल किया जा सकता है। दोनों छात्राओं को अब जमशेदपुर में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में शामिल होना है। गौरतलब हो इस माह अब तक विद्यालय से सिद्धार्थ का चयन झारखंड राज्य खो खो टीम में हुआ है । वहीं छात्रा अवनी कुमारी ने राज्य स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर अपने विद्यालय का नाम पूरे राज्य में रौशन किया। इस अवसर पर पूरे विद्यालय परिवार ने दोनों छात्राओं को आशीर्वाद दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

90 दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान 2.0 कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार नालसा एवं माननीय सर्वोच्च न्यायालय के मध्यस्थता और सुलह परियोजना समिति द्वारा चलाये जा रहे 90 दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान (मेडीएसन फॉर द नेशन) 2.0 कार्यक्रम के सफलता पूर्वक संचालन को लेकर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अध्यक्षता में व्यवहार न्यायालय में 02 जनवरी 2026 से अगले 90 दिनों तक विशेष मध्यस्थता अभियान की शुरूआत की गई है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोडरमा के प्रकोष्ठ में सभी न्यायिक पदाधिकारियों की एक बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष रमाकांत मिश्रा ने बताया कि 90 दिवसीय राष्ट्रव्यापी अभियान राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण, सुप्रीम कोर्ट की मध्यस्थता और सुलह परियोजना समिति द्वारा शुरू किया गया है। अभियान के तहत जिला एवं अनुमंडल विधिक सेवा प्राधिकार, जिला अदालत से लेकर उच्च न्यायालयों तक समझौता के लिए सभी उपयुक्त मामलो को निपटाने का प्रयास किया जायेगा। जिसमे मध्यस्थता के लिए पात्र लंबित मामलो में दुर्घटना दावा मामले, घरेलू हिंसा मामले, चेक बाउंस मामले, सर्विस मोटर, आपराधिक समझौता योग्य मामले, उपभोक्ता विवाद मामले, ऋण वसूली मामले, विभाजन मामले, बेदखली मामले, भूमि अधिग्रहण मामले, अन्य उपयुक्त सिविल मामले, राजस्व प्रकरण सहित अन्य मामले शामिल है। मध्यस्थता का लाभ प्राप्त करने के हेतु जिस न्यायालय में मामला लंबित हो वहा प्रस्तुत कर सकते है। जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण द्वारा मध्यस्थता अभियान को शुरू किया गया। इस अभियान का उदेश्य अदालतों में लंबित मामलो को सुलझाना और विवादों के समाधान के लिए मध्यस्थता को बढ़ावा देना है। मौके पर प्रधान जिला जज रमाकांत मिश्रा, जिला जज प्रथम गुलाम हैदर, जिला जज तृतीय राकेश चंद्रा, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अमित कुमार वैश, अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मनोरंजन कुमार, जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी शिवांगी प्रिया, ज्योत्सना पाण्डेय, नमिता मिंज व मुंसिफ मिथिलेश कुमार मौजूद थे।

दिल्ली से कांग्रेस नेतृत्व का संदेश, झारखंड में संगठन को धार देने की ठोस रणनीति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : आगामी चुनावों को लेकर कांग्रेस अब किसी तरह की ढिलाई के मूड में नहीं दिख रही है। इसी कड़ी में राजधानी दिल्ली में कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल की अध्यक्षता में झारखंड के कांग्रेस विधायकों के साथ बैठक हुई। बैठक का स्पष्ट संदेश था कि झारखंड में संगठन को जमीनी स्तर पर और आक्रामक बनाया जाए तथा जनता के मुद्दों पर भाजपा को सीधी चुनौती दी जाए। केसी वेणुगोपाल ने सभी विधायकों और नेताओं को साफ निर्देश दिया कि आने वाले दिनों में संगठनात्मक गतिविधियों में तेजी लाई जाए और जनता के बीच रहकर संघर्ष की राजनीति को और धार दी जाए। बैठक में झारखंड प्रदेश प्रभारी के. राजू ने संगठन की वर्तमान स्थिति, विपक्षी दलों की रणनीति और आगामी चुनावी परिदृश्य को लेकर विस्तृत रिपोर्ट पेश की। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि कांग्रेस कार्यकर्ता हर गांव, हर टोला और हर बूथ पर सक्रिय होकर जनता के सवालों को मजबूती से उठाएं। कांग्रेस जिला अध्यक्ष सह सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा ने बैठक में संगठन की मजबूती को लेकर बेबाकी से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि झारखंड की जनता आज भी कांग्रेस की विचारधारा पर भरोसा करती है। लेकिन जरूरत है कि इस भरोसे को संगठित ताकत में बदला जाए। उन्होंने कहा कि संगठन में सक्रिय कार्यकताओं को आगे लाना, निष्क्रियता पर लगाम लगाना और जनसंघर्ष को प्राथमिकता देना अब अनिवार्य हो चुका है। विधायक भूषण बाड़ा ने कहा कि आदिवासी, दलित, किसान और मजदूर वर्ग आज महंगाई, बेरोजगारी और अधिकारों के हनन से त्रस्त है और कांग्रेस ही एकमात्र पार्टी है जो उनकी आवाज को मजबूती से उठा सकती है। उन्होंने संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने के लिए विशेष अभियान चलाने का सुझाव दिया। बैठक में विधायक नमन विक्सल कोंगाड़ी, विधायक राजेश कच्छप, विधायक सोना राम सिंकु, विधायक सुरेश बैठा समेत अन्य विधायकों ने भी अपने क्षेत्रों की राजनीतिक स्थिति से अवगत कराते हुए कहा कि भाजपा की नीतियों से जनता में नाराजगी बढ़ रही है। जिसे कांग्रेस को जन आंदोलन में बदलना होगा। सोशल मीडिया, युवाओं की भागीदारी और महिला संगठन को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया।

रामगढ़ और झुमरी तिलैया के भाग्यशाली विजेताओं को यामाहा बाइक-स्कूटी से नवाजा गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : ए.आर. इंटरप्राइजेज की ओर से आयोजित बाबा का खजाना लकी ड्रॉ कार्यक्रम में पांच भाग्यशाली विजेताओं को यामाहा की बाइक एवं स्कूटी प्रदान की गई। लकी ड्रॉ के प्रथम विजेता रामगढ़ की नैना कुमारी रहीं, जबकि द्वितीय विजेता झुमरी तिलैया काली मंदिर निवासी अंगद सिंह बने। दोनों विजेताओं को यामाहा की बाइक पुरस्कार स्वरूप प्रदान की गई। वहीं तृतीय, चतुर्थ एवं पंचम पुरस्कार के रूप में यामाहा की स्कूटी धनबाद के निखिल गुप्ता, झुमरी तिलैया के सोनू एवं सूरज साव ने जीती। इसके अतिरिक्त कुल 501 विजेताओं को सांत्वना पुरस्कार से नवाजा जाना है। देर शाम तक लकी ड्रॉ कार्यक्रम जारी रहा। गुरुवार को सभी श्याम भक्तों की उपस्थिति में बाबा का खजाना लकी ड्रॉ निकाला गया, जिसमें बच्चों द्वारा एक-एक कर कूपन निकाले गए और विजेताओं के नामों की घोषणा की गई। जैसे-जैसे कूपन संख्या की घोषणा हो रही थी, वैसे-वैसे उपस्थित लोगों की धड़कनें तेज होती रहीं और लोग अपने-अपने कूपन से संख्या मिलाते नजर आए। पुरस्कार प्राप्त करने वाले विजेताओं के चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी। कार्यक्रम के दौरान ए.आर. इंटरप्राइजेज के प्रोपराइटर अभिषेक पांडेय की सभी प्रतिभागियों की संतुष्टि को प्राथमिकता देने की भावना की जमकर सराहना की गई। मौके पर श्री पांडेय ने लकी ड्रॉ के पांचों मुख्य विजेताओं को पुरस्कार से संबंधित नियम एवं शर्तों की जानकारी दी, जिन्हें प्रत्येक विजेता को अनिवार्य रूप से पूरा करना होगा। कार्यक्रम का संचालन बबलू सिंह द्वारा किया गया।इसी अवसर पर श्री श्याम सेवा मंडल के प्रथम वार्षिक महोत्सव को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले मंडल के पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया।

मारवाड़ी युवा मंच प्रेरणा शाखा का सेवा पखवाड़ा संपन्न, पुण्य स्मृति में रक्तदान से सजी मानवता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झुमरी तिलैया सेवा, संवेदना और सामाजिक दायित्व की भावना से सराबोर वातावरण में मारवाड़ी युवा मंच कि प्रेरणा शाखा द्वारा अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच स्थापना दिवस सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित सात दिवसीय कार्यक्रमों की श्रृंखला का अत्यंत भावुक समापन हुआ। अंतिम दिन झारखंड प्रांतीय पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय अभिषेक अग्रवाल की पुण्य स्मृति में आयोजन हुआ।सेवा पखवाड़ा के अंतिम दिन श्री अग्रसेन भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 15 यूनिट रक्त का संग्रह हुआ। शिविर में युवाओं, महिलाओं और समाजसेवियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मौके पर रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष अजित वर्णवाल ने कहा कि रक्तदान केवल एक दान नहीं, बल्कि किसी अनजान व्यक्ति को नया जीवन देने का पुण्य कार्य है। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी युवा मंच प्रेरणा शाखा द्वारा स्वर्गीय अभिषेक अग्रवाल की स्मृति में आयोजित यह शिविर समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत है। प्रेरणा शाखा अध्यक्ष सारिका लड्ढा ने भावुक शब्दों में कहा कि सेवा पखवाड़ा का उद्देश्य केवल कार्यक्रम करना नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग तक सहयोग और संवेदना पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय अभिषेक अग्रवाल जी का जीवन स्वयं सेवा और संगठन के प्रति समर्पण का प्रतीक रहा है, और उनकी स्मृति में रक्तदान कर हम सभी ने उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की है। रक्तदान परियोजना निदेशक प्रियंका अग्रवाल एवं शैलजा केडिया ने कहा कि रक्तदान शिविर की सफलता सभी सदस्यों की एकजुटता का परिणाम है। जरूरतमंदों तक रक्त पहुँचाना ही इस परियोजना का मूल उद्देश्य है। कार्यक्रम में मंडल वन सहायक मंत्री श्रेया केडिया, प्रेरणा शाखा अध्यक्ष सारिका लड्ढा, सचिव आकृति चौधरी, सहसचिव प्रिया अग्रवाल, नेहा हिसारिया, ज्योति अग्रवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। शिविर मे प्रिया अग्रवाल, शिल्पा अग्रवाल, विमल हिसारिया, राहुल चौधरी, पंकज चौधरी, श्याम शर्मा, चिराग हिसारिया, रोहित लोहिया, सारिका लड्ढा, मुकेश भालोठिया, केशव संघई, रानी कालरा, गौरव अग्रवाल, वेदांत चौधरी ने रक्तदान किया।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में कर्मियों ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी की ली शपथ

सिमडेगा : गुरुवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय सिमडेगा के सभागार में पुलिस अधीक्षक महोदय, सिमडेगा के द्वारा पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी हेतु शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का उद्देश्य मतदाताओं को अपने मताधिकार के प्रति जागरूक करना एवं निष्पक्ष, निर्भीक तथा शांतिपूर्ण मतदान के लिए प्रेरित करना था। इस अवसर पर उपस्थित सभी पुलिसकर्मियों ने शपथ ली कि वे बिना किसी भय के निर्भिक होकर धर्म, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे तथा लोकतंत्र की गरिमा बनाए रखने में सहयोग करेंगे। पुलिस अधीक्षक महोदय ने अपने संबोधन में कहा कि मतदान लोकतंत्र का सबसे सशक्त माध्यम है और प्रत्येक नागरिक का यह नैतिक दायित्व है कि वह मतदान में अवश्य भाग लेंगे। इस कार्यक्रम में वरीय पुलिस उपाधीक्षक (मु0), सिमडेगा, अन्य पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने भाग लिये।

नवपदस्थापित पुलिस अधीक्षक से समाजसेवी दीपक लकड़ा की शिष्टाचार भेंट

सिमडेगा : जिले के नवपदस्थापित पुलिस अधीक्षक श्रीकांत राव खोटरे से पूर्व उप मुखिया एवं समाजसेवी दीपक लकड़ा ने शिष्टाचार मुलाकात की। मुलाकात के दौरान लकड़ा ने अपने क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न सामाजिक, विकासात्मक एवं जनसमस्याओं की जानकारी पुलिस अधीक्षक को दी। लकड़ा ने क्षेत्र में शांति व्यवस्था, आम नागरिकों की सुरक्षा, युवाओं से संबंधित सामाजिक मुद्दों, नशाखोरी की समस्या, ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस की सक्रियता तथा पुलिस जन सहयोग को और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि समाजसेवियों और प्रशासन के आपसी समन्वय से ही क्षेत्र का समग्र विकास संभव है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्रीकांत राव खोटरे ने कहा कि आम जनता की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था बनाए रखना तथा निष्पक्ष पुलिसिंग उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित करना आवश्यक है, जिससे समस्याओं का समय पर समाधान किया जा सके। पुलिस अधीक्षक ने यह भी आश्वासन दिया कि जिले में अपराध नियंत्रण, महिलाओं एवं कमजोर वर्गों की सुरक्षा, तथा ग्रामीण इलाकों में पुलिस की मौजूदगी को और सशक्त किया जाएगा। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की कि किसी भी प्रकार की समस्या या सूचना होने पर बिना भय एवं संकोच के पुलिस से संपर्क करें। पुलिस सदैव जनता की सेवा के लिए तत्पर है।

सरस्वती पूजा के मद्देनजर मॉक ड्रिल का हुआ आयोजन

कोडरमा : आगामी सरस्वती पूजा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्येश्य से पुलिस अधीक्षक के दिशा-निर्देशन में पुलिस बलों को मॉक ड्रिल का अभ्यास पुलिस केन्द्र, कोडरमा में परिचारी प्रवर के देखरेख में आयोजित किया गया। मॉक ड्रिल के माध्यम से पुलिस बल की तत्परता, समन्वय एवं आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों का अभ्यास किया गया। मॉक ड्रिल के दौरान भीड नियंत्रण, यातायात व्यवस्था, किसी भी आकस्मिक घटना, आगजनी, असामाजिक तत्वों की गतिविधियों तथा विधि-व्यवस्था से जुडी संभावित चुनौतियों से निपटने का पूर्वाभ्यास किया गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सरस्वती पूजा के दौरान पूजा पंडालों, संवेदनशील एवं अति संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जा रही है तथा पेट्रोलिंग एवं गश्ती दल लगातार सकिय रहेंगें। सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से फैलने वाली अफवाहों पर भी कड़ी नजर रखी जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने आम नागरिकों, पूजा समितियों एवं श्रधालुओं से अपील की है कि वे प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों का पालन करें, ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग में निर्धारित मानकों का अनुपालन करें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। पुलिस प्रशासन सभी के सहयोग से सरस्वती पूजा को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

राज्य स्तरीय सीनियर महिला कबड्डी प्रतियोगिता में कोडरमा की टीम बनी चैंपियन

झुमरी तिलैया : कोडरमा जिले की महिला कबड्डी खिलाड़ियों ने एक बार फिर जिले का नाम पूरे राज्य में रोशन किया है। जामताड़ा में आयोजित 18वीं झारखंड राज्य स्तरीय सीनियर महिला कबड्डी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए कोडरमा की टीम ने खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में कोडरमा की टीम ने गढ़वा जिला की टीम को कड़े संघर्ष के बाद टाई-ब्रेकर मुकाबले में 2 अंकों से पराजित कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। प्रतियोगिता के दौरान कोडरमा की खिलाड़ी मनीषा कुमारी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए बेस्ट रेडर अवॉर्ड भी अपने नाम किया। प्रतियोगिता से ट्रॉफी जीतकर कोडरमा लौटने पर खिलाड़ियों का कोडरमा जिला कबड्डी संघ द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। खिलाड़ियों को मिठाइयाँ खिलाकर बधाइयाँ दी गईं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। इस ऐतिहासिक जीत में टीम की प्रमुख खिलाड़ी डॉली कुमारी, मनीषा कुमारी, रीता कुमारी, सिम्पी कुमारी, प्रियांशु कुमारी, पूजा कुमारी, मोंटी कुमारी, रूबी कुमारी, साक्षी कुमारी, मुस्कान कुमारी, गौरी कुमारी एवं सोनाली कुमारी शामिल थीं। टीम के कोच जितेंद्र कुमार एवं मैनेजर नवाज दिलशान के कुशल मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने यह उपलब्धि हासिल की।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा बीएलओ को सम्मानित करते हुए नए मतदाताओं को एपीआईसी कार्ड का वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : समाहरणालय सभागार में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त नितिश कुमार सिंह की अध्यक्षता में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पदाधिकारियों, निर्वाचन कर्मियों एवं नागरिकों को मतदाता प्रतिज्ञा दिलाई गई। इस अवसर पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम एवं निर्वाचन कार्यक्रम-2025 के अंतर्गत उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों से तीनझतीन बूथ लेवल ऑफिसर को जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा

लोकतांत्रिक देश है, जहां लोकतंत्र की मजबूती प्रत्येक नागरिक की सहभागिता एवं जिम्मेदार मतदान पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन लोकतंत्र की गरिमा का प्रतीक है, जिसे बनाए रखना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। उपायुक्त ने बीएलओ को निर्देश देते हुए कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में छूटे हुए पात्र मतदाताओं की पहचान कर उन्हें मतदाता सूची से जोड़ने हेतु सतत प्रयास करें। साथ ही फॉर्म-6,फॉर्म-7 एवं फॉर्म-8 से संबंधित आवेदनों का नियमानुसार, समयबद्ध एवं पारदर्शी निष्पादन सुनिश्चित करें, जिससे त्रुटिरहित, स्वच्छ एवं अद्यतन मतदाता सूची का निर्माण किया जा सके। उन्होंने कहा कि त्रुटिरहित मतदाता सूची का निर्माण केवल निर्वाचन तंत्र का ही नहीं, बल्कि समाज के सभी वर्गों की सहभागिता से ही संभव है। मतदाता प्रतिज्ञा के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि यह प्रतिज्ञा केवल औपचारिक शपथ नहीं, बल्कि व्यवहारिक जीवन में लोकतांत्रिक मूल्यों को अपनाने का संकल्प है, ताकि धर्म, जाति, वर्ग, समुदाय, भाषा अथवा किसी भी प्रकार के प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना प्रत्येक नागरिक निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। कार्यक्रम के अंत में जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा नए मतदाताओं के बीच एढक्ळ कार्ड का वितरण किया गया। साथ ही समाहरणालय परिसर से गुब्बारे उड़ाकर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया गया, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अधिकाधिक जनभागीदारी को प्रोत्साहित किया जा सके। कार्यक्रम में अपर उपायुक्त जयबर्धन कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी सरायकेला अभिनव प्रकास, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी सुरेन्द्र उराव, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार समेत विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारी सहायक पदाधिकारी एवं कर्मिगण, निर्वाचन कर्मी, बीएलओ एवं नवपंजीकृत मतदाता उपस्थित रहे।

एक नजर

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

सरायकेला : खरसावां नितिश कुमार सिंह की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक मुकेश लुणायत की उपस्थिति में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई। बैठक में जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात सुरक्षा सुदृढ़ीकरण तथा सड़क अधोसंरचना सुधार से संबंधित विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी गिरिजा शंकर महतो द्वारा सड़क सुरक्षा से संबंधित अद्यतन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने अवगत कराया कि माह दिसम्बर 2025 में जिले में कुल 18 सड़क दुर्घटनाएँ घटित हुईं, जिनमें 14 व्यक्तियों की मृत्यु तथा 8 व्यक्ति घायल हुए। साथ ही जिले में 18 ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए गए हैं, जिन पर सुधारात्मक कार्यवाही प्रगति पर है।

संक्षिप्त खबरें

देवकी अस्पताल सरिया में लगा सफल ब्लड डोनेशन कैंप

सरिया : मानवता की सेवा में एक और सराहनीय कदम। देवकी अस्पताल के संचालक डॉ. राजेश कुमार और ब्लड बैंक गिरिडीह के संयुक्त प्रयास से देवकी अस्पताल परिसर में आयोजित ब्लड डोनेशन कैंप में उत्साहजनक 71 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ। यह कैंप न केवल जीवन रक्षक बनने का माध्यम बना, बल्कि सामाजिक जागरूकता का भी अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। कैंप में वर्तमान विधायक नागेंद्र महतो तथा पूर्व विधायक विनोद कुमार सिंह विशेष रूप से पहुंचे और अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम को गौरवान्वित किया। पूर्व विधायक विनोद कुमार सिंह ने स्वयं रक्तदान कर दूसरों के लिए प्रेरणा का उदाहरण प्रस्तुत किया। डॉ. राजेश कुमार की पहल पर सभी रक्तदाताओं को सम्मानित करने के लिए डॉ राजेश कुमार और गिरिडीह के डीटीओ की ओर से प्रत्येक डोनर को एक-एक हेलमेट भेंट किया गया। यह उपहार न केवल सुरक्षा का संदेश देता है, बल्कि सड़क सुरक्षा और जीवन रक्षा के दोहरे महत्व को भी रेखांकित करता है।यह प्रयास स्थानीय समाज में रक्तदान की भावना को और मजबूत करने वाला साबित हुआ। डॉ. राजेश कुमार ने कहा कि ऐसे कैंप नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे ताकि किसी भी जरूरतमंद को रक्त की कमी न हो। आइए हम सब मिलकर इस नेक कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और किसी की जिंदगी को नई उम्मीद दें।

बाटालुका-आमदापहाड़ी नाला पर आरसीसी पुलिया निर्माण कार्य का हुआ शिलान्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : बूढ़ाबूढ़ी पहाड़ से सटे पटमदा प्रखंड की गोबरघुसी पंचायत अंतर्गत बाटालुका एवं आमदापहाड़ी के बीच नाला में जिला अनाबद्ध निधि से स्वीकृत आरसीसी पुलिया निर्माण कार्य का शिलान्यास गुरुवार को दर्जनों ग्रामीणों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। विधायक मगंल कालिंदी की अनुपस्थिति में प्रतिनिधि के तौर पर झामुमो नेता सुभाष कर्मकार ने नारियल फोड़कर कार्य का शुभारंभ किया। करीब 61 लाख की लागत से स्वीकृत इस पुलिया के निर्माण हो जाने से आमदापहाड़ी , बारूबेड़ा, बाटालुका, जाहीरडीह व रांगामाटी गांव एवं टोले के एक हजार परिवारों के

अलावा पश्चिम बंगाल से जमशेदपुर के लिए आवागमन करने वाले लोगों को काफी सुविधा होगी। फिलहाल लकड़ी का अस्थायी पुलिया से लोग आवागमन कर रहे हैं। ग्राम प्रधान लगमनी सोरेन ने बताया कि सबसे दिक्कत बरसात के मौसम में आने जाने में होती है। उन्होंने बताया कि स्थानीय विधायक मंगल कालिंदी से नाला में पुलिया निर्माण करवाने की मांग रखी गई थी। ग्रामीणों की समस्याओं को देखते हुए विधायक ने पुलिया निर्माण कार्य की स्वीकृति दिलाई है। मौके पर झामुमो पटमदा प्रखंड अध्यक्ष अश्विनी महतो, सुफल टुडू, सुजीत महतो, संजय सिंह, सुभद्रा सिंह, सागर सिंह, गणेश सोरेन, हाड़ीराम सिंह, मंगल सिंह व मंटू सिंह आदि उपस्थित थे।

प्रखंड विकास पदाधिकारी सरिया ने जारी की झंडोत्तोलन की समय-सारिणी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : गणतंत्र दिवस के अवसर पर सरिया प्रखंड में मुख्य झंडोत्तोलन कार्यक्रमों की समय-सारिणी निर्धारित कर दी गई है। प्रखंड विकास पदाधिकारी, सरिया द्वारा जारी पत्रांक संख्या 62, दिनांक 22.01.2026 के अनुसार विभिन्न सरकारी कार्यालयों में सुबह 9 बजे से झंडोत्तोलन का क्रम निर्धारित किया गया है। समय-सारिणी निम्नलिखित है:अनुमंडल कार्यालय, सरिया - सुबह 9:00 बजे अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कार्यालय, सरिया - सुबह 9:10 बजे प्रखंड कार्यालय, सरिया - सुबह 9:20 बजे वन क्षेत्र कार्यालय, सरिया - सुबह 9:35 बजे पुलिस निरीक्षक कार्यालय, सरिया - सुबह 9:45 बजे - थाना सरिया - सुबह 9:55 बजे सरिया स्टेडियम - सुबह 10:10 बजे प्रखंड विकास पदाधिकारी ने पत्र के माध्यम से कोडरमा लोकसभा सांसद, बगोदर विधायक, सभी सरकारी कर्मचारियों, पदाधिकारियों तथा स्थानीय प्रेस प्रतिनिधियों को गणतंत्र दिवस के मुख्य कार्यक्रम में शामिल होने के लिए हार्दिक आमंत्रित किया है। प्रशासन ने सभी से अनुरोध किया है कि वे समय पर उपस्थित होकर इस राष्ट्रीय पर्व को उत्साहपूर्ण ढंग से मनाएं।

स्कूल जाते समय छिनतई, दो आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : मानगो आजादनगर थाना पुलिस ने महिला से चेन झपटमारी के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी सहित एक नाबालिग को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। घटना 21 जनवरी 2026 की सुबह करीब 7:30 बजे की है, जब वादिनी मुस्ताज शाही दुली रोड होकर पैदल जा रही थीं। इसी दौरान मोटरसाइकिल पर सवार दो अज्ञात अपराधकर्मियों ने झपट्टा मारकर उनका पर्स छीन लिया और मौके से फरार हो गए। पर्स में मोबाइल फोन, करीब 5 हजार रुपये नकद, आधार कार्ड, वोटर कार्ड और पैन कार्ड मौजूद थे। घटना के बाद पीड़िता ने आजादनगर थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पूर्वी सिंहभूम के निर्देश पर विशेष छापामारी दल का गठन किया गया।

पुलिस जांच और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मुख्य आरोपी मोहम्मद फरहान उर्फ इरफान, उम्र

20 वर्ष, को गिरफ्तार किया गया। आरोपी की निशानदेही पर एक नाबालिग किशोर को भी हिरासत में लिया गया। पुलिस ने इनके पास से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन, 3000 रुपये नकद तथा पीड़िता के आधार कार्ड, वोटर कार्ड और पैन कार्ड को बरामद कर लिया है। इस कार्रवाई को आजादनगर थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अंजाम दिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में अपराध पर नियंत्रण के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है और अपराधियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है।

दाईगुट्टू में सुधा गुप्ता की चुनावी सभा, जनसमर्थन से गूंजा इलाका

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : मानगो के दाईगुट्टू इलाके में गुरुवार को चुनावी माहौल उस वक्त पूरी तरह गर्मा गया, जब कांग्रेस नेत्री और बन्ना गुप्ता की पत्नी सुधा गुप्ता ने अपनी चुनावी सभा के जरिए सियासी मैदान में दमदार हुंकार भरी। सभा स्थल पर भारी संख्या में समर्थकों की मौजूदगी ने यह साफ कर दिया कि क्षेत्र में चुनावी मुकाबला दिलचस्प मोड़ लेने वाला है। सभा की शुरूआत से पहले ही पूरे इलाके में उत्साह का माहौल देखने को मिला। जैसे ही सुधा गुप्ता कार्यक्रम स्थल पर पहुंचीं, समर्थकों ने पटाखे फोड़कर और जोरदार नारेबाजी कर उनका भव्य स्वागत किया। "बन्ना गुप्ता जिंदाबाद" और "सुधा गुप्ता जिंदाबाद" के नारों से पूरा दाईगुट्टू इलाका गूंज उठा। माहौल किसी बड़े चुनावी शक्ति प्रदर्शन जैसा नजर आया। इस चुनावी सभा की खास बात यह रही कि इसमें हर वर्ग के लोग शामिल हुए।

महिलाएं, युवा, बुजुर्गों के साथ-साथ बड़ी संख्या में बच्चे भी रैली और सभा में नजर आए। बच्चों के हाथों में झंडे और उनके मुंह से "बन्ना गुप्ता जिंदाबाद" के नारे सुनकर माहौल और भी भावुक व जोशीला हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि बच्चों की भागीदारी यह दर्शाती है कि परिवारों के बीच इस सभा को लेकर खासा उत्साह था। मंच से संबोधित करते हुए सुधा गुप्ता ने कहा कि यह चुनाव केवल सत्ता का नहीं, बल्कि मानगो और दाईगुट्टू के भविष्य का चुनाव है। उन्होंने कहा कि वे जनता के विश्वास और समर्थन के साथ विकास की नई कहानी लिखना चाहती हैं। अपने भाषण में उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल और महिला सशक्तिकरण को अपनी प्रमुख प्राथमिकताएं बताया। सुधा गुप्ता ने अपने संबोधन में अपने पति बन्ना गुप्ता के कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले वर्षों में क्षेत्र में विकास के कई अहम काम हुए हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि उन्हीं विकास कार्यों को आगे बढ़ाना और नई योजनाओं को जमीन पर उतारना उनकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी होगी।

जिला गव्य विकास कार्यालय परिसर में जिला स्तरीय पशु मेला एवं पशु प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : जिला गव्य विकास कार्यालय, सरायकेला परिसर में गुरुवार को जिला स्तरीय पशु मेला एवं पशु प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में माननीय सांसद प्रतिनिधि, माननीय विधायक प्रतिनिधि, पशु शल्य चिकित्सक, विभिन्न प्रखंडों के पशु चिकित्सक एवं मीडियाकर्मी उपस्थित रहे। साथ ही जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए गोपालक, पशुपालक एवं प्रगतिशील किसान बड़ी संख्या में इस कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान जिला गव्य विकास विभाग एवं पशुपालन विभाग द्वारा विभागीय स्टॉल लगाए गए, जिनके माध्यम से पशुपालकों एवं कृषकों को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न विभागीय

योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर संबंधित योजनाओं के अंतर्गत आवेदन भी प्राप्त किए गए, ताकि पात्र लाभुकों को योजनाओं का लाभ सुलभ रूप से उपलब्ध कराया जा सके। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं विभागीय पदाधिकारियों द्वारा किसानों एवं पशुपालकों को सशक्त, जागरूक एवं आत्मनिर्भर बनने हेतु प्रेरित किया गया। अपने सामूहिक संबोधन में अतिथियों ने कहा कि पशुपालन एवं डेयरी विकास किसानों की आय बढ़ाने का एक प्रभावी एवं सशक्त माध्यम है तथा सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाकर पशुपालक आर्थिक रूप से सुदृढ़ बन सकते हैं। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे विभागीय योजनाओं की जानकारी लेकर पात्रतानुसार आवेदन करें तथा आधुनिक एवं वैज्ञानिक पशुपालन पद्धतियों को अपनाएँ। इस अवसर पर पशु चिकित्सकों द्वारा पशु स्वास्थ्य, उन्नत नस्ल, टीकाकरण, चारा प्रबंधन एवं पशु रोगों की रोकथाम से संबंधित उपयोगी जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पशुपालकों को तकनीकी जानकारी, सरकारी योजनाओं की पहुँच एवं जागरूकता प्रदान कर जिले में पशुपालन क्षेत्र को सुदृढ़ करना रहा। कार्यक्रम के दौरान गव्य प्रभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। इसके अंतर्गत 2 दुधारू गाय वितरण योजना के तहत 09 चयनित लाभुकों, 5 दुधारू गाय वितरण योजना के तहत 01 लाभुक तथा 10 दुधारू गाय वितरण योजना के तहत 01 लाभुक को लाभान्वित किया गया।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग भवन प्रमंडल संख्या-1, राँची

अति अल्पकालीन निविदा/कोटेशन आमंत्रण सूचना-116/2025-26

1. विज्ञापनदाता का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल सँख्या-1,राँची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री करने की तिथि एवं समय : दिनांक 29.01.2026 को 1.00 (एक) बजे अपराहन् तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 30.01.2026 को 3.00(तीन) बजे अपराहन् तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 30.01.2026 को 3.30(साढ़े तीन) बजे अपराहन।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : अधीक्षण अभियंता, भवन निर्माण विभाग, छोटानागपुर भवन अंचल-1, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष, राँची एवं कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या-1, राँची के प्रतिनियुक्त पदाधिकारी द्वारा नगर नियंत्रण कक्ष, राँची।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : नगर नियंत्रण कक्ष राँची।
7. निविदा खोलने का स्थान : अधोहस्ताक्षरी का कार्यालय।
8. कार्यों का विवरण :

क्र	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की तिथि
1	Renovation of Roof of New Girls Hostel at RINPAS, Kanke, Ranchi	1434100	28700	2500	One Month
2	Renovation of A type 12 Set Quarter No-3/12 and 6/12 at Hinoo Ranchi	375200	7600	750	One Month
3	Renovation of C type Quarter No-198/33 at Hinoo Ranchi	568200	11400	1250	One Month
4	Renovation of A type Quarter No-A/14, 48 Set at Near Sita Ram School, Doranda, Ranchi (High Court Pool)	347950	7000	750	One Month
5	Renovation of B type Quarter No-10 (One Unit) at New Nagra Toli, Ranchi	387150	7800	750	One Month

नोट :- निविदा की शर्तें www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
भवन निर्माण विभाग भवन प्रमण्ल संख्या-1, राँची।

PR.NO.371412 Building(25-26):D

JAPIT
Jharkhand Agency for Promotion of Information Technology
(An Autonomous body under Department of Information Technology, Govt of Jharkhand)
Ground Floor, Engineer's Hostel – I, Near Golchakkar, Dhurwa, Ranchi, Jharkhand
Phone. 0651-2401044, 2401067 e-mail: japit_doit@rediffmail.com

Short Tender Notice

Request For Proposal (RFP) for Selection of System Integrator To Supply and Installation of two Indoor Video Wall system at Annexe Building in Project Building, Dhurwa Ranchi

Tender Reference No.: JAPIT/VideoWall/2026/01

Jharkhand Agency for Promotion of Information Technology (JAP-IT), an autonomous body under Department of Information Technology and e-Governance, Government of Jharkhand on behalf of Department of Information Technology and e-Governance, Government of Jharkhand invites online bids for "Selection of System Integrator to Supply and Installation of two indoor Video Wall system at Annexe Building in Project Building, Dhurwa Ranchi".

The Bidders are advised to study the RFP document carefully. Submission of bids shall be deemed to have been done after careful study and examination of the tender document with the full understanding of its implications.

The RFP document is available on e-Procurement portal https://jharkhandtenders.gov.in/ Interested Bidders may view, download the RFP document and submit their e-Bid through online e-Procurement portal as per the date and time mentioned in the table below:

Issuer / Address for Bid Submission and Correspondence:
The Chief Executive Officer
Jharkhand Agency for Promotion of Information Technology
Ground Floor, Engineers Hostel-1,
Near Golchakkar, Dhurwa, Ranchi -834004.
Ph. 0651-2401044, 0651-2401067
E-mail: ceo.japit@jharkhandmail.gov.in

Key Event and Dates

Table-1

1.	Tender Reference No.	JAPIT/VideoWall/2026/01
2.	Name of the Work	Selection of System Integrator to Supply and Install ation of two indoor Video Wall system at Annexe Building in Project B hawan , Dhurwa Ranchi
3.	Name of the issuer of this tender	The CEO, Jh arkhand Agency for Promotion of In formation Technology (JAP -IT), Gro und Floor, Engineers Hostel -1, Near Golchakkar, Dhurwa, Ranchi - 83400 4, Tel: 0651 -2401044/67 Website: https://japit.jharkhand.gov.in
3.	Earnest Money Deposit	Earnest Money Deposit INR 3,00,000.00 (Three Lakhs Only) valid for 180 days through online mode as per terms and conditions of Jharkhand e procurement portal.
4.	Start Date of downloading tender document	22/01/2026
5.	Last Date/Time for Submission of Bids online	03/02/2026 at 03:00 PM
6.	Date of Opening of Pre -Qualification and Technical Bids	04/02/2026 at 03:30 PM
7.	Date of Commercial Bid opening	To be Informed later
8.	Place of Pre -Bid Meeting/ Communication/ Bid Submission/ Bid Opening	JAP -IT, Ground Floor, Engineers Hostel 1, Near Golchakkar, Dhurwa, Ranchi -834004
9.	Contact/ Pre -Bid query e -mail Id	japit_doit@rediffmail.com, ceo.japit@jharkhandmail.gov.in

Note:
1. The authority reserves the right to reject any or all the bid(s) received without assigning any reason thereof.
2. JAP-IT reserve the right to cancel the tendering process at any stage without assigning any reason thereof.
3. Bid should comprise of Technical Bid and Financial Bid.
4. Technical bid and Financial bid must be submitted separately on e-procurement portal https://jharkhandtenders.gov.in/. Prices should not be quoted in the Technical Bid as the prices should be quoted in the Financial Bid only.

Sd/-
Chief Executive Officer, JAP-IT

PR 371523 Information Technology(25-26)#D

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, सिमडेगा, नए समाहरणालय भवन, ब्लॉक-ए,द्वितीय तल्ला
दूरभाष: 06525-225835 फैक्स: 225836, E-mail:- ssasimdega@yahoo.co.in

पत्रांक : 54(समग्र) दिनांक: 22.01.2026

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, सिमडेगा

जिले में संचालित 03 मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों (CM SOE) में नामांकन से संबंधित सूचना:-

राज्य परियोजना निदेशक, झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद्, राँची के पत्रांक ME/01/1183/2023/37 दिनांक 05.01.2026 के आलोक में सिमडेगा जिले में संचालित 03 मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों (CM SOE) में शैक्षणिक सत्र 2026-27 में विद्यालयवार नामांकन के लिए सुयोग्य छात्र-छात्राओं से निम्नवत् रूप से आवेदन आमंत्रित किया जाता है:-

Sl. No.	Name of CM SOE	U_dise Code	Class wise Vacant Seats						Total
			Class -6	Class -7	Class -9	Class -11			
						ARTS	COMMERCE	SCIENCE	
1	District CM School of Excellence, Simdega	20210417707	80	6	38	120	40	40	324
2	CM School of Excellence Girls, Simdega	20210417713	40	0	40	80	40	0	200
3	KGBV CM School of Excellence, Simdega	20210417011	25	0	0	0	0	0	25
	Total		145	6	78	200	80	40	549

इच्छुक छात्र/छात्राओं तथा उनके अभिभावकों से अनुरोध है कि वे दिनांक 22.01.2026 से दिनांक 16.02.2026 तक अपना आवेदन ऑनलाईन अथवा ऑफलाईन मोड में राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा निर्गत दिशा-निदेश के अनुरूप किया जा सकता है। नामांकन हेतु ऑनलाईन आवेदन झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद्, राँची के अधिकारिक वेबसाईट :-https://evidyavahini.jharkhand.gov.in/studentAdmission के पोर्टल पर वांछित अभिलेखों के साथ किया जा सकेगा। आवेदन संबंधित मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों से नामांकन प्रपत्र प्राप्त कर ऑफलाईन मोड में संबंधित मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय में जमा किया जा सकता है। विस्तृत सूचना एवं आवेदन पत्र प्रारूप जिले के अधिकारिक वेबसाईट simdega.nic.in पर भी उपलब्ध है। नामांकन हेतु अभिभावकों के जानकारी के लिए सभी उत्कृष्ट विद्यालयों में हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है।

जिला शिक्षा पदाधिकारी-सह-जिला कार्यक्रम पदाधिकारी
झारखण्ड शिक्षा परियोजना, सिमडेगा

PR 371448 Simdega(25-26)#D

राष्ट्र निर्माण और पंच परिवर्तन

भारत में जीवन आदिकाल से अविरल प्रवाह के समान बह रहा है। इसी में अपनी आहुति डालने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के आद्य सरसंघचालक डॉ. हेडगेवार, जो अपने जीवनकाल में राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिये चल रहे सामाजिक, धार्मिक, क्रांतिकारी व राजनैतिक क्षेत्रों के सभी समकालीन संगठनों व आंदोलनों से सम्बन्द्ध रहे व अनेक महत्वपूर्ण आंदोलनों का नेतृत्व भी किया था, उन्होंने समाज के स्वाभिमानी, संस्कारित, चरित्रवान, शक्तिसंपन्न, देशभक्ति से ओत-प्रोत, व्यक्तिगत अहंकार से मुक्त व्यक्तियों के ऐसे संगठन जो स्वतंत्रता आंदोलन की रीढ़ होने के साथ राष्ट्र व समाज पर आने वाली प्रत्येक विपत्ति का सामना कर सके, उसकी कल्पना के साथ संघ का कार्य शुरू किया। डॉक्टर हेडगेवार द्वारा सन 1925 में शुरू हुई संघ की यात्रा, शताब्दी वर्ष तक पहुंच कर भारत के कोने-कोने तक फैल चुकी है। इसी के साथ विश्व के लगभग ८० देशों में ५० से अधिक संगठन, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मण्डल को मथुरा के परखम गांव में स्थित दीनदयाल उपाध्याय गौ विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित बैठक में भारतीय समाज में अनुशासन के भाव को बढ़ाने के उद्देश्य से सरसंघचालक जी ने पंच परिवर्तन- अपने दैनिक जीवन में सामाजिक समरसता, कुटुंब भाव, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता, स्वदेशी का आग्रह और नागरिक कर्तव्य बोध के पालन आह्वान किया है, जिससे अनुशासन एवं देशभक्ति से ओतप्रोत युवा वर्ग अनुशासित होकर राष्ट्रोन्नयन की दिशा में कार्य करने के लिए उद्यत हों। आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत जी के शब्दों में, संघ के प्रति समाज आशान्वित है। ऐसे में जो भी बात हम समाज में रखेंगे, उसे समाज स्वीकार करने के लिए तैयार है इसलिए हमें पूर्ण तैयारी के साथ समाज में जाने की आवश्यकता है। सामाजिक समरसता- इसके माध्यम से समाज में जाति और आर्थिक भेदभाव को मिटाना। कुटुंब प्रबोधन- परिवार समाज की सबसे छोटी इकाई है। परिवार में एक साथ बैठकर भोजन, कीर्तन और त्योहार मना कर हम समाज की टूट रही मूल कड़ी कुटुंब को बनाए रख सकते हैं। स्वदेशी- दैनिक जीवन में स्वदेशी का प्रयोग कर भारत की आर्थिक उन्नति में अपना सहयोग कर सकते हैं। स्वदेशी के माध्यम से 'स्व' का बोध हो और अपनी समृद्ध संस्कृति पर स्वाभिमान होना चाहिये। पर्यावरण- सनातन में प्रकृति की पूजा की प्रमुखता रही है। अपनी संस्कृति में पेड़ों और जानवरों की पूजा भी की जाती है। अधिक से अधिक पौधे लगा कर, प्रदूषण रोकने के उपायों और नदी, तालाब, पोखर आदि को स्वच्छ बनाते हुए हम इसमें योगदान दे सकते हैं। नागरिक कर्तव्य- प्रत्येक नागरिक को अपने अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के बारे में जानकारी लेकर उनका पालन सुनिश्चित करना चाहिये।नागरिक कर्तव्य, एक समृद्ध और लोकतांत्रिक समाज के स्वस्थ रहने के लिए आवश्यक तत्त्व होते हैं। नागरिक कर्तव्यों को पूरा करना एक प्रकार से सरकार और जनमानस के बीच एक-दूसरे का सम्मान है। आज के संदर्भ में हमारे बच्चों को संवैधानिक कर्तव्यों के पालन, राष्ट्रगान और राष्ट्रध्वज का सम्मान, राष्ट्रीय सेवा में योगदान, धर्म, भाषा और क्षेत्र के आधार पर होने वाले भेदभाव को खत्म करना, पर्यावरण की रक्षा, हिंसा से दूर रहने के प्रति शिक्षित करने की आवश्यकता है। हम सभी को अपने राष्ट्र की गरिमा बढ़ाने के लिए काम करना चाहिए। प्रत्येक नागरिक को थोड़ा समय निकाल कर राष्ट्र निर्माण की दिशा में काम करना ही चाहिए। समाज को छोटे मतभेदों भूलकर एक साथ मिलकर काम करना चाहिए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रे होसबोले के शब्दों में, भारत तेजी से आर्थिक विकास कर रहा है, सामरिक और कूटनीति मोर्चों में बढ़ती महत्ता से सभी परिचित हैं। ऐसे समय में भारतीय समाज को एकजुट होकर सर्वांगीण विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में कार्य करना है। देश और विदेश में ऐसी अनेक शक्तियां हैं जो भारत को इस रास्ते पर आगे बढ़ने से रोकना चाहती हैं। किंतु 'स्व' के बोध के साथ हमें मिलकर इन शक्तियों को प्रभाव शून्य बनाना है।

सूडोकु नवताल- 7683

★★★ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल 7682 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

जंगल बचेंगे तो झारखंड बचेगा

मिथलेश दास

जंगल कोई केवल पेड़-पौधों का समूह नहीं होते, वे हवा की साँस हैं, मिट्टी की स्मृति हैं, नदियों की धड़कन हैं और मनुष्य की सभ्यता के सबसे पुराने साक्ष्य हैं, और जब हम यह कहते हैं कि जंगल बचेंगे तो झारखंड बचेगा, तो यह कोई भावुक नारा या डर पैदा करने वाली चेतावनी नहीं है, बल्कि समय की कसौटी पर खड़ी एक निर्विवाद सच्चाई है, क्योंकि झारखंड की आत्मा उसके जंगलों में बसती है, उसकी पहचान साल, सागौन, महुआ, पलाश, बाँस और उन असंख्य छायाओं में छिपी है जिनके नीचे पीढ़ियों ने जीवन जीना सीखा, गीत गाए, देवी-देवताओं को पुकारा और प्रकृति के साथ संतुलन का अनुशासन अपनाया, लेकिन आज वही जंगल जिनसे झारखंड का जन्म हुआ, उसी झारखंड के अस्तित्व के लिए सबसे बड़े संकट में हैं, और यह संकट अचानक पैदा नहीं हुआ है, बल्कि लंबे समय से चली आ रही उस विकास-दृष्टि का परिणाम है जिसमें जंगल को जीवन का आधार नहीं, बल्कि संसाधन का भंडार माना गया, जहाँ पेड़ों की गिनती लकड़ी में की गई, पहाड़ों की पहचान खनिज से तय हुई और नदियों को परियोजनाओं की नलियों में बदल दिया गया, इस सोच का परिणाम यह हुआ कि जिन जंगलों ने सदियों तक वर्षा को बाँधा, मिट्टी को थामा, जलस्त्रोतों को जीवित रखा और जलवायु को संतुलित किया, वही जंगल आज कटते जा रहे हैं, सिकुड़ते जा रहे हैं और उनके साथ-साथ झारखंड की सामाजिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय संरचना भी दरकती जा रही है, जंगल कटते हैं तो सबसे पहले पानी भागता है, कुएँ सूखने लगते हैं, नदियाँ मौसमी बन जाती हैं, खेत बंजर होने लगते हैं और किसान मौसम के भरोसे नहीं, किस्मत के भरोसे जीने को मजबूर हो जाता है, जंगल कटते हैं तो मिट्टी अपनी पकड़ खो देती है, कटाव बढ़ता है, उपज घटती है और खाद्यान्न सुरक्षा पर सीधा असर पड़ता है, जंगल कटते हैं तो तापमान बढ़ता है, वर्षा का चक्र बिगड़ता है और जलवायु परिवर्तन का असर सबसे पहले उन्हीं पर पड़ता है जिनके पास उससे लड़ने के साधन नहीं होते, और झारखंड में यह प्रभाव सबसे ज्यादा आदिवासी और ग्रामीण समाज पर दिखाई देता है, जिनका जीवन जंगल, जमीन और पानी से सीधे जुड़ा है, जंगल उनके लिए रोजगार का साधन नहीं, बल्कि जीवन का सहचर है, महुआ, तेंदू, साल बीज, लाख, जड़ी-बूटियाँ केवल आर्थिक संसाधन नहीं, बल्कि संस्कृति, भोजन, औषधि और आत्मनिर्भरता का आधार हैं, लेकिन जैसे-जैसे जंगल सिमटते गए, वैसे-वैसे यह आत्मनिर्भरता भी टूटती चली गई, लोग अपने ही गाँवों में बेगाने होते चले गए और रोजगार की तलाश में शहरों की ओर पलायन करने लगे, जहाँ न उन्हें पहचान मिली, न सुरक्षा और न सम्मान, जंगलों के विनाश का एक और भयावह परिणाम विस्थापन है, बड़े-बड़े प्रोजेक्ट, खनन क्षेत्र और औद्योगिक कॉरिडोर विकास के नाम पर जंगलों को निगलते गए और उनके साथ उन गाँवों को भी जो पीढ़ियों से वहाँ बसे थे, विस्थापन केवल जमीन छिनने का नाम नहीं है, यह स्मृति, संस्कृति और सामाजिक ताने-बाने के टूटने की प्रक्रिया है, जब कोई समुदाय अपनी धरती से कटता है तो उसकी भाषा कमजोर पड़ती है, उसके गीत चुप होने लगते हैं और उसकी पहचान धीरे-धीरे धुँधली हो जाती है, झारखंड का इतिहास गवाह है कि जब-जब जंगल और जमीन पर बाहरी दबाव बढ़ा, तब-तब असंतोष, संघर्ष और विद्रोह की चिंगारियाँ भी भड़कीं, क्योंकि यह केवल पर्यावरण का प्रश्न नहीं, न्याय और अधिकार का भी प्रश्न है, दुर्भाग्य यह है कि आज जंगलों को बचाने के लिए बने कानून और नीतियाँ कागजों में तो मजबूत दिखाई देती हैं, लेकिन जमीनी हकीकत में वे अक्सर कमजोर साबित होती हैं, योजनाएँ बनती हैं, रिपोर्टें तैयार होती हैं, आँकड़े पेश किए जाते हैं, लेकिन जंगल कटते रहते हैं, क्योंकि निर्णय की प्रक्रिया में उन लोगों की आवाज शामिल नहीं होती जिनका जीवन सीधे जंगल पर निर्भर है, ग्रामसभाएँ जिन्हें जंगलों का वास्तविक संरक्षक माना जाना चाहिए, अक्सर औपचारिकता में बदल दी जाती हैं, और नीति-निर्माण में स्थानीय ज्ञान, अनुभव और संवेदनशीलता को हाशिये पर धकेल दिया जाता है, मीडिया भी प्रायः जंगलों के मुद्दे को उठाता है, लेकिन रोज-रोज हो रहे छोटे-छोटे नुकसान, धीरे-धीरे सूखते जंगल और बदलते जीवन पर गंभीर संवाद कम ही देखने को मिलता है, समाज का एक बड़ा हिस्सा भी जंगल को दूर का विषय मानकर उदासीन रहता है, जबकि सच्चाई यह है कि जंगल का संकट केवल जंगल में रहने वालों का संकट नहीं है, यह पूरे समाज का संकट है, क्योंकि जंगल न होंगे तो पानी नहीं होगा, पानी नहीं होगा तो शहर भी नहीं बचेंगे, उद्योग भी नहीं चलेंगे और विकास का पूरा ढाँचा खोखला हो जाएगा, इसलिए समाधान भी केवल सरकार या किसी एक संस्था के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता, जंगल बचाने के लिए सबसे पहले सोच बदलनी होगी, हमें विकास की ऐसी अवधारणा अपनानी होगी जिसमें जंगल विरोधी नहीं, विकास के सहभागी हों, जिसमें स्थानीय समुदायों को संरक्षक की भूमिका दी जाए, उनकी आजीविका को सुरक्षित किया जाए और पर्यावरण के साथ संतुलन को प्राथमिकता दी जाए, शिक्षा में प्रकृति-बोध को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर जीवन-मूल्य के रूप में स्थापित करना होगा, साहित्य, कला और संस्कृति के माध्यम से जंगलों के प्रति संवेदनशीलता जगानी होगी, युवाओं को यह समझाना होगा कि जंगल बचाना कोई पिछड़ापन नहीं, बल्कि भविष्य की सबसे आधुनिक आवश्यकता है, जब समाज यह स्वीकार कर लेगा कि जंगल केवल हरियाली नहीं, जीवन की शर्त हैं, तब शायद नीतियाँ भी बदलेंगी और प्राथमिकताएँ भी, और तब यह वाक्य केवल लेखों और भाषणों में नहीं, बल्कि जमीन पर सच्चाई के रूप में दिखाई देगा कि जंगल बचेंगे तो झारखंड बचेगा, क्योंकि यह कोई डराने वाली चेतावनी नहीं, बल्कि समय की सबसे स्पष्ट, सबसे ईमानदार और सबसे जरूरी सच्चाई है।

आबादी के बोझ से दबी दिल्ली

मनोज कुमार मिश्र

दिल्ली में बढ़ रही बेहिसाब आबादी से केवल मकान और रोजगार का संकट ही नहीं बढ़ रहा है बल्कि इसका असर बिजली-पानी की आपूर्ति से लेकर प्रदूषण बढ़ाने पर हो रहा है। दिल्ली का क्षेत्रफल 1915 से आज तक 1483 वर्ग किलोमीटर ही है लेकिन आबादी 2 लाख 38 हजार से बढ़कर करीब तीन करोड़ हो गई। इतना ही नहीं, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) की कुल आबादी चार करोड़ से ज्यादा हो गई है। दिल्ली की सीमा बढ़ने की कोई संभावना नहीं दिख रही है। ऐसे में दिल्ली से आबादी का दबाव कम करने और हर साल बाहर से आकर दिल्ली में बसने वाली औसतन पांच लाख की अतिरिक्त आबादी को दिल्ली में आने से रोकने के लिए दिल्ली जैसी सुविधा दिल्ली के बाहर उपलब्ध कराना सरकारों के लिए बड़ी चुनौती है। ऐसा न होने पर दिल्ली में मूलभूत सुविधाओं का संकट बढ़ता जाएगा, प्रदूषण की समस्या और बड़ी और स्थाई होती जाएगी।आबादी के दबाव से अनधिकृत कालोनी बढ़ती जाएगी और यमुना कभी भी साफ नहीं हो पाएगी।

राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव और वोट की राजनीति में पिछड़ने के भय से पहले की सरकारों ने दिल्ली पर आबादी के बोझ को कम करने के फैसले लिए लेकिन उस पर अमल नहीं हो पाया। सत्तर के दशक में करीब पचास बड़े सरकारी दफ्तर दिल्ली से बाहर ले जाने का फैसला हुआ। एक को उसमें से गए ही गिनती के, जो गए भी उनके मुख्य दफ्तर से ज्यादा उनकी दिल्ली शाखा का दफ्तर बड़ा होता गया। उसी तरह 1985 में एनसीआर योजना बोर्ड बनी। उसे 1988 से लागू करना शुरू किया गया। बोर्ड के पास कार्रवाई का ठोस अधिकार न होने से वह काम शुरू करने से पहले ही विफल हो गया। यह बात बोर्ड के सदस्य सचिव रहे वरिष्ठ आईएएस अधिकारी ओमेश सहगल ने सदस्य सचिव रहते 1996 में भी कही जो बाद में दिल्ली के मुख्य सचिव भी रहे।

उनका कहना था कि साल 1971-72 में केन्द्र सरकार ने सरकारी और अर्ध सरकारी करीब 50 संस्थानों के दफ्तर दिल्ली से बाहर भेजना तय किया। ओएनजीसी की मुख्यालय देहरादून, कोल इंडिया लिमिटेड का कोलकाता, भारत पेट्रोलियम, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम और भारतीय स्टेट बैंक आदि के मुख्यालय मुंबई इत्यादि बाहर गए तो लेकिन न जाने वालों की संख्या ज्यादा रही। जो गए भी उनके क्षेत्रीय दफ्तर मुख्यालय से ज्यादा बड़े हो गए। उसके कर्मचारी और संबंधित लोग दिल्ली में रह गए। सालों पहले अदालत ने साफ तौर पर दिल्ली में उद्योग लगाने पर पाबंदी लगाई। माना गया कि केवल सेवा क्षेत्र के काम-स्कूल, अस्पताल, होटल इत्यादि ही दिल्ली में लगेंगे। वास्तव में ऐसा हुआ नहीं। जब एनसीआर योजना बनी तब दिल्ली में और पड़ोस के राज्यों में कांग्रेस की सरकारें थीं। बावजूद योजना ठीक से लागू नहीं हो पाई।

ओमेश सहगल इसका एक बड़ा कारण मानते हैं कि बोर्ड के पास कोई ठोस अधिकार है ही नहीं। वह किसी को सजा दे ही नहीं सकती। इसलिए योजना कागजों पर ही रही और बेहिसाब तरीके से आबादी बढ़ती गई। इतना ही नहीं कोई राज्य सरकार दिल्ली के उपयोग के लिए अपनी जमीन देना तो दूर अपने राज्य सरकार के अधिकारों में कोई हस्तक्षेप नहीं करने देती। सबसे बड़ी समस्या तो यह है कि पूरे एनसीआर ही नहीं पड़ोसी शहरों के लोग नागरिक सुविधाओं के लिए दिल्ली आने पर मजबूर हैं। हवाई अड्डा (अब जेवर में शुरू होने वाला है), बड़े रेलवे स्टेशन, बड़े अस्पताल, बढ़िया स्कूल-कालेज के लिए तो लोगों को दिल्ली ही आना पड़ रहा है। लोग आएंगे तो गाड़ियां आएंगी। उससे प्रदूषण बढ़ेगा। इसलिए बिना ठोस योजना और राजनीतिक इच्छा शक्ति के दिल्ली पर से आबादी का बोझ कम ही नहीं हो सकता। वे कहते हैं कि दो बार दिल्ली की अनधिकृत कालोनियों को नियमित किया गया। जब वे मुख्य सचिव थे तब पता नहीं कैसे एरियल सर्वे में एक भी अनधिकृत कालोनी नहीं दिखी और आज यह संख्या तीन हजार पार कर गई। सवाल है कि यह सारी कालोनियां या दिल्ली के हर इलाके में अनधिकृत निर्माण कैसे और किसने किए, इस पर ठोस कारवाई हुए बिना दिल्ली को बचाया नहीं जा सकता है।

दिल्ली में आबकारी आयुक्त रहे एके सिंह कहते हैं कि कोई भी राज्य आपकी सलाह मानने को तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि आबकारी आयुक्त रहते हुए शराब की तस्करी को रोकने के लिए उन्होंने हरियाणा के आबकारी आयुक्त से आबकारी कर समान करने के लिए पहल करने को कहा, वे इसके लिए तैयार नहीं हुए। दिल्ली में अपने आप ही आबादी बेहिसाब बढ़ रही है, ऊपर से पड़ोस के इलाकों से हर रोज पचास से साठ लाख लोग आते हैं। वे पैदल तो आते नहीं। उनके वाहन पहले से बढ़े प्रदूषण को बढ़ाने में योगदान दे रहे हैं। दिल्ली की अपनी सरकारी एजेंसियों में तालमेल न होने के चलते भी दिल्ली का नुकसान होता जा रहा है।

दिल्ली विकास प्राधिकरण(डीडीए) की स्थापना दिल्ली को व्यवस्थित करने की योजना बनाने के लिए की गई, मकान बना कर बेचना उसने अपना मुख्य काम बना लिया। धीरे-धीरे उसके मास्टर प्लान बेकार साबित होने लगे और वह एक बड़ा बिल्डर जैसा बन गया। दुनिया के अमीर देश-अमेरिका और चीन बिजली बचाने के लिए अंतरिक्ष में डाटा सेंटर बना रहे हैं। अपने देश में अभी तक एक दूसरे राज्य से बिजली-पानी खरीदने-बेचने में ही लगे हुए हैं। दिल्ली अपनी जरूरत का केवल दस फीसदी पानी अपने से जुटा पाती है। बाकी के लिए तो दूसरे राज्यों पर ही निर्भरता है। फिर भी लगातार दिल्ली में पानी का संकट बना ही हुई है। हिमाचल प्रदेश के रेणुका बांध से दिल्ली को पानी मिलने का भरोसा सालों से मिल रहा है। यह कैसे संभव है कि दूसरे राज्य अपने पानी न लेकर सारा ही पानी दिल्ली को देने लगेंगे। हालात इस बार बदले हुए हैं। एनसीआर योजना के समय दिल्ली और पड़ोस के राज्यों में कांग्रेस की सरकार थी तो अभी हर जगह भाजपा की सरकार है। इतना ही नहीं गजब राजनीतिक इच्छाशक्ति वाले नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री हैं। दिल्ली पर यातायात का दबाव घटाने के लिए मोदी सरकार ने ईस्टर्न पेरिफेरियल एक्सप्रेसवे, वेस्टर्न पेरिफेरियल एक्सप्रेसवे, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे और दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे बनाया। दिल्ली मेट्रो रेल दिल्ली और एनसीआर में 295 किलोमीटर तक बन चुका है। चौथे चरण में इसमें करीब 48 किलोमीटर और जुड़ जाएगा। इस पर भी काम शुरू हो गया है। दिल्ली मेट्रो से हर रोज यात्रा करने वालों की औसत संख्या पचास लाख से ऊपर है। यह संख्या 70 लाख भी पार कर जाती है। दिल्ली-मेरठ नमो भारत रेल कोरिडोर के बाद दिल्ली-करनाल और दिल्ली-अरवल कोरिडोर बनने वाला है। इन सभी का लाभ तो दिल्ली को होगा ही।

दिल्ली की समस्या यह है कि दिल्ली का अपना ज्यादा कुछ नहीं है। मौसम भी पड़ोसी राज्यों पर निर्भर है। इतना ही नहीं दिल्ली अपनी जरूरतों को पूरा करने के संसाधनों के लिए भी दूसरे राज्यों पर निर्भर है। 1911 में दिल्ली देश की राजधानी बनी तब दिल्ली की आबादी करीब 2,38 हजार थी, जो 1947 में बढ़कर 6,95 हजार हो गई थी। अब आबादी करीब तीन करोड़ है और एनसीआर की कुल आबादी की करीब साढ़े चार करोड़ हो गई है। एनसीआर की आबादी भी मूल रूप से दिल्ली की आबादी ही है। दिल्ली से बाहर बसने वाले ज्यादातर लोग आज भी दिल्ली से ही जुड़े हुए हैं। उनमें ज्यादातर के कारोबार या नौकरी दिल्ली में ही है। राजधानी बनने के बाद 1915 में यमुना पार के 65 गांव दिल्ली में जुड़े। तब से दिल्ली का इलाका 1483 किलोमीटर ही बना हुआ है। निकट भविष्य में इसमें बढ़ोतरी होने की संभावना नहीं दिख रही।

दिल्ली से आबादी का दबाव घटाने और अब बेकार मानी जाने वाली डीडीए को सहयोग देने के लिए डीडीए की तरह ही केन्द्रीय शहरी विकास मंत्रालय के अधीन एनसीआर बनाने की योजना तो 1962 में ही बनी लेकिन उसका गठन 1985 में हो पाया। केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री इसके अध्यक्ष और दिल्ली के उप राज्यपाल के अलावा उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के मुख्यमंत्री इसके सदस्य बनाए गए। एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी इसके सदस्य सचिव होते हैं। 1985 में बोर्ड बनने पर 2001 की आबादी को लक्ष्य मानकर 1988 में काम शुरू हुआ तब तक योजना से ज्यादा आबादी हो गई थी। एनसीआर के शहरों और दिल्ली के बीच में एक किलोमीटर का गलियारा हरियाली के लिए छोड़ना था। यानि एनसीआर बसना था दिल्ली से हट कर वे बस गए दिल्ली से सटकर। इतना ही नहीं दिल्ली में एक तरह से हर किसी को हर जगह एक तरह से अवैध निर्माण करने की छूट दे दी गई। जो योजनाएं पहले से बनी उसमें तो केवल खामियां ही खामियां हैं। दुनिया के सबसे महंगे इलाके कनाट प्लेस में हर वर्ग के सरकारी कर्मचारियों के लिए फ्लैट बना दिए गए। यह तो मान भी लिया जाए कि गरीब लोगों को खाली जगह मुफ्त में सरकार आवास उपलब्ध करवाए लेकिन अमीरों की कई-कई करोड़ की एक-एक अवैध सैनिक फार्म हाऊस को भी न तोड़ा जाए, यह समझ से परे है। एनसीआर के गठन के समय इसे दिल्ली के 1483 के अलावा हरियाणा के छह जिलों के 13,413, उत्तर प्रदेश के चार जिलों के 10,885 और राजस्थान के 4,493 यानि 30, 240 वर्ग किलोमीटर इलाके को एनसीआर में शामिल किया गया। तब योजना थी कि 2001 में दिल्ली की हो जाने वाली 1,32 लाख आबादी में से 20 लाख आबादी को इन इलाकों में भेजा जाए।

नूतन ऊर्जा और ऊष्मा का संचरण करती है 'वसंतपंचमी'

आचार्य पं. पृथ्वीनाथ पाण्डेय

वसंत ऋतु की मस्ती और उल्लास के क्षण में वसंतपंचमी का पर्व मनाया जाता है। यह पर्व मानव-हृदय मे नूतन ऊर्जा और ऊष्मा का संचरण करता है। सरस्वती की आराधना इस पर्व की विशेषता है। वस्तुतः सरस्वती 'कला' और 'साहित्य' की देवी हैं, जिनका भारतीय संस्कृति में शीर्ष स्थान है। हमारे पौराणिक ग्रन्थों में सरस्वती 'नागेश्वरी', 'भारती', 'शारदा', 'हंसवाहिनी', 'वीणावादिनी' इत्यादिक नामों से विश्रुत हैं तथा अत्यन्त विस्तारपूर्वक उनकी महिमा का वर्णन भी किया गया है। इसी आधार पर देश के विभिन्न भू-भागों में वसंतपंचमी के अलौकिक अवसर पर माँ शारदा का अर्चन-पूजन-स्तवन अतीव श्रद्धापूर्वक किया जाता है। वसंतपंचमी का पर्व भगवती सरस्वती को समर्पित रहता है।

अब आइए! 'वसंतपंचमी' का व्याकरणिक ज्ञान प्राप्त करें। वसंतपंचमी में दो शब्द हैं :- 'वसंत' और 'पंचमी'। हम पहले 'वसंत' शब्द को समझेंगे। यह 'वस' धातु का शब्द है, जिसमे 'झच' प्रत्यय जुड़ा हुआ है। इस प्रकार 'वसंत' शब्द का सर्जन होता है। हेमन्त और ग्रीष्म के मध्य की ऋतु 'वसंत' है। अब समझते हैं, 'पंचमी' को। पंचम शब्द मे 'डीष' प्रत्यय के जुड़ने से 'पंचमी' शब्द की रचना होती है। चान्द्रमास के प्रत्येक पक्ष की पाँचवीं तिथि 'पंचमी' कहलाती है। इस प्रकार 'वसंतपंचमी' का अर्थ हुआ- 'माघमास की शुक्लपंचमी'। इसे 'श्रीपंचमी' भी कहा गया है। यदि आप 'वसंतपंचमी' को अलग-अलग करके 'वसंत पंचमी' लिखते हैं तो आपका लेखन अशुद्ध माना जायेगा। आप इसे शुद्धतापूर्वक दो प्रकार से लिख सकते हैं :- (1) वसंतपंचमी (1) वसंत-पंचमी।

'वसंतपंचमी' पर्व-आयोजन के मूल में एक मोहक कथा है। आप भी श्रवण करें :-

जब सृष्टि का आरम्भ होने का समय आ गया था तब भगवान विष्णु ने ब्रह्मा को अपने पास बुलाया और उन्हें आदेश किया था- आप मनुष्य-योनि की रचना आरम्भ करें। ब्रह्मा ने भगवान विष्णु का आदेश ग्रहण करने के पश्चात मनुष्य-योनि की रचना की थी; परन्तु ब्रह्मा अपनी उस रचना से संतुष्ट नहीं थे। वे भगवान विष्णु के पास पहुँचे और उनसे पुनः रचना करने के लिए अनुमति मांगी थी। विष्णु ने अपनी अनुमति दे दी थी। वे अपने लोक 'ब्रह्मलोक' लौट आये। अब वे सृष्टिरचना-प्रक्रिया से जुड़ गये। उन्होंने अपने कमण्डल से जल निकालकर उसे पृथ्वी पर छिड़क दिया था, जिसके कारण पृथ्वी में प्रतिक्रिया होने लगी, फलस्वरूप पृथ्वी पर कम्पन होने लगा तथा देखते-ही-देखते, एक अद्भुत शक्ति प्रकट हो गयी, जिसकी चार भुजाएँ थीं, जो सुदर्शना थी। उस चतुभुर्जी देवी के एक हाथ में वीणा और दूजा हाथ वर देने की मुद्रा में था। उनके अन्य दो हाथों में पुस्तक और माला थी। उस चतुभुर्जी देवी ने अपने प्रकट होते ही वीणा का सुमधुर झंकार किया था, जिससे संसार के समस्त जीवधारियों को वाणी प्राप्त हो गयी थी। उस प्रभाव का अनुभव करते ही, ब्रह्मा ने उस देवी का 'वाक्देवी'/'वाग्देवी'/'वाणी की देवी सरस्वती' का नामकरण किया था।

माँ सरस्वती की सर्वप्रथम आराधना करके 'सरस्वती-पूजन' का समारम्भ श्री कृष्ण ने किया था। इसके लिए सिर पर मुकुट, गले में वैजयन्तीमाला, हाथों में मुरली धारण करते हुए, उन्होंने सर्वप्रथम देवी सरस्वती की अभ्यर्थना की थी।

'ब्रह्मवैवर्तपुराण' के 'प्रकृति- खण्ड' में कहा गया है कि श्री कृष्ण द्वारा पूजित होने पर माँ सरस्वती समस्त लोक मे सबके द्वारा पूजी जायेंगी। इसी अवसर पर श्री कृष्ण ने सरस्वती को यह वर दिया थाझ हे सरस्वती! अब तुम्हारी पूजा सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड में प्रत्येक माघमास की शुक्लपंचमी की तिथि से समारम्भ हो जायेगी, जो यही विद्यारम्भ की तिथि भी कहलायेगी। वास्तव में, सरस्वती जलदेवी हैं। सरस्वती नदी के नाम पर ही उनका उल्लेख किया जाता है। उनका जल हिमालय से निर्गत होता है, जो दक्षिण-पूर्व प्रवहमानता के साथ तीर्थराज प्रयाग-स्थित गंगा-यमुना के साथ संगम कर, 'त्रिवेणी' के नाम से अभिहित होने लगता है। सरस्वती को 'वाग्देवी' और 'ज्ञानदेवी' की संज्ञा से भी विभूषित किया गया है। उल्लेखनीय है कि प्राचीनकाल में इसी सारस्वत अवसर पर गुरुकुलों और आश्रमों के स्नातकों के 'दीक्षान्त-समारोह' आयोजित किये जाते थे।

वसंत को 'ऋतुराज' भी कहा जाता है। यों तो सिद्धान्ततः वसंत ऋतु तीन महीने की होती है; तापमान सामान्य रहता है; न तो अधिक शीत की ठिठुरन और न ही अधिक ग्रीष्म की तपन।

फाल्गुन ('फागुन' का तत्सम शब्द)-मास है; शिशिर ऋतु का अन्त हो रहा है। वह शीत, जिसने क्या मनुष्य, पशु, पक्षी, पौधे-पेड़; अर्थात समस्त जड़-चेतनजगत मे अपने तीक्ष्ण प्रहारों से 'ठिठुरन' ला दी थी, अब वही आतंकी शीत अन्तिम श्वास ले रहा है। हवा में गरमाहट आ गयी है। वसंत का आगमन हो रहा है। उसके स्वागत और अभिनन्दन के लिए लताओं और वृक्षों ने नूतन परिधान धारण कर लिये हैं। सरसों वासंती साड़ी पहन इतरा रही है; इठला रही है तथा वसुधा पर सर्वत्र बिछी हरीतिमा पर अठखेलियाँ खेल रही है। ऐसा प्रतीत होता है, मानो क्षितिज वसुन्धरा के साथ संवाद करने और अभिरम्भ (भींचकर गले लगाने के लिए उद्यत) करने के लिए मचल हो उठा हो; नभ में विहगवृन्द उन्मुक्त भाव के साथ अपने वक्षप्रान्त को लहरा-लहराकर यों उड़ान भर रहे हैं, मानो अवनि और अम्बर-तल में स्वच्छ चाँदनी सम्पूर्ण आभा और प्रभा के साथ अपनी समुपस्थिति अंकित करा रही हो; पक्षियों का कलरव यों प्रतीत होता है, मानो उनका वृन्द (समूह) समवेत स्वर मे 'स्वागत-गान कर रहा हो; भौंरे विरुदावली गुनगुना रहे हैं; बौर की सम्पन्नता से आम की डालियाँ विनम्रतापूर्वक नतमस्तक हो रही हैं; वहीं पुष्पवाटिका मे रंग-विरंगे पुष्पों से सुशोभित पौधे यत्र-तत्र-सर्वत्र अपना सौरभ बिखेर रहे हैं।

दैनिक पंचांग

23 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

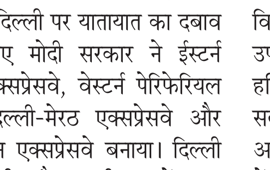

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मकर में	कुंभ	08.00 बजे से
चंद्र	मीन में	मीन	09.33 बजे से
मंगल	मकर में	मेष	11.03 बजे से
बुध	मकर में	वृष	12.43 बजे से
गुरु	मिथुन में	मिथुन	14.41 बजे से
शुक्र	मकर में	कर्क	16.55 बजे से
शनि	मीन में	सिंह	19.11 बजे से
राहु	कुंभ में	कन्या	21.23 बजे से
केतु	सिंह में	तुला	23.34 बजे से
		वृश्चिक	01.48 ब.से
		धनु	04.04 बजे से
		मकर	06.09 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

शुक्रवार 2026 वर्ष का 23 वा दिन दिशाशूल पश्चिम ऋतु शिशिर। विक्रम संवत् 2082 शक संवत् 1947 मास माघ पक्ष शुक्ल तिथि पंचमी 01.47 बजे रात्र को समाप्त। नक्षत्र पूर्वाभाद्रपदा 14.33 बजे को समाप्त। योग परिघ 15.59 बजे को समाप्त। करण बव 14.11 बजे तदनन्तर बालव 01.47 बजे रात्र को समाप्त। चन्द्रायु 4.2 घण्टे रवि क्रान्ति दक्षिण 19° 30' सूर्य उत्तरायन कलि अहर्गण 1872598 जूलियन दिन 2461063.5 कलियुग संवत् 5126 कल्पारंभ संवत् 1972949123 सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123 वीरनिर्वाण संवत् 2552 हिजरी सन् 1447 महीना सावान तारीख 03 विशेष वसंत पंचमी, सरस्वती जयंती, सुभाष चंद्र बोस जयंती।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

ममता देवी ने डीआरएम को लिखा पत्र, रायपुरा में सड़क और पुलिया निर्माण की मांग

गोला : रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र की विधायक ममता देवी ने दक्षिण पूर्व रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) को पत्र लिखकर रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत गोला प्रखंड के रायपुरा एवं आसपास के गांव में रेलवे भूमि से होकर गुजरने वाले मार्ग पर सड़क और पुलिया निर्माण की अत्यंत आवश्यकता बताई है। ममता देवी ने पत्र में कहा है कि यह मार्ग रायपुरा, बाघाकुदर, कोनारडीह, कुजुकुला, साड़म, कोराम्बे, हेसल, कुसुमजारा, मोहनबेडा, नावाजारा, बारूडीह आदि गांव के स्कूली बच्चों, श्रद्धालुओं और आम नागरिकों के दैनिक आवागमन का प्रमुख रास्ता है। उक्त मार्ग से होकर प्रसिद्ध बाबा बूढ़ा छत्तर धाम और गोला बाजार आने-जाने वाले हजारों लोग प्रतिदिन आवागमन करते हैं। ममता देवी ने कहा कि वर्तमान में यह रास्ता कच्चा और जर्जर स्थिति में है, जिससे बरसात के दिनों में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है और दुर्घटनाओं की भी आशंका बनी रहती है। यह मार्ग रेलवे की भूमि पर पड़ता है, परंतु इसका उपयोग वर्षों से जनसामान्य द्वारा आवागमन हेतु किया जा रहा है।

एमएमसीएच में अत्याधुनिक फेको मशीन से मोतियाबिंद ऑपरेशन की शुरूआत

पलामू : मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एमएमसीएच) के नेत्र विभाग में गुरुवार से अत्याधुनिक फेको मशीन के माध्यम से मोतियाबिंद ऑपरेशन की शुरूआत कर दी गई। इस मशीन की खरीद पर करीब 60 लाख रुपये की लागत आई है। फेको मशीन के चालू होने से खासकर गरीब और जरूरतमंद मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी, जिन्हें अब बेहतर और आधुनिक इलाज मुफ्त में उपलब्ध हो सकेगा। नेत्र विशेषज्ञों के अनुसार फेको मशीन से मोतियाबिंद का ऑपरेशन बेहद छोटे चीरे के माध्यम से किया जाता है। इससे मरीजों को कम दर्द होता है और ऑपरेशन के बाद आंखों की रोशनी भी जल्दी वापस आ जाती है। मरीज को लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहने की जरूरत नहीं पड़ती, जिससे इलाज और भी सुविधाजनक हो जाता है। एमएमसीएच के प्राचार्य डॉ. पी. एन. महतो ने बताया कि फेको मशीन के स्थापित होने के बाद सामान्य परिस्थितियों में नियमित रूप से ऑपरेशन शुरू कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह मशीन मेडिकल कॉलेज के लिए एक बड़ी उपलब्धि है और इससे अस्पताल की चिकित्सा सेवाएं और सशक्त होंगी।

सोमा मुंडा की पत्नी ने की हत्याकांड की सीबीआई से जांच कराने की मांग

खूंटी : चर्चित पहड़ा राजा सोमा मुंडा हत्याकांड को लेकर निष्पक्ष जांच की मांग तेज हो गई है। मृतक सोमा मुंडा की पत्नी अमृता तिर्की ने झारखंड सरकार से इस हत्याकांड की जांच स्वतंत्र जांच एजेंसी सीबीआई से कराने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने मुख्यमंत्री सचिवालय, रांची को लिखित आवेदन सौंपा है। आवेदन में उल्लेख किया गया है कि उनके पति पहड़ा राजा सोमा मुंडा की हत्या 7 जनवरी 2026 को खूंटी जिले के जामुआडागा क्षेत्र में अपराधियों ने कर दी थी। इस हत्याकांड में अब तक जिला पुलिस प्रशासन मुख्य साजिशकर्ता और अपराधियों की गिरफ्तारी में विफल साबित हो रहा है, जिससे पीड़ित परिवार सहित समस्त आदिवासी मूलवासी समाज और राज्य की सामाजिक-राजनीतिक संगठनों में भारी आक्रोश है। अमृता तिर्की ने अपने आवेदन में कहा है कि पुलिस की धीमी कार्यवाही के कारण लोगों का भरोसा टूट रहा है और न्याय मिलने को लेकर संशय बना हुआ है।

रामगढ़ दयाल स्टील फैक्ट्री लूटकांड का खुलासा, सात अपराधी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ पुलिस ने दयाल स्टील फैक्ट्री में हुई लूटकांड का खुलासा करते हुए सात लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से एक देशी कट्टा, दो जिंदा गोली, एक लाख तीन हजार रुपये नकद, टाटा मैजिक वाहन, बोलेरो पिकअप वाहन, पांच एंड्रॉयड मोबाइल, एक कीपैड मोबाइल और करीब दो सौ पचास किलो कॉपर वायर बरामद किया है। बारह जनवरी दो हजार छब्बीस को मध्य रात्रि एक बजकर तीस मिनट पर रामगढ़ थानान्तर्गत चाहा स्थित दयाल स्टील फैक्ट्री में दस-बारह अज्ञात अपराधकर्मियों ने फैक्ट्री में कार्यरत सुरक्षा प्रहरी और अन्य कर्मियों को पिस्टल का भय दिखाकर अपने कब्जे में लेकर करीब दो

हजार से दो हजार दो सौ किलो कॉपर वायर और अन्य सामानों को लूट लिया था। इस संबंध में रामगढ़ थाना काण्ड संख्या-ग्यारह/दो हजार छब्बीस दिनांक-बारह.01.दो हजार छब्बीस धारा-ती सौ दस (दो) बी०एन० एस०-दो हजार तेईस अज्ञात दस-बारह अपराधकर्मियों के विरूद्ध दर्ज किया गया था। पुलिस अधीक्षक अजय कुमार के निर्देश पर गठित एसआईटी ने छापेमारी कर इन आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में अख्तर अली, सन्नी कुमार, रणधीर कुमार, नागेश्वर बेलदार, पंकज कुमार, गौरी कुमार और मुकेश कसेरा शामिल हैं। इनमें से कुछ आरोपियों का पूर्व अपराधिक इतिहास रहा है। बरामद सामानः देशी कट्टा - एक पीस, जिंदा गोली - दो पीस, नकद - एक लाख तीन हजार रुपये, टाटा मैजिक वाहन नम्बर जे एच-09यू-8102, बोलेरो पिकअप वाहन बिना नम्बर, एंड्रॉयड मोबाइल - पांच पीस, कीपैड मोबाइल - एक पीस, कॉपर वायर और अन्य सामान - करीब दो सौ पचास किलो, मूल्य लगभग तीन लाख रुपये। अपराधिक इतिहासः गौरी कुमारः कठिटाड थाना काण्ड सं-एक सौ अट्ठारह/18, दिनांक-29 नवंबर 2018, धारा-चार सौ तेरह/चार सौ चौदह/चौंतीस/ती सौ उनासी भा०द०वि०, मुकेश कसेराः टाटीझरिया काण्ड सं-पन्द्रह/बारह, दिनांक-01 जून 2012, धारा-चार सौ चौदह/चौंतीस भा०द०वि०; बैरमो थाना काण्ड सं-एक सौ उनचास/22, दिनांक-03 अक्टूबर 2022, धारा-ती सौ उनासी/चार सौ ग्यारह भा०द०वि०, रणधीर कुमारः विष्णुगढ़ थाना काण्ड सं-एक सौ बयासी/19, दिनांक-09 अगस्त 2019, धारा-चार सौ तेरह/चार सौ चौदह भा०द०वि०, सन्नी कुमारः ईचाक थाना काण्ड सं-दो सौ दो/23, दिनांक 02 नवंबर 2023, पच्चीस (एक-बी) (ए)/छब्बीस आर्म्स एक्ट, धारा-ती सौ निन्यानवे/चार सौ दो भा०द०वि०। छापेमारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों का नामः परमेश्वर प्रसाद, नीवन प्रकाश पाण्डेय, दीपक रजक, मंजेश कुमार, सुमंत कुमार राय, बिरबल हेम्ब्रम, विकाश कुमार, अखिलेश कुमार सिंह, रोहित राज सिंह, पु०अ०नि०, रजरप्पा थाना, तकनीकी शाखा के पदाधिकारी/कर्मी और रामगढ़ थाना रिजर्व गार्ड।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला स्तरीय माइनिंग टास्क फोर्स की बैठक संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरायकेला : गुरुवार को उपायुक्त नितिश कुमार सिंह की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय माइनिंग टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक मुकेश लूणायत, अपर उपायुक्त जयवर्धन कुमार, जिला खनन पदाधिकारी ज्योति शंकर सतपथी, अनुमंडल पदाधिकारी सरायकेला एवं चांडिल, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) सहित अन्य संबंधित विभागीय पदाधिकारी उपस्थित/जुड़े। बैठक के प्रारंभ में जिला खनन पदाधिकारी द्वारा माह दिसंबर 2025 एवं जनवरी 2026 के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों में अवैध खनन एवं अवैध खनिज परिवहन के विरुद्ध संचालित विशेष अभियानों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। प्रतिवेदन के अनुसार इन अभियानों के दौरान लौह अयस्क लदा 01 ट्रेलर एवं बालू खनिज लदे 02 हाईवा जब्त किए गए। साथ ही सहरबेड़ा नदी घाट से 10 डोंगी नावों को विनष्ट किया गया। इस क्रम में अवैध उत्खनन/परिवहन से संबंधित 02 प्राथमिकी दर्ज की गईं तथा लगभग 8,000 घनफीट पत्थर खनिज जब्त किया गया। इस अवधि में कुल 06 वाहनों से 1,50,000/- (एक लाख पचास हजार रुपये) की दंड राशि वसूल की गई। बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि जिलांतर्गत विभिन्न ऋक्ष स्थलों पर जब्त किए गए लगभग 12 लाख घनफीट अवैध बालू खनिज का ई-ऑक्शन के माध्यम से नीलामी संपन्न की गई, जिससे जिले को लगभग ?2.30 करोड़ की राजस्व प्राप्ति हुई है। जिला खनन पदाधिकारी ने यह भी जानकारी दी कि चांडिल अनुमंडल क्षेत्र (दलमा क्षेत्र) में अवैध पत्थर खनन से संबंधित प्राप्त सूचनाओं के आलोक में उपायुक्त के निर्देशानुसार खनन विभाग, प्रदूषण नियंत्रण विभाग एवं अंचलाधिकारी (चांडिल) की संयुक्त टीम द्वारा औचक छापेमारी की गई, जिसमें 01 अवैध पत्थर खदान, 06 ऋक्ष स्थलों पर स्थापित अवैध क्रशर इकाइयों तथा 03 ईंट भट्ठा इकाइयों के विरुद्ध संबंधित विभागों द्वारा नियमानुसार कार्रवाई की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने जिले में अवैध खनन, उत्खनन, भंडारण एवं खनिज परिवहन की किसी भी गतिविधि पर पूर्णतः रोक लगाने हेतु सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ सतत, प्रभावी एवं कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नियमित औचक निरीक्षण अभियान चलाकर अवैध गतिविधियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

अखिल झारखंड कोयला श्रमिक संघ को मिली नई टीम, रोशन लाल चौधरी ने संभाला नेतृत्व

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : अखिल झारखंड कोयला श्रमिक संघ केंद्रीय कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष रोशन लाल चौधरी ने की। बैठक में केंद्रीय कमेटी का विस्तार किया गया, जिसमें कई नए सदस्यों को शामिल किया गया है। बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार, केंद्रीय उपाध्यक्ष के रूप में नान्हू सिंह, रविन्द्र वर्मा, हरेन्द्र सिंह, हरिरत्नम साहू, प्रेमचन्द शर्मा, और मदन महतो को नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, केंद्रीय सचिव के रूप में सत्येन्द्र महतो, नरेश महतो, संजय मिश्रा, और रामभजन महतो को नियुक्त किया गया है। केंद्रीय कोषाध्यक्ष के रूप में रमेश प्रसाद को नियुक्त किया गया है, जबकि केंद्रीय सदस्य के रूप में सुरेश राम, इन्द्रदेव राम, बिनोद कुमार, आफताब आलम, सहदेव, प्रभात कुमार, और बिजय बेदिया को शामिल किया गया है। इस अवसर पर संघ के महासचिव सतीश सिन्हा ने कहा कि अखिल झारखंड कोयला श्रमिक संघ केंद्रीय कमेटी का विस्तार करना एक महत्वपूर्ण कदम है, जो श्रमिकों के हितों की रक्षा करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि नई कमेटी श्रमिकों के अधिकारों की लड़ाई लड़ने में पूरी तरह से सक्षम है। बैठक में उपस्थित केंद्रीय अध्यक्ष रोशन लाल चौधरी ने कहा कि अखिल झारखंड कोयला श्रमिक संघ केंद्रीय कमेटी श्रमिकों के हितों की रक्षा करने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि नई कमेटी श्रमिकों के अधिकारों की लड़ाई लड़ने में पूरी तरह से सक्षम है और श्रमिकों के हितों की रक्षा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। इस अवसर पर मनोनयन की प्रति निदेशक एचआर सीसीएल रांची, महाप्रबन्धक पी एण्ड आईआर रांची, डीजीपी झारखण्ड, क्षेत्रीय श्रमायुक्त हटिया रांची, महाप्रबन्धक सभी क्षेत्र, क्षेत्रिय सुरक्षा पदाधिकारी, चिकित्सा पदाधिकारी सीसीएल रांची को प्रेषित की गई है।

भदानीनगर में शनिदेव मंदिर की तीसरी वर्षगांठ धूमधाम से मनाई गई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

भुरकुंडा : भदानीनगर 80 युनिट में स्थित शनि देव मंदिर की तीसरी वर्षगांठ आज बड़े उत्साह और धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर मंदिर में पूजा-पाठ, शिव चर्चा, और भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने भाग लिया। शनि देव मंदिर की स्थापना अयोध्या में बने राम मंदिर के दिन ही की गई थी। आज के दिन मंदिर में सुनील पंडित के नेतृत्व में विधिवत तरीके से शनि देव की पूजा की गई, जिसमें काफी संख्या में लोग मौजूद रहे। महिलाओं ने शिव चर्चा में भाग लिया और शनि देव की महिमा का गुणगान किया। पूजा-पाठ के बाद भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर अनूप कुमार ठाकुर, कमलेश कुमार, मनीष कुमार, संतोष कुमार ठाकुर, संजय भारती, सुदीश ठाकुर, गोलू कुमार, चमन कुमार, अर्जुन यादव, राजेश कुमार, भगवान ठाकुर, शिवकुमार यादव, करू यादव, पंकज पांडे, गुड्डू सिन्हा, रिंकू बरनवाल, निलेश कुमार, शशिकांत ठाकुर सहित कॉल कंपनी, श्रीनगर, नीचे मार्केट के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए अनूप कुमार ठाकुर ने कहा कि शनि देव मंदिर की स्थापना से हमारे क्षेत्र में एक नए युग की शुरूआत हुई है। उन्होंने कहा कि शनि देव की पूजा से हमें शांति, सुख, और समृद्धि मिलती है। कमलेश कुमार ने कहा कि शनि देव मंदिर की वर्षगांठ के अवसर पर हम सभी को शनि देव की महिमा का गुणगान करना चाहिए और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर मंदिर के पुजारी सुनील पंडित ने कहा कि शनि देव की पूजा से हमें अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि शनि देव की कृपा से हमारे क्षेत्र में सुख, शांति, और समृद्धि बनी रहे।

बसंत पंचमी पर संजीव सिन्हा संभालेंगे भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष का कार्यभार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : भाजपा जमशेदपुर महानगर के नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष संजीव सिन्हा बंसत पंचमी के पावन अवसर पर शुक्रवार को जिले के अध्यक्ष के रूप में विधिवत कार्यभार ग्रहण करेंगे। साकची स्थित जिला भाजपा कार्यालय पर आयोजित होने वाले कार्यभार ग्रहण समारोह में जमशेदपुर महानगर के निवर्तमान जिलाध्यक्ष सुधांशु ओझा पार्टी के अनेकों वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकताओं की मौजूदगी में नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष संजीव सिन्हा को पूरे विधि-विधान से कार्यभार ग्रहण कराएंगे। इस संबंध में भाजपा जमशेदपुर महानगर के जिला मीडिया प्रभारी प्रेम झा की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि संजीव सिन्हा दोपहर 12 बजे जिलाध्यक्ष का कार्यभार लेंगे। पदभार से पूर्व पूर्वाह्न 11 बजे से सनातन रीति-रिवाज और परंपरा

के अनुसार जिला कार्यालय पर पुरोहितों द्वारा विधि-विधान से विशेष पूजा अर्चना की जाएगी। इसके लिए पार्टी की ओर से साकची स्थित जिला कार्यालय पर तमाम तैयारियां पूरी कर ली गई है। जिला कार्यालय एवं पूरे परिसर में रंग-रोगन की गई है। वहीं, समारोह के निमित्त पार्टी के तमाम वरीय नेताओं के साथ सक्रिय सदस्यों एवं सभी कार्यकर्ताओं को आमंत्रित किया गया है। समारोह के पूर्व संध्या पर जिलाध्यक्ष संजीव सिन्हा ने पार्टी के पदाधिकारियों से विचार-विर्मश किया और तैयारियों का जायजा लिया। प्रेस-विज्ञप्ति में भाजपा जमशेदपुर महानगर के सभी वरिष्ठ नेताओं एवं भाजपा कार्यकताओं को शामिल होने का आग्रह किया गया है। गौरतलब है कि गत 10 जनवरी को भाजपा झारखंड प्रदेश के द्वारा संगठन पर्व के तहत संजीव सिन्हा को जमशेदपुर महानगर का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। वहीं, इस समारोह को लेकर जमशेदपुर के भाजपा कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। झारखंड भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू शुक्रवार को आएंगे जमशेदपुरः झारखंड भाजपा के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू शुक्रवार को जमशेदपुर आएंगे। प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित होने के पश्चात उनके प्रथम शहर आगमन पर जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष संजीव सिन्हा के नेतृत्व में मरीन ड्राइव स्थित डोबो पुल पर कार्यकर्ता उनकी अगवानी करेंगे।

झारखंड में निवेश के लिए पहले इन्वेस्टमेंट फ्रेंडली माहौल बनाएं : सरयू राय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ में एक कार्यक्रम के दौरान जमशेदपुर पश्चिम के विधायक और पूर्व मंत्री सरयू राय ने कहा कि झारखंड में निवेश के लिए पहले इन्वेस्टमेंट फ्रेंडली माहौल बनाना होगा। उन्होंने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब है, रंगदारी और अपहरण जैसी घटनाएं आम हो गई हैं, जिससे निवेशकों को झारखंड में निवेश करने से डर लगता है। सरयू राय ने कहा कि मुख्यमंत्री को पहले राज्य में इन्वेस्टमेंट फ्रेंडली माहौल बनाना

होगा, तभी निवेशक झारखंड में निवेश करने के लिए आगे आएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य में कोयला और अन्य प्राकृतिक संसाधनों की चोरी हो रही है, लेकिन सरकार इस पर अंकुश लगाने में असमर्थ है। उन्होंने कहा कि टाटा स्टील जैसे बड़े उद्योगों को भी राज्य में अपने विस्तार के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को टाटा स्टील के साथ मिलकर राज्य में स्टील उद्योग को बढ़ावा देने के लिए काम करना चाहिए। सरयू राय ने कहा कि राज्य में डिजिटल क्षेत्र में भी बहुत संभावनाएं हैं, लेकिन सरकार इस दिशा में काम नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को राज्य में डिजिटल क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य में ठेकेदारों को भी पेमेंट नहीं मिल पा रहा है, जिससे राज्य के विकास में बाधा आ रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को इस समस्या का समाधान करना चाहिए। सरयू राय ने कहा कि राज्य में निवेश के लिए पहले इन्वेस्टमेंट फ्रेंडली माहौल बनाना होगा, तभी निवेशक झारखंड में निवेश करने के लिए आगे आएंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को इस दिशा में काम करना चाहिए। इस अवसर पर सरयू राय ने मां छिन्नमस्तिका मंदिर में पूजा अर्चना की और रामगढ़ में वरिष्ठ भाजपा नेता कुंटू बाबू के आवास पर स्वागत किया गया। इस अवसर पर डॉ संजय सिंह, सूर्यवंश श्रीवास्तव, सत्यजीत चौधरी, राहुल शर्मा आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

अवैध खनन के खिलाफ रामगढ़ प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, तीन हाईवा जब्त

रामगढ़ : रामगढ़ जिले में अवैध खनन और खनिजों के परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए रामगढ़ प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की है। उपायुक्त फैज अक अहमद मुमताज के निर्देश पर खान निरीक्षक राहुल कुमार ने पतरातु थानांतर्गत रेलवे फाटक के पास तीन बालू लदे हाईवा को जब्त किया है। इन हाईवा में परिवहन चालान नहीं पाया गया, जिसके बाद इन वाहनों को बालू खनिज सहित जब्त कर लिया गया है। जब्त किए गए हाईवा की संख्या निम्नलिखित है: 1. JH-02AX-9661 पर सात सौ तिरासी दशमलव सात पांच घन फीट बालू, 2. JH-02AY-7452 पर सात सौ तिरासी दशमलव सात पांच घन फीट बालू, 3. JH-13F-4486 पर आठ सौ छत्तीस घन फीट बालू इन वाहनों के खिलाफ पतरातु थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। दर्ज की गई प्राथमिकी में निम्नलिखित धाराएं शामिल हैं: खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, उन्नीस सौ सत्तावन की धारा चार और इक्कीस, झारखंड लघु खनिज समनुदान नियमावली, दो हजार चार यथा संशोधित के नियम चौवन, झारखंड खनिज (अवैध खनन, परिवहन और भंडारण की रोकथाम) नियम, दो हजार सत्रह के नियम नौ और तेरह। इस कार्रवाई के माध्यम से रामगढ़ प्रशासन ने अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस नीति को स्पष्ट किया है। उपायुक्त ने कहा कि अवैध खनन और परिवहन करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले में अवैध खनन और परिवहन को रोकने के लिए जिला प्रशासन कटिबद्ध है और इसके लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। इस कार्रवाई में खान निरीक्षक राहुल कुमार के अलावा पतरातु थाना के अधिकारी और कर्मचारी भी शामिल थे। जिला प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अवैध खनन और परिवहन की सूचना जिला प्रशासन को दें, ताकि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके।

सरस्वती विद्या मंदिर रजरप्पा में गणतंत्र दिवस को लेकर पूर्वाभ्यास

रामगढ़ : सरस्वती विद्या मंदिर, रजरप्पा प्रोजेक्ट में गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारी को लेकर पूर्व अभ्यास सत्र का आयोजन किया गया। इस अभ्यास सत्र के दौरान विद्यालय के छात्रों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। अभ्यास सत्र में विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति गीत, आकर्षक नृत्य, प्रेरणादायक भाषण तथा सामूहिक योगाभ्यास का सुंदर प्रदर्शन किया गया। छात्रों के अनुशासन, आत्मविश्वास एवं देश के प्रति समर्पण की भावना उनके प्रस्तुतियों में स्पष्ट रूप से दिखाई दी। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य उमेश प्रसाद ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि गणतंत्र दिवस हमारे संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों एवं राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों से देश के प्रति कर्तव्यों को समझने, अनुशासन में रहने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने अभ्यास सत्र में छात्रों के उत्साह एवं मेहनत की सराहना करते हुए आगामी मुख्य कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएं दीं। गणतंत्र दिवस के दिन विद्यालय में झंडोत्तोलन सुबह दस बजे विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष सह परियोजना पदाधिकारी ललन कुमार राय के द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहेंगे। इस अभ्यास सत्र के दौरान विद्यालय के छात्रों ने अपने देशभक्ति गीत और नृत्य के माध्यम से सभी को भावुक कर दिया। छात्रों के इस प्रदर्शन ने सभी को देश के प्रति अपने कर्तव्यों को समझने और उन्हें पूरा करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के प्राचार्य उमेश प्रसाद ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से छात्रों में देशभक्ति की भावना को बढ़ावा मिलता है और वे अपने देश के लिए कुछ करने के लिए प्रेरित होते हैं। इस अभ्यास सत्र के बाद विद्यालय के प्राचार्य उमेश प्रसाद ने कहा कि आगामी गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम में सभी छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों की उपस्थिति आवश्यक है। उन्होंने सभी से इस कार्यक्रम में भाग लेने और देशभक्ति के इस अवसर को यादगार बनाने का आह्वान किया।

रामगढ़ में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती पर पराक्रम दिवस का हुआ आयोजन

रामगढ़ : नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती के अवसर पर पराक्रम दिवस 2026 का भव्य आयोजन शुरू हो गया है। यह दो दिवसीय कार्यक्रम 22 एवं 23 जनवरी 2026 को रामगढ़ के ऐतिहासिक सुभाष चौक के समीप स्थित दुर्गा मंदिर परिसर में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण (एंथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया), संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में किया जा रहा है। 22 जनवरी को आयोजित प्रारंभिक कार्यक्रम में विद्यार्थियों के लिए भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का मुख्य विषय नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जीवन, उनका पराक्रम, देशभक्ति, राष्ट्र-निर्माण में योगदान, रामगढ़ से नेताजी का ऐतिहासिक संबंध तथा स्वतंत्रता संग्राम रहा। इस प्रतियोगिता में रामगढ़ जिले के सात प्रमुख विद्यालयों—आर्मी पब्लिक स्कूल, केंद्रीय विद्यालय, गुरु नानक विद्यालय, राधा गोविंद सीनियर सेकेंडरी स्कूल, रामप्रसाद चंद्रभान सरस्वती विद्या मंदिर, ज्ञान मंदिर परसोतिया एवं श्री कृष्ण विद्या मंदिर—के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। निर्णायक मंडल की भूमिका समाजसेवी स्रामिष्ठा दत्ता, भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण के सहायक मानवविज्ञानी राज किशोर महतो एवं सहायक शोधकर्ता सुदीप्तो कुमार बेहेरा ने निभाई। कार्यक्रम प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक चला, जिसमें शिक्षकगण एवं शहर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

रामगढ़ में श्री रानी सती दादी मंदिर का 15वां वार्षिक महोत्सव शुरू

रामगढ़ : श्री मारवाड़ी सेवा ट्रस्ट की ओर से श्री रानी सती दादी मंदिर के भव्य प्रांगण में तीन दिवसीय 15वां वार्षिक स्थापना महोत्सव बड़े ही धूमधाम से प्रारंभ हुआ। महोत्सव के प्रथम दिन मेहंदी उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें दादी भक्तों ने मीठे-मीठे भजनों के बीच नाच-गा कर दादी जी के हाथों में मेहंदी लगाई। मेहंदी उत्सव के दौरान संगीता बुधिया, प्रीति जैन, सुधा अग्रवाल और अनीता अग्रवाल ने दादी जी को मेहंदी लगाई। इस अवसर पर श्री रानी सती महिला मंगल समिति की सदस्यों ने अपने मीठे-मीठे भजनों से सभी भक्तों को खूब झुमाया और दादी जी का गुणगान किया। मेहंदी उत्सव में धनबाद के प्रसिद्ध भजन गायक आयुष शर्मा को आमंत्रित किया गया था, जिन्होंने अपने भावपूर्ण भजनों से सभी भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। दादी जी के दरबार को बहुत ही सुंदर और आकर्षक फूलों से सजाया गया था। महाआरती और प्रसाद वितरण के साथ मेहंदी उत्सव का सफल समापन हुआ।

एक नजर

मानकी-मुण्डा संघ के फिर अध्यक्ष बने गणेश पाट पिंगुवा

पश्चिमी सिंहभूम : कोल्हान पोड़ाहाट के 18 आंचलों को समेटे मानकी-मुण्डा संघ के पुनर्गठन समारोह में एक बार फिर गणेश पाट पिंगुवा को संगठन का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। गुरुवार को आयोजित समारोह में समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों, विभिन्न आंचलों के प्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकताओं की मौजूदगी में संगठन का पुनगर्ठन किया गया। कार्यक्रम के दौरान संगठन को अधिक प्रभावी और सशक्त बनाने, पारंपरिक मानकी-मुण्डा व्यवस्था को मजबूती देने और समाज से जुड़ी समस्याओं को एकजुट होकर उठाने पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ। अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभालने के बाद गणेश पाट पिंगुवा ने कहा कि मानकी-मुण्डा व्यवस्था आदिवासी समाज की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान है, जिसकी रक्षा और सुदृढ़ीकरण सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। उन्होंने संगठन को जमीनी स्तर पर और सक्रिय करते हुए समाजहित के मुद्दों पर निर्णायक भूमिका निभाने का संकल्प दोहराया। उनके पुनः अध्यक्ष बनने पर देशाऊली फाउंडेशन परिवार की ओर से बधाई दी गई। फाउंडेशन ने विश्वास जताया कि गणेश पाट पिंगुवा के नेतृत्व में मानकी-मुण्डा संघ सामाजिक एकता को मजबूत करेगा, पारंपरिक मूल्यों को आगे बढ़ाएगा और जनहित से जुड़े कार्यों में नई ऊर्जा के साथ सक्रिय भूमिका निभाएगा।

समारोह में अलग-अलग आंचलों से पहुंचे प्रतिनिधियों ने भी नए अध्यक्ष को बधाई देते हुए संगठन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

जिला वीबीडी टीम ने सीएचसी सोनुआ में किया कार्यक्रमों का निरीक्षण

पश्चिमी सिंहभूम : जिले में वेक्टर जनित रोगों पर प्रभावी नियंत्रण को लेकर जिला वीबीडी कार्यालय की टीम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनुआ का निरीक्षण किया। इस दौरान मलेरिया और फाइलेरिया की रोकथाम के लिए संचालित कार्यक्रमों की गहन समीक्षा की गई और जमीनी स्तर पर उनके क्रियान्वयन की स्थिति का आकलन किया गया। पर्यवेक्षण के दौरान जिला वीबीडी पदाधिकारी डॉ मीणा कालूडिया और जिला सलाहकार वीबीडीसीपी शशि भूषण महतो ने वित्तीय विवरणी, रोगियों के उपचार की स्थिति, दवा भंडार, मलेरिया निगरानी रिपोर्ट, प्रयोगशाला में जांच व्यवस्था एवं संबंधित रजिस्टर तथा अभिलेखों का निरीक्षण किया। ओपीडी में बुखार से पीड़ित मरीजों की समीक्षा करते हुए डॉ कालूडिया ने सभी एमपीडब्ल्यू को गांव-गांव जाकर फीवर सर्वे करने के निर्देश दिया, ताकि संभावित मरीजों की समय पर पहचान और उपचार सुनिश्चित किया जा सके। निरीक्षण के क्रम में कार्यक्रम से जुड़े सहियाओं को मिलने वाले भुगतान की भी समीक्षा की गई। टीम ने पाई गई कमियों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित कर्मियों को 48 घंटे के भीतर सुधार कर जिला कार्यालय को जानकारी देने का निर्देश दिया। इसी क्रम में पिरामल टीम ने क्षेत्र भ्रमण कर फाइलेरिया मुक्त पंचायत के लक्ष्य को लेकर मुखिया से चर्चा की। साथ ही गांवों का दौरा कर ग्रामीणों से मलेरिया के प्रसार से जुड़ी जानकारी ली गई और उन्हें मच्छरों से बचाव, स्वच्छता और समय पर जांच-उपचार के उपायों के प्रति जागरूक किया गया। पर्यवेक्षण के दौरान चिकित्सा पदाधिकारी डॉ आनंद, वीनू लागूरी, जितेंद्र बिरुआ, हरी

डीएमएफटी व अन्य योजनाओं की प्रगति को लेकर डीसी की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला दंडाधिकारी-सह-डीसी हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में डीएमएफटी, अनाबद्ध निधि, आकांक्षी मद एवं नीति आयोग सहित अन्य मदों से संचालित योजनाओं की प्रगति को लेकर समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। डीसी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करते हुए सभी विभागीय अधिकारियों को समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक योजना का फील्ड-लेवल पर निगरानी के साथ क्रियान्वयन हो ताकि आमजन को शीघ्र लाभ मिल सके। बैठक में कार्यपालक अभियंता नृप, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, भवन प्रमंडल, असैनिक शल्य चिकित्सा, नगर परिषद एवं समेकित जनजातीय विकास अभिकरण द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। इस दौरान जिन महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर विशेष चर्चा की गई, उनमें प्रमुख रूप से– बरहेट प्रखंड के कालीदाह गाड़ टोला में पानी टंकी निर्माण, उधवा प्रखंड में श्रीधर काली मंदिर घाट पर चेंजिंग रूम निर्माण कार्य, साहेबगंज जिले में वेस्ट टू वंडर पार्क का निर्माण, मध्य विद्यालय सकरीगली में 06 अतिरिक्त वर्ग कक्ष निर्माण, 100 पीवीटीजी परिवारों के लिए मशरूम उत्पादन के माध्यम से रोजगार सृजन, कल्याण विभाग द्वारा संचालित अम्बेरी एवं ढिबरीकोल आवासीय विद्यालयों में मॉड्यूलर किचन-सह-भोजनालय उन्नयन कार्य, साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना, अबूआ आवास योजना एवं मनरेगा की प्रगति पर भी विस्तृत समीक्षा की गई। डीसी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी विभाग अपने-अपने दायित्वों का पालन करते हुए योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर समय पर पूर्ण करें।बैठक में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, सिविल सर्जन डॉ. राम देव पासवान, जिला योजना पदाधिकारी अनुप कुमार सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

गायत्री शक्तिपीठ में बारह घंटे का अखंड जाप संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा इस वर्ष बसंत पर्व को संकल्प दिवस के रूप में मनाने की तैयारी धूमधाम से की जा रही है। शहर के चौधरी कॉलोनी स्थित गायत्री शक्तिपीठ में गुरुवार को बारह घंटे का गायत्री अखंड जाप संपन्न किया गया। बताया गया कि शुक्रवार को सुबह नौ बजे शक्तिपीठ में ही सामूहिक संकल्प समारोह आयोजित किया गया है। इसकी तैयारी धूमधाम से की जा रही है। शक्तिपीठ संचालन समिति की मुख्य प्रभारी सरिता पोद्दार ने बताया कि शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में पूजनीय माता जी की जन्म जयंती तथा पूज्य गुरुदेव द्वारा स्थापित अखण्ड दीपक के सौ वर्ष पूरे होने पर अखिल विश्व गायत्री परिवार द्वारा वर्ष 2026 को शताब्दी वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। इसी कड़ी में गुरुवार को सुबह पांच बजे से शाम पांच बजे तक बारह घंटे का गायत्री अखंड जाप संपन्न किया गया, जिसमें एक सौ पैतालीस श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। प्रभारी ने बताया कि इस शताब्दी वर्ष में हम सभी गायत्री परिवार के भाई बहनों को 40 दिवसीय अनुष्ठान करना आवश्यक है। इसलिए इसबार बसंत पर्व में शुक्रवार को शक्तिपीठ में सामूहिक संकल्प समारोह आयोजित किया गया है। अनुष्ठान में आधिकाधिक श्रद्धालुओं की भागीदारी के लिए सघन संपर्क अभियान चलाया जा रहा है।

राजकीयकृत उच्च विद्यालय अमड़ापाड़ा को मिला सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस का दर्जा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : राज्य में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए 100 और 'मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों' को मंजूरी दी है। अब इन स्कूलों में CBSE पाठ्यक्रम, अंग्रेजी माध्यम, स्मार्ट क्लासरूम, ICT लैब और मुफ्त किताबें/ड्रेस जैसी सुविधाएं मिलेंगी, ताकि ग्रामीण बच्चों को अच्छी शिक्षा शहर आए बिना मिल सके। वहीं जिले में की बात करें तो पहले सिर्फ 3 सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस थे, अब 4 विद्यालय को सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस का दर्जा प्राप्त हुआ है। जिससे जिले में अब कुल 07 सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस हो जायेंगे। वहीं अब राज्य में कुल 180 मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय होंगे ।

क्या सुविधाएं मिलेंगी

इन स्कूलों में उइरए पाठ्यक्रम, अंग्रेजी माध्यम, स्मार्ट क्लासरूम, ICT लैब, साइंस और मैथ्स लैब, और लाइब्रेरी जैसी आधुनिक सुविधाएँ मिलेंगे। छात्रों को मुफ्त किताबें और यूनिफॉर्म भी मिलेगी, जिससे ग्रामीण बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी और शहर आने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

ज्ञात हो कि अमड़ापाड़ा प्रखण्ड में राजकीयकृत उच्च विद्यालय अमड़ापाड़ा को पहले ब्लॉक लेवल एक्सीलेंस विद्यालय का दर्जा प्राप्त था अब विद्यालय को अपग्रेड किया गया है और जल्द ही CBSE से मान्यता दिलाने की प्रक्रिया भी पूरी की जाएगी, ताकि सत्र 2027-28 से इनका संचालन उइरए के अनुरूप हो सके। वहीं विद्यालय के सभी कर्मी और प्रखण्ड की आम जनता ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का आभार जताया है कि उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर अमड़ापाड़ा प्रखण्ड के बच्चों को दिया है।

ईस्ट प्लांट बस्ती में पेयजल व बुनियादी सुविधाओं को लेकर टाटा स्टील से प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

जमशेदपुर : ईस्ट प्लांट बस्ती में लंबे समय से चली आ रही पेयजल समस्या एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं को लेकर आज ईस्ट प्लांट बस्ती से प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुलवंत सिंह बंटी के साथ प्रतिनिधिमंडल ने टाटा स्टील यूआईएसएल के जनरल मैनेजर आर.के. सिंह से मुलाकात कर वहां की समस्याओं से अवगत कराया। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुलवंत सिंह बंटी ने किया। मुलाकात के दौरान समिति के सदस्य सौरव श्रीवास्तव, संतोष ठाकुर एवं मिंटू मिश्रा भी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने आर के सिंह को बताया कि ईस्ट प्लांट बस्ती के निवासियों को लगातार गंभीर पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में बस्ती के 84 घरों का पानी कनेक्शन काट दिया गया था, जिसके बाद संबंधित परिवारों द्वारा नए कनेक्शन के लिए आवेदन किया गया है। इस संबंध में कुलवंत सिंह ने मांग की कि जब तक नए कनेक्शन की प्रक्रिया पूर्ण नहीं हो जाती, तब तक किसी भी घर का जल कनेक्शन न काटा जाए और प्रभावित परिवारों को अविलंब पानी की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। इसके अतिरिक्त प्रतिनिधिमंडल ने बस्ती से जुड़ी अन्य समस्याओं की ओर भी ध्यान आकर्षित कराया, जिनमें ईस्ट प्लांट बस्ती से एचएसएम गेट तक पाथवे निर्माण, बस्ती में निमार्णाधीन पार्क में ओपन जिम के उपकरण लगाए जाने तथा चारदीवारी को ऊँचा करने और अटल सामुदायिक भवन के पास एक नए पार्क के निर्माण की मांग प्रमुख रूप से शामिल रही। इस अवसर पर सभी मांगों और समस्याओं से संबंधित एक लिखित आवेदन भी टाटा स्टील यूआईएसएल के जनरल मैनेजर आर.के. सिंह को सौंपा गया। आवेदन प्राप्त करने के बाद श्री सिंह ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। बस्तीवासियों ने आशा व्यक्त की है कि टाटा स्टील प्रबंधन द्वारा उनकी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करते हुए जल्द ही स्थायी समाधान किया जाएगा।

मिर्जाचौकी थाना परिसर में सरस्वती पूजा को लेकर शांति समिति की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : मिर्जाचौकी थाना परिसर में थाना प्रभारी रुपेश कुमार यादव की अध्यक्षता एवं इंस्पेक्टर अमीत कुमार गुप्ता की उपस्थिति में सरस्वती पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस संबंध में इंस्पेक्टर अमीत कुमार गुप्ता एवं थाना प्रभारी रुपेश कुमार यादव ने बारी बारी से क्षेत्र में सरस्वती पूजा करने वाले युवकों को टोला मुहल्ले के बारे में जानकारी लिया, एवं दिशा-निर्देश दिए गए कहा गया कि डिजे नहीं बजाना है,मीठा साउड में भक्ति गीत संगीत बजाएं एवं शांतिपूर्ण वातावरण में पूजा सम्पन्न करें,साथ ही 25 जनवरी को हर हाल में प्रतिमा का विसर्जन कर दें। कहीं भी किसी तरह की हुड़दंग होने एवं गलत तत्व पर पुलिस प्रशासन त्वरित कार्रवाई करने के लिए बाध्य होगी, शांति पूर्वक मां की पूजा अर्चना विधिवत करें। मौके पर एसआई प्रवीण कुमार प्रभाकर, एएसआई जेकव बेसरा, विल्सन हांसदा, गुरु महतो, शिवलाल मरांडी, पूजा समिति अध्यक्ष राजीव जयसवाल, बलराम भगत, शिवशंकर गुप्ता, विरेंद्र साह, मो सहादत अंसारी, जाबीर अंसारी, सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

सांसद के वनभोज में कार्यक्रम मे झामुमो के सैकड़ों कार्यकर्ता हुए शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : बोरियो के तसर सेंटर मैदान में झारखंड मुक्ति मोर्चा साहेबगंज जिला समिति के अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित एक दिवसीय जिला स्तरीय बैठक सह वन भोज कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि राजमहल लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय कुमार हांसदा एवं विशिष्ट अतिथि राजमहल विधायक मो. ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा, बोरियो विधायक धनंजय सोरेन, जिप अध्यक्ष मोनिका किस्कू, पूर्व विधायक ताला मरांडी, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष संजय गोस्वामी, झामुमो नेता सिमोन मालतो शामिल हुए। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं कार्यकताओं ने स्वर्गीय दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम का संचालन सांसद प्रतिनिधि सह झामुमो जिला उपाध्यक्ष संजीव सामु हेंब्रम ने किया। कार्यक्रम मे उपस्थित अतिथियों ने कार्यकताओं को बारी-बारी से संबोधित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद विजय हांसदा ने कहा कि आगामी 2 फरवरी को दुमका में आयोजित कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाना है इसके लिए हमारे कार्यकताओं को व्यवस्था में किसी प्रकार की कमी नहीं होने देंगे। साथ ही उन्होंने बीएलए 2 फॉर्म भरते हुए अभिकताओं के चयन प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा। कार्यक्रम में उपस्थित पार्टी के सभी प्रखण्ड अध्यक्ष सचिव को 2 फरवरी झारखंड स्थापना दिवस पर दुमका चलो का नारा दिवार लेखन एवं बीएलए फॉर्म-2 भरकर जल्द से जल्द जिला समिति साहेबगंज को समर्पित करने हेतु जिला अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने निर्देश दिया। मौके पर जिला सचिव सुरेश टुडू, राजमहल विधायक प्रतिनिधि मो. मारूफ, जिला प्रवक्ता राजाराम मरांडी, जिला कार्यकारिणी सदस्य प्रो० नजरुल इस्लाम, पूर्व नगर अध्यक्ष केताबुद्दीन शेख, केंद्रीय समिति सदस्य मुजीबुर्रहमान, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष बसंती हांसदा, केंद्रीय समिति सदस्य बबलू मिश्रा,जिला परिषद सदस्य अब्दुल बारीक शेख,जेठा मुर्मू समेत साहेबगंज जिला एवं गोड्डा जिला अंतर्गत केंद्रीय समिति सदस्यगण, जिला के समस्त पदाधिकारीगण, वर्ग संगठन के जिला अध्यक्ष सचिव सहित पदाधिकारीगण, महिला मोर्चा के अध्यक्ष सचिव सहित पदाधिकारीगण,प्रखंड अध्यक्ष-सचिव,नगर के अध्यक्ष-सचिव, विभिन्न पंचायतों के अध्यक्ष-सचिव सहित सैकड़ों झामुमो कार्यकताओं ने भाग लिया।

संक्षिप्त खबरें

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय में कक्षा शकनामांकन हेतु आवेदन आमंत्रित

पाकुड़ : जिला अंतर्गत संचालित एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु कक्षा शकमें नामांकन के लिए पात्र एवं इच्छुक छात्र- छात्राओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, कुमारभाजा में 60 बालिका छात्राओं के नामांकन हेतु आवेदन लिए जाएंगे। एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, राजबाड़ी में 30 बालक एवं 30 बालिका छात्र-छात्राओं के नामांकन हेतु आवेदन आमंत्रित हैं। इस संबंध में परियोजना निदेशक, आईटीडीए सह जिला कल्याण पदाधिकारी अरूण कुमार एक्का ने जानकारी देते हुए बताया कि इच्छुक छात्र-छात्राएँ दिनांक 10 फरवरी 2026 तक निर्धारित पंजीयन प्रपत्र पूर्ण रूप से भरकर जिला कल्याण कार्यालय, पाकुड़ में जमा कर सकते हैं। आवेदन प्रपत्र जिला कल्याण कार्यालय, पाकुड़, जिले के सभी प्रखंड मुख्यालयों तथा संबंधित एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों में उपलब्ध हैं। उन्होंने आगे बताया कि नामांकन हेतु चयन परीक्षा की तिथि 08 मार्च 2026 निर्धारित की गई है। आवेदन करने वाले छात्र-छात्राओं की आयु सीमा 10 से 13 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। श्री एक्का ने यह भी जानकारी दी कि इस संबंध में विस्तृत सूचना कल्याण विभाग, झारखण्ड, राँची द्वारा दिनांक 10 जनवरी 2026 को समाचार पत्रों के माध्यम से पूर्व में ही प्रकाशित कराई जा चुकी है। उन्होंने जिले के सभी पात्र छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों से निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवेदन करने की अपील की है।

दुकान में आग लगने से लाखों रुपए के सामान जल कर राक

साहिबगंज : मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के बड़ी कोर्जाजनना चौक पर बुधवार की रात करीब 10:45 बजे में एक चाय-राशन दुकान में आग लग गई। इस घटना में दुकान में रखा करीब 5,000 नगद सहित लगभग 5 लाख रुपए का सामान जलकर राख हो गया।

वहीं,पास में स्थित एक नाश्ता दुकान भी आग की चपेट में आ गई,जिससे करीब 1 से 1.5 लाख रुपए का अतिरिक्त नुकसान हुआ है। पीड़ित दुकानदार शशि कुमार बर्नवाल, निवासी पटवारटोला,ने बताया कि वह बड़ी कोर्जाजनना चौक पर चायझराशन की दुकान चलाते हैं। रोज की तरह बुधवार की रात करीब 8:30 बजे दुकान बंद कर ताला लगाकर घर चले गए थे। कुछ घंटे बाद पास की एक महिला ने दुकान के अंदर आग की लपटें देखीं और शोर मचाया। इसके बाद किसी व्यक्ति द्वारा उन्हें घटना की सूचना दी गई। सूचना मिलते ही शशि कुमार बर्नवाल अपने पिता कार्तिक बर्नवाल और भाई सुमन बर्नवाल के साथ मौके पर पहुंचे, जहां देखा कि गुमटी के अंदर रखा सारा सामान जल चुका था। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। ग्रामीणों की कड़ी मशक्कत से आग पर आंशिक रूप से काबू पाया गया। इसके बाद मौके पर पहुंची अग्निशमन विभाग की टीम ने आग को पूरी तरह बुझाया और आसपास के घरों व दुकानों को आग की चपेट में आने से बचाया। यदि समय पर आग पर काबू नहीं पाया जाता,तो बड़ा हादसा हो सकता था। घटना की सूचना मुफ्फसिल थाना पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का मुआयना किया और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस आग लगाने वालों की पहचान और घटना के कारणों की जांच में जुटी हुई है।

हत्याकांड में बोरियो पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा न्यायिक हिरासत

साहिबगंज : बोरियो थाना क्षेत्र में पिछले दिनों हुए संजू हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। अनुमंडलीय कार्यालय स्थित अपने कक्ष में सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की ने प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि 19 जनवरी को रात्रि लगभग 8 बजे बोरियो थाना क्षेत्र के बड़ा रक्सो पंचायत भवन के पास संजू मड़ैया की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। उक्त मामले में थाना में कांड संख्या 6/26 दर्ज किया गया था। पुलिस अधीक्षक ने उनके नेतृत्व में मामले के उद्भेदन के लिए एक टीम का गठन किया था। टीम में मामले में ताबड़तोड़ छापामारी करते हुए आरोपी बड़ा रक्सो, दमगी निवासी धुमा किस्कू (22) को गिरफ्तार कर लिया वही उसकी निशान देही पर हत्या में प्रयुक्त 12 बोर का एक नाली बंदूक, 07 पीस जिंदा कारतूस व 04 पीस खोखा बरामद किया है। छापामारी दल में इंस्पेक्टर नूनूदेव राय, थाना प्रभारी रोहित कुमार, पुअनि सिद्धार्थ शंकर टोप्पो, सअनि विराम मार्डी, प्रभा शंकर दूबे, देवनारायण साहू, सुधीर कुमार तिवारी व सशस्त्र बल शामिल थे।

एफएसएल की टीम ने दुमका में किया मृतक बंदी का शव का पोस्टमार्टम

साहिबगंज : राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत हत्या के मामले में आरोपी एक बंदी की बुधवार की सुबह राजमहल उपकारा में आत्महत्या का प्रयास और इसके बाद हुई उसकी मौत के बाद उसका शव देर रात सदर अस्पताल से दुमका भेजा गया। मिली जानकारी के अनुसार मृतक बंदी के शव का एफएसएल की टीम ने पोस्टमार्टम किया। इसके उपरांत मृतक का शव गुरुवार की दोपहर लगभग 2:30 बजे राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज की अभिरक्षा में राधानगर थाना क्षेत्र के सत्तार टोला लाया गया। जहां उसे देर शाम सुपुर्द खाक कर दिया गया। ज्ञात हो कि राजमहल उपकारा में बीते लगभग 05 वर्षों से अधिक समय से बंद राधानगर थाना क्षेत्र के सत्तार टोला निवासी मंसूर शेख (37) ने बुधवार को जेल के भीतर गले में फांसी का फंदा लगाकर अपनी जान देने की कोशिश की। जिसके बाद उसे आनन-फनान में अनुमंडल अस्पताल और इसके बाद सदर अस्पताल लाया गया था। लेकिन सदर अस्पताल में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। जानकारी के अनुसार मंसूर शेख पर भूमि विवाद में अपने ही सगे भाई अख्तर शेख की धारदार हसुआ से गला रेत कर हत्या कर देने का आरोप था। मामले को लेकर उसकी भाभी जहांनूर बेवा की शिकायत पर मंसूर शेख के विरुद्ध राधानगर थाना में कांड संख्या 167/20 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इधर मंसूर के शव के सुपुर्द खाक के बाद उसके पुत्र फारुख शेख सहित परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। वहीं बंदी के आत्महत्या करने के मामले को लेकर राजमहल थाना में प्रभारी उपकाराधीक्षक सह डीसीएलआर विमल सोरेन के बयान पर राजमहल थाना में यूडी केस संख्या 03/26 दर्ज की गई है।

नीतीश की समृद्धि यात्रा में महिलाओं से छेड़छाड़

बीजेपी नेता बोले– अफसरों ने महिला विधायक के साथ भी मिस बिहेव किया; एंट्री को लेकर हंगामा

पटना। CM नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा 5वें दिन सारण पहुंची। यहां कार्यक्रम में एंट्री को लेकर जमकर हंगामा हुआ। बीजेपी नेता ने अफसरों पर महिलाओं से छेड़छाड़ का आरोप भी लगाया है। बीजेपी के जिला महामंत्री विवेक कुमार सिंह ने बताया कि, 'मुख्यमंत्री जी आने वाले थे। NDA कार्यकताओं में मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के आने को लेकर जोश हाई था। स्वागत के लिए लोग खड़े थे, लेकिन कुछ अधिकारी पटना के थे।

उन लोगों ने महिलाओं के साथ मिस बिहेव किया। मैंने उनसे कहा कि मैं आपकी शिकायत मुख्यमंत्री से करूंगा। उन्होंने एक महिला विधायक छोटू कुमारी के साथ भी मिस बिहेव किया।'इधर, कार्यक्रम में मंच पर पहुंचते ही मुख्यमंत्री ने दीप जलाने का इशारा किया। इसके बाद मंत्री और अफसर दौड़े-दौड़े दीप जलाने के लिए पहुंचे। दरअसल, नीतीश कुमार जैसे ही मंच पर अपनी कुर्सी पर बैठे। उनके ठीक सामने दीप आ गया। मुख्यमंत्री ने बुझा दीपक देख तुरंत मंच पर मौजूद अधिकारियों को इशारा किया इसे जलवाइए। इसके बाद मंत्री और अफसर दौड़ते हुए आए और मुख्यमंत्री के हाथ से दीप प्रज्वलित करवाया गया। इससे पहले स्टॉल का निरीक्षण करने के दौरान सैंड से बनी अपनी तस्वीर देखकर नीतीश मुस्कुरा दिए। स्टॉल के निरीक्षण से पहले अधिकारी मुख्यमंत्री को सबसे पहले उनकी तस्वीर दिखाने ले गए। मुख्यमंत्री एकटक उसे निहारते रहे। सारण के लिए CM ने 86.50 करोड़ रुपए की योजनाओं का उद्घाटन और 450.30 करोड़ रुपए की योजनाओं का शिलान्यास किया। सभा को संबोधित करते हुए डिप्टी उट सम्राट चौधरी ने कहा कि, छपरा में एयरपोर्ट बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए रहा कि, 24 नवंबर 2005 को पहली बार हमारी सरकार बनी। तब से राज्य में कानून का राज है। 4 राउंड हुए हैं ये 5वां राउंड है। इससे पहले वाली स्थिति अच्छी नहीं थी। लोग शाम के बाद घर से बाहर नहीं निकलते थे। समाज में हिंदू-मुस्लिम झगड़े होते थे। पढ़ाई का बुरा हाल था। इलाज की व्यवस्था नहीं थी। सड़क नहीं थी। बिजली नहीं थी। सोचिए कितना बुरा हाल था। वो लोग कोई काम नहीं कर रहे थे।

हिंदू-मुस्लिम झगड़े पहले से कम हुएः हमारी सरकार आई तो हमने कब्रिस्तानों की घेराबंदी करवाई। पहले इसे लेकर हिंदू-मुस्लिम-झगड़े होते थे। अब सब ठीक है। हिंदू मंदिरों में भी तोड़फोड़ होती थी। हमने मंदिरों की भी घेराबंदी करवाई है। वो लोग सिर्फ लोगों को लड़वाते थे। किसी समस्या का हल नहीं निकालते थे। पहले लोग घर से निकलने पर डरते थेः उन लोगों के राज में डर का माहौल था। महिलाएं घर से बाहर निकलने से डरती थीं। शाम के बाद तो हम लोग भी घरों में छिप जाते थे। अनहोनी की आशंका बनी रहती थी। लूट, अपहरण, हत्या यही सब होता था, लेकिन अब देखिए लोग आराम से रातभर घूमते हैं। 2018 में ही हर घर बिजली पहुंचाईः उन लोगों के राज में बिजली नहीं थी। हमने पैसे लगाए। 2018 में ही हर घर बिजली पहुंचा दी गई। हमने पहले सस्ती दर पर बिजली दी। इसके बाद हमें लगा कि इसे नहीं लेना चाहिए। अब घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली मुफ्त दी जा रही है। सरकार छतों पर सोलर लगा रही है। इसे लगवाइए आपको बहुत फायदा होगा। बिहार में 1 करोड़ 40 लाख जीविका दीदी हैंः महिलाओं को हमने 2013 में महिलाओं को 35 फीसदी आरक्षण दिया। 2016 में फिर से हमने उन लोगों के लिए आरक्षण दिया। पहले बिहार में स्वयं सहायता समूह की संख्या बहुत कम थी। 2006 में विश्व बैंक से कर्ज लेकर हमने राज्य में स्वयं सहायता समूह का गठन किया। इसे जीविका दीदी नाम दिया गया। इनकी संख्या 1 करोड़ 40 लाख हो गई है। 2024 में हमने स्वयं सहायता समूह का गठन किया। अब 4 लाख 34 हजार जीविका दीदियां शहरी क्षेत्र में बन गई हैं। अगले 5 सालों में 1 करोड़ नौकरी-रोजगार देंगेः मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिलाओं को 10-10 हजार रुपए दिए गए। 2-2- लाख रुपए देकर उनके रोजगार को आगे बढ़ा रहे हैं। युवाओं के लिए भी सरकार लगातार काम कर रही है। अगले 5 साल में 1 करोड़ नौकरी और रोजगार का लक्ष्य रखा गया है।मुख्यमंत्री ने ITI बॉयज केंद्र का भी उद्घाटन किया। यह ITI केंद्र मॉडर्न सुविधाओं से लैस है। यहां इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, सिविल सहित कई ट्रेड से जुड़े मॉडर्न उपकरण लगाए गए हैं। इन डिवाइस के माध्यम से छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। ITI प्रशासन का कहना है कि इस केंद्र के शुरू होने से स्थानीय युवाओं को तकनीकी शिक्षा के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। ट्रेनिंग मिलने के बाद युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए रास्ते खुलेंगे।

बीपीएम पद से हटाने पर BJP ऑफिस के बाहर हंगामा

पटना। बीपीएम की नौकरी से हटाए गए अभ्यर्थियों ने मंगलवार को पटना स्थित भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के प्रदेश कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में पहुंचे अभ्यर्थियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। अपनी बहाली की मांग को लेकर सड़क पर धरने पर बैठ गए। प्रदर्शन के कारण कुछ देर के लिए इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों का कहना था कि उन्हें बिना स्पष्ट कारण बताए नौकरी से हटा दिया गया है। कई अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि वर्षों तक सेवा देने के बाद अचानक अनुबंध समाप्त कर देना न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि उनके भविष्य के साथ भी खिलवाड़ है। अभ्यर्थियों का कहना था कि वे पूरी निष्ठा से काम कर रहे थे और उनकी सेवा में किसी तरह की गंभीर कमी नहीं बताई गई।न्याय की मांग, सरकार पर लगाए आरोप प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बीपीएम पद पर कार्यरत रहते हुए उन्होंने ग्रामीण विकास से जुड़ी कई योजनाओं को सफलतापूर्वक जमीन पर उतारा। इसके बावजूद बिना किसी पूर्व सूचना के सेवा समाप्ति का आदेश जारी कर दिया गया। अभ्यर्थियों ने मांग की कि सरकार इस फैसले की समीक्षा करे और उन्हें पुनः बहाल किया जाए। कुछ अभ्यर्थियों ने यह भी कहा कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन को और तेज करेंगे। आज बीजेपी कार्यालय के बाहर नितिन नवीन सर से मिलने आये है. वो हमारी बात को सुने।प्रशासन की सक्रियता, प्रदर्शन शांत प्रदर्शन की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने अभ्यर्थियों से बातचीत की और उन्हें समझा-बुझाकर शांत कराया। प्रशासन की ओर से आश्वासन दिया गया कि उनकी मांगों को संबंधित विभाग और सरकार तक पहुंचाया जाएगा। इसके बाद अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन समाप्त किया और शांतिपूर्वक वहां से हट गए।

चौतरवा में नाबालिग से दुष्कर्म के प्रयास का आरोपी गिरफ्तार

बेतिया। में चौतरवा पुलिस ने मंगलवार को नाबालिग के साथ दुष्कर्म के प्रयास के मामले में तत्काल कार्रवाई की है। पुलिस ने प्राथमिक अभियुक्त पन्नालाल सोनी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। कोर्ट के आदेश पर उसे जेल भेज दिया गया है। चौतरवा थाना कांड संख्या 22/26 के तहत दर्ज इस मामले में , चौतरवा थाना निवासी पन्नालाल सोनी (लगभग 55 वर्ष), पिता स्वर्गीय मोतीलाल सोनी को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के विरुद्ध पॉक्सो एक्ट की धारा 8, 10 और 12 के साथ-साथ भारतीय न्याय संहिता की धारा 126(2), 115(2), 352, 351(2) और 3(5) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। यह मामला नाबालिग से संबंधित गंभीर आरोपों के कारण अत्यंत संवेदनशील प्रकृति का है।

पटना में सिलबट्टे से कूचकर पत्नी की हत्या

पटना। में बुधवार को पति ने सिलबट्टे से कूचकर अपनी पत्नी की हत्या कर दी। घटना शास्त्री नगर थाना क्षेत्र के मछली गली की है।

बताया गया कि पत्नी साईं शोभा यात्रा में शामिल हुई थी, जिससे पति बेहद नाराज था। इस बात को लेकर पति पत्नी के बीच विवाद हुआ था। इस लिए पति ने हत्या कर दी है। फिलहाल महिला की बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए IGIMS भेजा गया है। मृतक की पहचान प्रति कुमारी (19) के रूप में हुई है। उसकी साल 2024 में मसौढ़ी के अनतपुर के रहने वाले विजेंद्र कुमार से शादी हुई थी। चाची लखपति देवी ने बताया कि भतीजे अमन का छेका था। इसलिए विजेंद्र कुमार भी 4 रोज पहले ससुराल आया था। घर में मांगलिक कार्यक्रमों की तैयारी चल रही थी। शोभा यात्रा में डांस करने पर आक्रोश इसी बीच कल शाम में साईं शोभा यात्रा निकली। जिसमें प्रीति भी महिलाओं के साथ डांस करने चली गई। यहीं बात विजेंद्र को नागवार गुजरी। दोनों के बीच कहासुनी हुई।रात के समय खाना खाने के बाद सब सोने चले गए। रात में सिलबट्टे से मारकर गहने वगैरह पत्नी की लेकर फरार हो गया। रात में ही शोर शराब सुनकर हमलोग कमरे में गए तब तक बेटी दम तोड़ चुकी थी। एक महीने की बेटी है प्रति कुमारी को एक माह पहले ही बेटी हुई थी। बेटी होने से भी विजेंद्र नाराज था। प्रति की मां उर्मिला देवी ने बताया कि दहेज के लिए लगातार प्रताड़ित कर रहा था। रुपए की डिमांड कर रहा था। हमलोग आश्वास भी दे रहे थे। एक महीने पहले इसकी बेटी हुई थी। बेटी होने पर हॉस्पिटल से भाग गया था पति जब अस्पताल में मेरी बच्ची एडमिट हुई थी, उस वक्त भी मेरा दामाद बोल रहा था, बेटी होगी तो नहीं रखूंगा। यहां तक कि जब डिलीवरी होने वाली थी, तो अस्पताल में मेरी बेटी को छोड़कर फरार हो गया था। सारे खर्च हमलोग ने उठाए थे। मृतिका की मां उर्मिला देवी पटना नगर निगम में स्वीपर का काम करती हैं। होली में साले के साथ हुई थी लड़ाई अमन ने बताया कि पिछले साल होली में भी जीजा ने मेरे साथ विवाद किया था। मुझे मार पीटकर भाग गया था। उसका नेचर पहले से खराब था।

1799 पदों के लिए बिहार पुलिस एकभर्ती परीक्षा

पटना। बिहार पुलिस एसआई भर्ती परिखा के लिए सेंटर्स पर एग्जाम शुरू है। इसके लिए 3 लेयर्स में जांच कर कैंडिडेट्स को अंदर एंट्री दी गई है। पहली पाली के लिए 9.30 बजे एंट्री बंद कर दी गई। आज परीक्षा का आयोजन राज्य में बनाये गए 498 केंद्रों पर किया जा रहा है। यह परीक्षा राज्य के सभी 38 जिलों में बनाए गए कुल 498 परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न कराई जा रही है। इस भर्ती प्रक्रिया के जरिए बिहार पुलिस में लंबे समय से खाली पड़े सब-इंस्पेक्टर के पदों को भरा जाएगा।आयोग के अनुसार परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जा रही है। पहली पाली की परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी, जबकि दूसरी पाली दोपहर 2:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक चलेगी। परीक्षार्थियों को एडमिट कार्ड पर अंकित समय के अनुसार ही परीक्षा केंद्र पर रिपोर्ट करना अनिवार्य होगा। निर्धारित समय के बाद गेट बंद कर दिए जाएंगे और किसी भी अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं मिलेगा। इससे पहले 18 जनवरी को आयोजित परीक्षा में करीब 70 प्रतिशत अभ्यर्थियों की उपस्थिति दर्ज की गई थी। आयोग से मिली जानकारी के अनुसार, परीक्षा प्रक्रिया को निष्पक्ष और कदाचारमुक्त रखने के लिए सभी केंद्रों पर जैमर, सीसीटीवी निगरानी, बायोमेट्रिक फिंगरप्रिंट सत्यापन, फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी की व्यवस्था की गई थी। चूंकि अभ्यर्थियों की संख्या 10 लाख से अधिक है, इसलिए प्रारंभिक लिखित परीक्षा दो दिनों में आयोजित की जा रही है। परीक्षा शिफ्ट और रिपोर्टिंग समय पहली शिफ्ट की रिपोर्टिंग सुबह 8:30 बजे होगी और परीक्षा 10:00 बजे से 12:00 बजे तक चलेगी। वहीं दूसरी शिफ्ट की रिपोर्टिंग दोपहर 1:00 बजे होगी और परीक्षा 2:30 बजे से 4:30 बजे तक आयोजित की जाएगी। परीक्षार्थियों के लिए जरूरी निर्देश आयोग ने परीक्षार्थियों को एडमिट कार्ड के साथ वैध फोटो पहचान पत्र- आधार कार्ड, पैन कार्ड या वोटर आईडी-लाना अनिवार्य बताया है। मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ डिवाइस, कैलकुलेटर सहित किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट परीक्षा केंद्र में पूरी तरह प्रतिबंधित हैं। डटफशीट पर सभी विवरण सावधानीपूर्वक भरने के निर्देश दिए गए हैं, क्योंकि किसी भी गलती की स्थिति में उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम BPSSC ने परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए सभी केंद्रों पर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की है।

औरंगाबाद समेत कई शहरों में छाए बादल

गोपालगंज-बगहा में घना कोहरा, 5 से ज्यादा ट्रेनें लेट; जनवरी लास्ट में फिर बढ़ेगी ठंड

पटना। बिहार में उत्तर-पश्चिम दिशा से आने वाली ठंडी हवाएं कमजोर पड़ गई हैं, जिससे लोगों को ठंड से थोड़ी राहत मिली है। दिन में तेज धूप निकलने से अधिकतम तापमान बढ़ा है। हालांकि सुबह-शाम कनकनी बरकरार है। गोपालगंज और बगहा में सुबह-सुबह घना कोहरा देखने को मिला। लोग ठंड से बचने के लिए अलाव के पास बैठे दिखाई दिए। इधर कोहरे की वजह से लोगों को गाड़ियों की लाइट चालू कर के चलना पड़ रहा था। मौसम विभाग ने आज अररिया, पूर्णिया सहित 5 जिलों में कोहरे का यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में सुबह और रात के समय लोगों को ठंड ज्यादा महसूस होगी। सुबह-देर रात धुंध भी दिखेगी। कोहरे के चलते 5 ट्रेनें भी लेट चल रही हैं। औरंगाबाद समेत कई शहरों में सुबह से बादल छाए हुए हैं। अगले 24 घंटों में बिहार में रात का न्यूनतम तापमान 8 से 14 डिग्री के बीच रहने की संभावना है, जबकि दिन का अधिकतम तापमान 22 से 29 डिग्री के बीच रह सकता हैमौसम विभाग के मुताबिक, आने वाले दो दिनों में तापमान में 1 से 2 डिग्री की और गिरावट दर्ज की जा सकती है, जिससे सुबह और रात के समय हल्की ठंड बढ़ेगी। पटना समेत कई जिलों में बादल छाए रह सकते हैं। बीते 24 घंटे में 12 जिलों का तापमान 10 डिग्री से नीचे रहा है। कैमूर में 8.4 डिग्री, जमुई में 8.3 डिग्री, जहानाबाद में 8.2 डिग्री, अरवल में 9.1 डिग्री, जबकि लखीसराय में न्यूनतम तापमान 9.1 डिग्री दर्ज किया गया। पटना मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, अगले 7 दिनों तक राज्य का मौसम शुष्क रहेगा। बारिश की कोई संभावना नहीं है। आने वाले 2 दिनों तक सुबह में कोहरा छाए रहने की आशंका जताई गई है। खासकर उत्तर-पूर्वी और सीमावर्ती जिलों में असर रहेगा। मौसम विभाग का कहना है कि अगले दो से तीन दिनों में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हो सकती है। इससे दिन और रात के तापमान में इजाफा होगा। सर्दी का असर धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगेगा। राजधानी में अगले कुछ दिनों तक हल्की ठंड रहेगी। सुबह में हल्का कोहरा और ठंडी हवा चल सकती है। जबकि दिन में धूप निकलने से मौसम नॉर्मल रहेगा। पटना में न्यूनतम तापमान 10 से 13 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, अगर जनवरी के अंत या फरवरी की शुरूआत में नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होता है, तो बिहार में एक बार फिर ठंड बढ़ सकती है। हालांकि फिलहाल तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी के संकेत मिल रहे हैं। कुल मिलाकर, बिहार में अभी हल्की ठंड का दौर जारी है, लेकिन आने वाले दिनों में सर्दी का असर धीरे-धीरे कमजोर पड़ने की संभावना है। सुपौल के राघोपुर थाना क्षेत्र में घने कोहरा की वजह से कार-ऑटो में टक्कर हो गई। ऑटो चालक को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

औरंगाबाद में आसमान में बादल छाए हुए हैं। मंगलवार को भी दोपहर के बाद धूप निकली थी। आज भी पूरे दिन बादल छाए रहने की उम्मीद है। न्यूनतम और अधिकतम तापमान में दोगुने से भी अधिक का अंतर देखने को मिला है। मंगलवार को जिले का न्यूनतम तापमान 9 से 11 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस देखने को मिला। आज बुधवार को भी न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस है। समस्तीपुर में मौसम सामान्य। धूप निकली है। पिछले 24 घंटे के दौरान अधिकतम तापमान 24.8 और न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस रहा। बगहा में भी सुबह-सुबह घना कोहरा देखने को मिल रहा है। लोग गाड़ियों की लाइट चालू कर के सड़क पर चल रहे हैं। गोपालगंज में सुबह और शाम का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे हैं। सुबह-सुबह लोग अलाव के पास बैठकर हाथ तापते नजर आए।

गोपालगंज में सुबह-सुबह इतना कोहरा है कि गाड़ी की लाइट चालू कर के चलना पड़ रहा है। मौसम विभाग की माने तो दोपहर में अच्छी धूप निकलने की संभावना है। गोपालगंज में सुबह-सुबह ठंड महसूस हो रही है। कोहरे की वजह से लोगों को आने-जाने में भी परेशानी हो रही है।

संक्षिप्त डायरी

पटना में 2 हॉस्टल छात्रों में गोलीबारी, बमबाजी

पटना। के कृष्ण घाट पर मंगलवार देर रात दो हॉस्टल के छात्रों के बीच गोलीबारी और बमबारी हुई। यह घटना लड़की से छेड़छाड़ के विवाद को लेकर हुई, जिसमें दो छात्र घायल हो गए। पुलिस ने मौके से कारतूस और बम के सुतली बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार, कृष्ण घाट पर जंक्शन हॉस्टल और सीवी रमन हॉस्टल के छात्रों के बीच लड़की से छेड़छाड़ को लेकर विवाद शुरू हुआ। विवाद इतना बढ़ गया कि एक हॉस्टल के छात्रों ने दूसरे पर बम से हमला कर दिया। इस दौरान गोलीबारी भी की गई। घटनास्थल से एक जिंदा कारतूस और बम के कुछ साक्ष्य मिले घटना की सूचना मिलते ही पीरबहोर और सुल्तानगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल से एक जिंदा कारतूस और बम के कुछ साक्ष्य एकत्रित किए हैं। सुलतानगंज थाना के सब इंस्पेक्टर अखिलेश कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि कुछ गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की गई है।पुलिस ने एफएसएल टीम के माध्यम से मामले की जांच शुरू कर दी है और घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है, खासकर आगामी सरस्वती पूजा को देखते हुए छात्रों के बीच सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है।

बेतिया में सड़क सुरक्षा बाइक रैली निकाली गई

बेतिया। में सड़क दुर्घटनाओं को कम करने और आम नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मंगलवार को एक बाइक रैली निकाली गई। जिला प्रशासन द्वारा सड़क सुरक्षा माह के तहत आयोजित इस रैली को जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने समाहरणालय प्रांगण से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करके हम न केवल अपने जीवन को सुरक्षित रख सकते हैं, बल्कि दूसरों के जीवन की भी रक्षा कर सकते हैं।निर्धारित रूट चार्ट के अनुसार, बाइक रैली समाहरणालय से शुरू होकर हरिवाटिका, सुप्रिया रोड, छावनी, उत्तरवारी पोखरा, राजड्योढ़ी, सोवाबाबू चौक और पुराना बस स्टैंड होते हुए एम.जे.के. कॉलेज तक पहुंची। रैली में शामिल प्रतिभागियों ने हेलमेट पहनकर और यातायात नियमों का पालन करते हुए सड़क सुरक्षा से संबंधित संदेशों के माध्यम से आम लोगों को जागरूक किया। ट्रैफिक नियमों का पालन अत्यंत आवश्यक जिलाधिकारी ने जोर देकर कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए ट्रैफिक नियमों का पालन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि हेलमेट, सीट बेल्ट का उपयोग और गति सीमा का अनुपालन करके ही सुरक्षित यात्रा संभव है। उन्होंने दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों से इन नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी और नगर निगम बेतिया की नगर आयुक्त द्वारा बाइक चालकों के बीच हेलमेट का वितरण भी किया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि हेलमेट दुर्घटना के समय गंभीर चोटों से बचाव में सहायक होता है। बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित रहे जिलाधिकारी ने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि वाहन चलाते समय तेज गति से बचें, नशे की हालत में गाड़ी न चलाएं, मोबाइल फोन का प्रयोग करते हुए ड्राइविंग न करें और सड़क संकेतों का पालन अवश्य करें।इस अवसर पर उप विकास आयुक्त काजले वैभव नितिन, नगर आयुक्त शिवाक्षी दीक्षित, अपर समाहर्ता राजीव रंजन सिन्हा, जिला परिवहन पदाधिकारी रितु रानी सहित जिला परिवहन कार्यालय के अधिकारी-कर्मी और बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित रहे।

दरभंगा में मुस्लिम लड़की ने हिंदू प्रेमी से की शादी

दरभंगा। में हिंदू लड़के और मुस्लिम लड़की की शादी का मामला सामने आया है। 14 जनवरी को लड़की ससुराल आ गई। इसके बाद मोहल्ले के करीब 50 मुस्लिम लोग लड़के के घर पहुंचे। इसके बाद लड़की और लड़के के घर वालों के साथ जमकर मारपीट की। घटना सकतपुर थाना क्षेत्र के कुर्सो गांव की है। लड़के के परिजनों ने घटना की सूचना डायल 112 को दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले को शांत कराया। पीड़ित परिवार की शिकायत पर केस दर्ज किया गया, लेकिन अब तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। फिलहाल, लड़के और लड़की ने 16 जनवरी को कोर्ट मैरिज कर ली और दोनों पुलिस की सुरक्षा में अज्ञात स्थान पर हैं। लड़के की पहचान सोनू कुमार कामत (20) और लड़की की पहचान रूबी खातून (21) के रूप में हुई है। हिंदू लड़के और मुस्लिम लड़की की प्रेम कहानी क्या है, कैसे शुरू हुई, कब से अफेयर चल रहा था, 14 जनवरी को क्या हुआ था, किसने सोनू के परिवार से मारपीट की थीसोनू बीए पार्ट टू का स्टूडेंट है और वो पढ़ाई के लिए घर से करीब 20 किलोमीटर दूर बहेड़ी जाता था। लड़की बहेड़ी की ही है। वो भी कोचिंग और पढ़ाई के सिलसिले में घर से बाहर जाती थी। कॉलेज में ही एक साल पहले सोनू और रूबी की पहली मुलाकात हुई थी। दोनों के बीच जान पहचान हुई तो कॉलेज में बातचीत होने लगी। शुरूआती दिनों में दोनों एक-दूसरे के धर्म के बारे में नहीं जानते थे। इसके बाद सोनू और रूबी ने एक दूसरे को सोशल मीडिया पर फॉलो करना शुरू किया। दोनों इंस्टाग्राम पर बातचीत करने लगे। करीब छह महीने पहले रूबी और सोनू ने एक दूसरे से प्यार का इजहार किया और शादी का फैसला किया। छह महीने पहले रूबी और सोनू ने शादी का फैसला किया तो रूबी तुरंत प्रेमी के घर आ गई। हालांकि, तब लड़की के घरवाले मामले को पंचायत में ले गए। पंचायत में लड़के और लड़की ने शादी की इच्छा जताई। इसपर लड़की वालों ने भविष्य में दोनों की शादी कराने की बात कही और लड़की को लेकर घर चले गए। 14 जनवरी को रूबी ने कॉल कर प्रेमी सोनू को अलीनगर बुलाया। सोनू अलीनगर पहुंचा तो रूबी ने उसके घर चलने की जिद पकड़ ली। रूबी के कहने पर सोनू उसे लेकर अपने घर आ गया। यहां आने के बाद सोनू ने अपने परिजन को इसकी जानकारी दी। सोनू के पिता सुरेश कुमार कामत ने इसकी जानकारी सबसे पहले पंचायत के मुखिया और अन्य लोगों को दी। पंचायत ने तत्काल लड़की के परिजन से बातचीत की। इस दौरान लड़की की मां ने कॉल कर कहा कि घर में कोई पुरुष नहीं हैं।

हाई और लो ब्लड शुगर लेवल वाले डायबिटीज मरीजों के लिए औषधि से कम नहीं है यह पत्ता

अंजीर एक ऐसा फल है, जो स्वास्थ्य और सेहत दोनों के लिए लाभदायक होता है. वर्षों से यह फल बेहद स्वास्थ्यवर्धक सूखे मेवे के रूप में भी लोगों को खूब भाता रहा है. अंजीर को अंग्रेजी में फिग के नाम से भी जाना जाता है. अंजीर के फायदे तो हम सभी जानते हैं, इस फल को खाने से कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं. अंजीर की सबसे बड़ी खासियत यही है कि, यह ताजे फल से ज्यादा ये सूखे मेवे के रूप में ज्यादा पौष्टिक होता है.

अभी तक आपने अंजीर के कई फायदों के बारे में पढ़ा होगा या सुना होगा, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि अंजीर की पत्तियों के भी कई फायदे होते हैं.

डायबिटीज मरीजों के लिए वरदान

दरअसल, अंजीर के पत्तों में भरपूर मात्रा में एंटी-डायबिटिक गुण मौजूद होते हैं, जो ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल में रखने में मददगार साबित होते हैं. कई अध्ययनों से पता चला है कि यह हाइपरग्लेसेमिया और हाइपोग्लाइसीमिया दोनों स्थितियों में काम करता है और ग्लूकोज के लेवल को सामान्य बनाए रखने में दद करता है. स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि अंजीर की पत्तियों का जूस बनाकर सेवन करने से शरीर में इंसुलिन के लेवल को प्राकृतिक तरीके से नियंत्रण में रखा जा सकता है.

अंजीर के पत्तों के औषधीय गुण कब्ज की समस्या से राहत दिलाते हैं

अंजीर की तरह पत्तियों में भी पोटेशियम, सोडियम, फॉस्फोरिक एसिड, आयरन और विटामिन जैसे कई पोषक तत्व होते हैं. इसीलिए पत्तियों का काढ़ा, चाय, जूस, पाउडर के रूप में सूखी पत्तियों का उपयोग विभिन्न बीमारियों के इलाज में किया जा सकता है. सिर्फ अंजीर ही नहीं बल्कि पत्तियों से बना काढ़ा, जूस और चाय भी कई तरह से फायदेमंद होता है. नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित मधुमेह से पीड़ित चूहों पर किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि अंजीर की पत्ती के रस में हाइपोग्लाइसेमिक प्रभाव होता है.

इसका एक चम्मच छाछ में मिलाकर पिएं, आपका वजन और मोटापा कम हो जाएगा

अंजीर की पत्तियों को सुखाकर उसका पाउडर बनाया जा सकता है. आधा चम्मच चूर्ण एक कप पानी में मिलाकर चाय की तरह पियें. दोनों दृष्टिकोणों के अत्यधिक लाभ हैं. हड्डियां कमजोर होने पर अंजीर के पत्तों का सेवन करने से फायदा मिल सकता है. इन पत्तियों से बने पाउडर का सेवन करने से शरीर को पोटैशियम और कैल्शियम मिलता है और कई हड्डियां मजबूत होती हैं. इसके लिए अंजीर के पत्तों का पाउडर इस्तेमाल करना चाहिए.

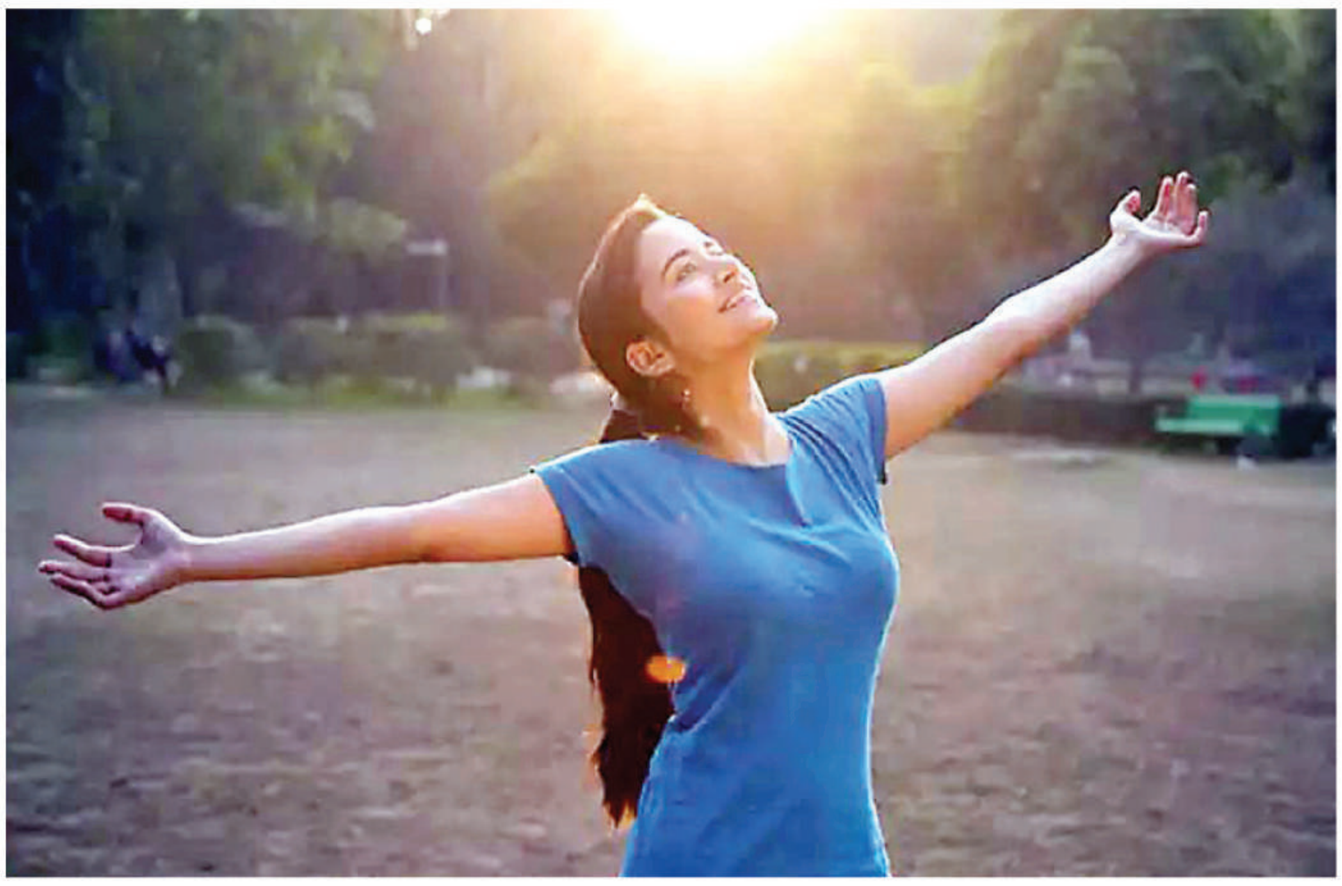

अपनी इन 5 अच्छी आदतों से करें अपने दिन की शुरुआत

बदल जायेगी ज़िन्दगी

इंटरनेट वजन घटाने और सेहतमंद रहने की जानकारी देने वाली सूचनाओं से अटा पड़ा है। कभी सोशल मीडिया पर वजन घटाने के नए-नए ट्रिक्स दिखने को मिलते हैं, तो कभी वजन घटाने और फिट हो जाने वाली सफलता की कहानियां देखकर या पढ़कर हम भौचक्क हो जाते हैं। पर, कई दफा ज्यादा जानकारी भी हमें पशोपेश में डाल देती है। यह सच है कि वजन को नियंत्रित रखने के लिए कैलोरी पर नजर रखना और शारीरिक रूप से सक्रिय रहना जरूरी है। पर, इन सबके साथ अपनी जीवनशैली में कुछ अच्छी आदतों को शामिल करके भी आप मोटापे के बढ़ते खतरे से खुद को बचा सकती हैं। सुबह की कौन-कौन सी आदतें वजन घटाने और फिट रहने में आपके लिए मददगार साबित हो सकती हैं,

गुनगुने पानी से शुरुआत

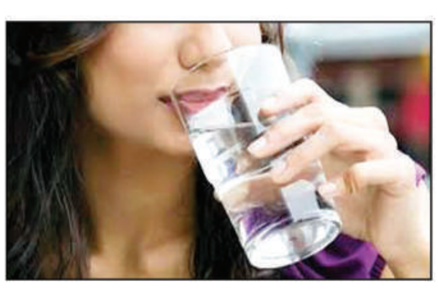

मोटापे की सबसे मुख्य वजह मेटाबॉलिज्म का धीमा होना है। अपने सुस्त पड़े मेटाबॉलिज्म को अगर आप दुरुस्त करना चाहती हैं, तो अपने सुबह की शुरुआत गुनगुने पानी से करें। सुबह उठने के बाद हर दिन एक से दो गिलास गुनगुना पानी पीने से मेटाबॉलिज्म धीमा नहीं पड़ता है। आयुर्वेद के मुताबिक गुनगुने पानी में नीबू का रस या फिर शहद मिलाकर पीने से मेटाबॉलिज्म और तेज होता है और वजन कम करने में मदद मिलती है।

व्यायाम से समझौता नहीं

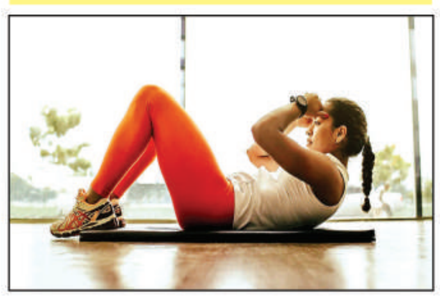

हर दिन कम-से-कम 25 से 30 मिनट का व्यायाम शरीर को सेहतमंद रखने के लिए बहुत ज्यादा जरूरी है। सुबह की शुरुआत हल्के-फुल्के व्यायाम के साथ करने से न सिर्फ शरीर का लचीलापन बरकरार रहता है बल्कि शरीर में सकारात्मक ऊर्जा में भी इजाफा होता है। योग, दौड़ना, स्ट्रेचिंग या फिर जिम में व्यायाम... अपनी फिटनेस को बरकरार रखने के लिए इनमें से कुछ भी चुन सकती हैं, बस इस बात का ध्यान रखें कि जो करें, उसे नियमित रूप से करें।

सूरज की रोशनी का असर

हम सब की जिंदगी का अधिकांश हिस्सा अब घर के भीतर, स्क्रीन के सामने बीतने लगा है। इसके लिए कुछ हमारा काम जिम्मेदार है, तो कुछ स्क्रीन की हमारी बढ़ती लत। पर, क्या आप जानती हैं कि सेहतमंद रहने की विटामिन-डी बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण है, जिसका सबसे बड़ा स्रोत सूरज की रोशनी है। सुबह के वक्त निकलने वाली सूरज की रोशनी विटामिन-डी के सबसे प्रभावी स्रोतों में से एक है। यह शरीर के साथ-साथ मन को भी सकारात्मक ऊर्जा से भर देता है। आप सुबह के वक्त पार्क में व्यायाम करते वक्त विटामिन-डी भी प्राप्त कर सकती हैं। खास बात यह है कि इन सबके साथ विटामिन-डी वजन घटाने में भी प्रभावी साबित होता है।

खाने की भी करें प्लानिंग

जो लोग हर दिन के अपने खाने की प्लानिंग करते हैं, वे ज्यादा मात्रा में पोषक तत्वों का सेवन कर पाते हैं। दरअसल, मेन्यू तय करके खाने से हम अपने पोषण के बारे में ज्यादा सतर्क रह पाते हैं। ऐसी स्थिति में सिर्फ पेट भरने की जगह पोषक तत्वों से भरपूर कम कैलोरी वाले खाद्य पदार्थों के सेवन को बढ़ावा मिलता है। ऐसी स्थिति में कैलोरी से भरपूर पैकेट बंद स्नैक्स पर हमारी निर्भरता कम होती चली जाती है, जिससे वजन बढ़ने का खतरा भी कम होता चला जाता है।

सुबह के नाश्ते से समझौता नहीं

अमूमन लोग सुबह का नाश्ता यह सोचकर नहीं करते हैं कि इससे उन्हें वजन घटाने में मदद मिलेगी। पर, सच्चाई यह है कि इसका न सिर्फ शरीर पर बल्कि वजन पर भी नकारात्मक असर पड़ता है। अपर्याप्त मात्रा में पोषण हमारे शरीर को भीतर से खोखला बना देता है। कई दफा लंबे समय तक भूखा रहने पर वजन कम होने की जगह बढ़ने लगता है। वहीं, लंबी अवधि तक भूखा रहने से ओवरईटिंग की आशंका भी बढ़ जाती है। लंबे समय तक भूखा रहने से शरीर में जरूरी पोषक तत्वों की कमी होने लगती है, जिसका संपूर्ण सेहत पर नकरात्मक असर पड़ता है।

शरीर में इन 5 जगहों पर दर्द होना

हार्ट अटैक का संकेत

वर्तमान समय में अचानक ही दिल के दौरे के मामलों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है. बड़ी संख्या में युवा भारतीयों में दिल का दौरा, कार्डियक अरेस्ट और अन्य हार्ट डिजीज चिंता का एक प्रमुख कारण बनता जा रहा है. कम उम्र (35-50 साल) के करीब 75 फीसदी आबादी को दिल का दौरा पड़ने का खतरा है. वास्तव में दिल का दौरा एक घातक चिकित्सा स्थिति है. विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया भर में हर साल 17.9 मिलियन लोगों की मृत्यु हृदय रोगों की वजह से होती है.

अध्ययन बताते हैं कि हर पांच में से 4 मौतें दिल के दौरे के कारण होती हैं, चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि दिल के दौरे हृदय की रक्त वाहिकाओं में ब्लड सर्कुलेशन में बाधा, रक्त वाहिकाओं में रुकावट, हृदय को ठीक से रक्त की आपूर्ति न हो पाना आदि के कारण होते हैं. वर्तमान समय में अव्यवस्थ?ित दिनचर्या, तनाव, गलत खान-पान, पर्यावरण प्रदूषण और अन्य कारणों के चलते हृदय की समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं. छोटी उम्र से लेकर बुजर्गों तक में हृदय से जुड़ी समस्याएं होना अब आम बात हो गई है.

ऐसे में आज इस खबर के माध्यम से जानते है कि दिल का दौरा पड़ने से पहले आपका शरीर क्या संकेत देता है. याद रखें कि यदि आपको बिना किसी स्पष्ट कारण के किसी भी हिस्से में दर्द या असुविधा महसूस होती है, तो यह दिल का दौरा पड़ने का संकेत हो सकता है. हालांकि, चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि अगर इन जगहों पर दर्द होता है तो इसे पेन किलर दवाओं से दबाना घातक हो सकता है...

सीने में दर्द या दबाव

दिल का दौरा पड़ने का सबसे आम लक्षण सीने में दर्द या दबाव है. यह दर्द अचानक से शुरू हो सकता है और कंटीन्यूअसली बना रह सकता है. यह दबाव छाती पर भारी बोझ जैसा महसूस होता है. कुछ में यह दर्द बहुत तेज होता है. तो कुछ में हल्का दबाव होता है. हालांकि, इसे कभी भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए.

कंधे, गर्दन या पीठ में दर्द

कंधे, गर्दन या पीठ में दर्द भी दिल का दौरा पड़ने का संकेत हो सकता है. खासतौर पर अगर यह दर्द सीने में दर्द के साथ हो तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए. यह दर्द एक जगह से दूसरी जगह तक फैलता है. कभी-कभी यह एक तरफ या दोनों तरफ भी महसूस हो सकता है.

बाएं हाथ में दर्द

विशेषकर बायीं बांह में दर्द दिल के दौरे का एक सामान्य लक्षण है. यह दर्द अचानक शुरू होता है और गंभीर होता है. कभी-कभी यह दर्द हल्का या परेशान करने वाला होता है, लेकिन अगर यह लंबे समय तक बना रहे तो इसे नजरअंदाज न करें.

जबड़े या दांत में दर्द

दिल के दौरे के लक्षणों में जबड़े या दांतों में दर्द भी शामिल हो सकता है. यह दर्द सिर्फ जबड़े में ही नहीं बल्कि गालों, ऊपरी हिस्से तक फैल जाता है. कभी-कभी यह केवल एक तरफ ही तेज होता है. इसे नजरअंदाज न करें.

अगर तेजी से बढ़ते मोटापे पर लगाना है लगाम तो इस्तेमाल करें नींबू का छिलका, हफ्ते भर में दिखेगा असर

बढ़ते वजन से आज लगभग हर दूसरा इंसान परेशान है। इससे छुटकारा पाने के लिए लोग तरह-तरह की होम रेमेडीज का इस्तेमाल करते हैं। इनमें एक चीज जो बहुत ही कॉमन है वो है लेमन यानी नींबू। नींबू का इस्तेमाल फैट लॉस के लिए बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। महज सुबह गर्म पानी में नींबू डाल कर पीने भर से ही बॉडी डिटॉक्स होती है, जो वेट लॉस में भी काफी मदद करता है। हालांकि नींबू का इस्तेमाल करने के बाद इसके छिलके हम आमतौर पर फेंक देते हैं। जबकि ये छिलके भी वजन घटाने में काफी ज्यादा फायदेमंद हो सकते हैं। तो चलिए आज वेट लॉस के लिए नींबू के छिलकों के इस्तेमाल के बारे में विस्तार से जानते हैं।

अब आपके मन में यह सवाल जरूर उठ रहा होगा कि भला नींबू का छिलका जिसे हम वेस्ट समझकर फेंक देते हैं, वो वेट लॉस में भला कैसे मदद कर सकता है। तो बता दें कि नींबू के छिलके में पेक्टिन नाम का फाइबर भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो आपके पेट को लंबे समय तक भरा हुआ रखता है। इसके अलावा इसमें पॉलीफेनोल्स भी पाए जाते हैं, जिन्हें फैट बर्निंग के लिए जाना जाता है। नींबू के छिलकों में भरपूर मात्रा में फाइबर, विटामिन सी, कैल्शियम, मैग्नीशियम और पोटैशियम जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो आपकी ओवरऑल हेल्थ को दुरुस्त रखने का काम करते हैं।

वजन घटाने के लिए ऐसे करें इनका इस्तेमाल

वजन कम करने के लिए आप कई तरह से नींबू के छिलकों का सेवन कर सकते हैं। पहला तरीका है कि आप नींबू के छिलकों की टेस्टी चाय को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। इसके लिए कुछ नींबू के छिलकों को पानी में उबालने के लिए रख दें। जब पानी आधा बचे तो इसमें शहद मिलाकर चाय की तरह पीएं। सुबह या शाम आप कभी भी इस चाय को पी सकते हैं। ये बॉडी को डिटॉक्स कर के फैट बर्निंग में हेल्प करेगी।

इसके अलावा आप नींबू के छिलकों को धूप में सूखा सकते हैं। अच्छे से ड्राई होने के बाद इनका एक फाइन पाउडर बना लें। अब गर्म पानी में एक चम्मच ड्राई लेमन पाउडर मिलाकर पानी को अच्छे से उबाल लें। इस तरह से भी आपकी एक फैट बर्निंग टी बनकर तैयार हो जाएगी। इसमें आप एक चम्मच शहद भी मिला सकते हैं। इससे स्वाद के साथ-साथ इसके फायदे भी दोगुने हो जाएंगे।फैट लॉस ड्रिंक के अलावा आप नींबू के छिलकों को ग्रेट कर के सब्जी, सलाद या सूप में डालकर खा सकती हैं। नींबू के छिलकों का पाउडर, काली मिर्च और नमक को मिलाकर एक पाउडर बना सकती हैं, जिसे किसी भी सलाद या फल पर स्प्रिंकल कर के खाया जा सकता है। इससे खाने का स्वाद भी बढ़ जाएगा और फैट लॉस में भी मदद मिलेगी।

दूसरे टी20 में भी जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी टीम इंडिया

रायपुर (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज के दूसरे मैच में भी जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी। पहले टी20 में मिली 48 रनों की जीत से भारतीय टीम इस सीरीज में पहले ही 1-0 से आगे है। अब उसका लक्ष्य अपनी बढ़त को 2-0 करना रहेगा। भारतीय टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज दोने ही लय में हैं जिसका लाभ उसे मिलेगा। पहले ही मैच में अभिषेक शर्मा और रिंकू सिंह ने आक्रामक बल्लेबाजी कर टीम को अच्छे स्कोर तक पहुंचाया था। वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी 32 रनों की अपनी पारी से लय हासिल कर ली है। भारतीय गेंदबाजों ने भी पहले मैच में कीवी टीम को 200 रनों के अंदर समेट कर अपनी टीम को आसानी से जीत दिला दी।

यहां के मैदान पर अब तक हुए एक टी20 मैच में भारतीय टीम जीत थी। ये मैच साल 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुआ था। तब भी सूर्यकुमार यादव ही कप्तान थे। उस मुकाबले में रिंकू सिंह और अक्षर पटेल ने अच्छा प्रदर्शन किया था। वहीं अब रिंकू से इस मैच में भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। अक्षर को पहले टी20 में अंगुली में चोट लग गयी थी। ऐसे में उनका इस मैच में खेलना संदिग्ध नजर आता है। रिंकू ने पहले टी20 में 20 गेंदों में नाबाद 44 रन की आक्रामक पारी खेली थी। दूसरे टी20 में भारतीय टीम की नजरें शीर्ष क्रम में संजू सैमसन और ईशान किशन के प्रदर्शन पर भी रहेंगी। पहले टी20 में ये दोनो ही विफल रहे थे। सैमसन हाल में अंतिम एकादश से अंदर बाहर होते रहे हैं पर अब अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए उन्हें अवसर मिलना तय है।

सैमसन भी अवसर मिलने पर बड़ा स्कोर बनाना चाहेंगे। इसके अलावा ईशान भी इस मैच में बड़ी पारी खेनना चाहेंगी।

कप्तान सूर्यकुमार भी इस मैच में बड़ी पारी खेलकर अपना मनोबल बढ़ाना चाहेंगे। पहले टी20 में उन्होंने 22 गेंदों में 32 रन बनाये थे। वहीं दूसरी ओर मेहमान टीम न्यूजीलैंड इस मैच में जीत दर्ज कर सीरीज में वापसी करना चाहेगी। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज इस मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेंगे। कीवी टीम की बल्लेबाजी डेवोन कॉनवे, ग्लेन फिलिप्स, माइकल ब्रैसवेल, रचिन रविंद्र और डैरिल मिचेल पर निर्भर करेगी जबकि गेंदबाजी जैकब डफी, मिशेल सैंटनर, काइल जैमीसन पर आधारित रहेगी।

टीम इस प्रकार है

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन, श्रेयस अय्यर, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, रिंकू सिंह, अर्शदीप सिंह, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा.

न्यूजीलैंड: मिचेल सैंटनर (कप्तान), डेवोन कॉनवे, बेवन जैकब्स, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम रॉबिन्सन, जिमी नीशम, ईश सोढ़ी, जैक फाउल्स, मार्क चैपमैन, माइकल ब्रैसवेल, रचिन रविंद्र, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, जैकब डफी.

सिंधू और लक्ष्य इंडोनेशिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

जकार्ता (एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन ने गुरुवार को यहां सीधे गेम में जीत हासिल करके इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। लक्ष्य ने हांगकांग के जेसन गुनावन को आधे घंटे से कुछ अधिक समय तक चले मुकाबले में 21-10 21-11 से हराया।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू ने अपने प्री-क्वार्टर फाइनल मैच में डेनमार्क की अपनी जानी-पहचानी प्रतिद्वंदी लाइन होजमार्क कजेरफेल्ड पर 21-19 21-18 से जीत दर्ज की। यह मैच 43 मिनट तक चला। डेनमार्क की खिलाड़ी के खिलाफ अब तक हुए छह मुकाबलों में सिंधू की यह पांचवीं जीत थी।

सिंधू का अगला मुकाबला टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व की नंबर चार खिलाड़ी चीन की चेन यू फेई से होगा। सिंधू और फेई अब तक 13 बार एक-दूसरे का सामना कर चुकी हैं। कुल रिकॉर्ड में फेई का पलड़ा 7-6 से थोड़ा भारी है। भारतीय खिलाड़ी ने आखिरी बार 2019 में फेई को हराया था और वह इस रिकॉर्ड को बेहतर करने के लिए उत्सुक होंगी।

टी20 विश्व कप से बॉयकॉट के बाद बंगलादेश के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल का बयान आया सामने

ढाका (एजेंसी)। बंगलादेश ने टी20 विश्व कप 2026 का बॉयकॉट करते हुए साफ तौर पर कहा है कि वह भारत में अपने टी20 विश्व कप मैच नहीं खेलेंगे। बंगलादेश ने यह भी कहा है कि वह टी20 विश्व कप खेलना चाहता है और उसके मैच श्रीलंका में कराए हैं। इसी बीच बंगलादेश सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने गुरुवार को कहा कि आईसीसी ने उन्हें भारत और श्रीलंका में होने वाले आगामी टी 20 विश्व कप में हिस्सा लेने के संबंध में उचित न्याय नहीं दिया।

कल, आईसीसी ने बंगलादेश की भारत से श्रीलंका में वेन्यू बदलने की अपील को खारिज कर दिया और इसके बजाय बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड को उनकी भागीदारी पर फैसला लेने के लिए 24 घंटे का समय दिया। आईसीसी ने स्कॉटलैंड को भी स्टैंडबाय पर रखा है, अगर बंगलादेश आखिरकार टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए भारत जाने को तैयार नहीं होता है। नजरुल, जिन्होंने राष्ट्रीय क्रिकेटरों के साथ बैठक की थी, ने पत्रकारों से कहा कि वे अपना रुख बदलने को तैयार नहीं हैं। आसिफ ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमें आईसीसी से न्याय नहीं मिला। हम वर्ल्ड कप खेलेंगे या नहीं, यह पूरी तरह से सरकार का फैसला है।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हाल के दिनों में भारत में ऐसा कुछ नहीं हुआ है जिससे यह लगे कि वहां (सुरक्षा के लिहाज से) चीजें बदल गई हैं। हमें उम्मीद है कि आईसीसी हमें न्याय देगा।'

बांग्लादेश ने टी20 विश्वकप क्रिकेट का बहिष्कार किया

सुरक्षा से समझौता नहीं कर सकते : बीसीबी

ढ़ाका (एजेंसी)। बांग्लादेश सरकार ने टी20 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट का बहिष्कार करने की घोषणा की है। बांग्लादेश सरकार के फैसले के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) टी20 विश्व कप से हट गयी है। है। बांग्लादेश ने ये फैसला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मैच स्थल भारत से बाहर रखे जाने की उसकी मांग खरिज करने के बाद लिया है। बीसीबी ने कहा है कि वर्तमान हालातों में वह अपनी टीम को सुरक्षा कारणों से भारत नहीं भेज सकता। बोर्ड के अनुसार खिलाड़ियों और अंतरिम सरकार के खेल सलाहकार के बीच हुई अहम बैठक के बाद विश्वकप से हटने का फैसला किया गया है। इससे पहले आईसीसी ने कहा था कि या तो बांग्लादेश खेलने के लिए तैयार हो या बाहर जाये।

इसके बाद एक बैठक में बीसीबी के वरिष्ठ अधिकारियों, राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों और अंतरिम सरकार के खेल सलाहकारों की बैठक हुई। इसमें आइसीसी के फैसले पर बात हुई। इसके बाद बीसीबी की ओर से कहा गया कि बांग्लादेश भारत में नहीं खेलने के अपने रुख पर बना हुआ है। साथ ही कहा कि मौजूदा हालातों में टीम भारत नहीं जाएगी, चाहे विश्कप से बाहर ही होना

पड़े। बैठक के बाद खेल सलाहकार आसिफ नज़रुल ने कहा कि आईसीसी ने बांग्लादेश के साथ न्याय नहीं किया है। उन्होंने कहा कि यह मामला सिर्फ क्रिकेट कार्यक्रम या टूर्नामेंट प्रतिबद्धताओं तक सीमित नहीं है। साथ ही कहा कि , खिलाड़ियों की सुरक्षा सबसे ऊपर अै। इससे किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जा सकता। नज़रुल ने यह भी साफ किया कि बांग्लादेश दबाव में झुकने वाला नहीं है।

वहीं इससे पहले गत दिवस आईसीसी ने बीसीबी की आयोजन स्थल बदलने की मांग ठुकरा दी है। साथ ही कहा था कि टी20 विश्वकप का कार्यक्रम तय हो गया है और इसमें अंतिम समय पर बदलाव नहीं किया जा सकता है। वहीं बीसीबी ने कहा कि उसकी सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं पर आईसीसी ने ध्यान नहीं दिया। । इसी वजह से बोर्ड ने अपना रुख बदलने से इनकार कर दिया है। बीसीबी ने कहा था कि उसके मैच श्रीलंका में रख दिये जायें।

बीसीबी अधिकारियों का कहना है कि यह मांग किसी राजनीतिक एजेंडे से प्रेरित नहीं है, बल्कि खिलाड़ियों की सुरक्षा और मानसिक शांति को ध्यान में रखकर की गई है। वहीं आईसीसी इससे सहमत नहीं दिखी।

बीसीबी ने कहा कि टीम के कई सदस्यों ने भारत जाने को लेकर असहजता जताई है। बोर्ड ने माना कि टूर्नामेंट से बाहर होने से उसे आर्थिक नुकसान होगा पर इसके लिए सुरक्षा को खतरे में नहीं डाला जा सकता।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : जोकोविच ने मास्ट्रेली को हराकर तीसरे राउंड में बनाई जगह

मेलबर्न : सर्बिया के दिग्गज नोवाक जोकोविच ने गुरुवार को इटली के फ्रांसेस्को मास्ट्रेली को सीधे सेटों में हराकर 2026 ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे राउंड में जगह बनाई। आज यहां रॉड लेवर एरिना में खेले गये मुकाबले में सर्बियाई चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी जोकोविच को एकल में 6-3, 6-2, 6-2 से जीत हासिल करने में कोई परेशानी नहीं हुई। उन्होंने पहले सेट में 3-0 की बढ़त बनाकर कोर्ट पर अपना दबदबा बनाया। मास्ट्रेली ने कुछ प्रतिरोध दिखाया, कई ब्रेक पॉइंट बचाए और शक्तिशाली सर्व और तीन ऐस लगाकर जोकोविच को सेट के लिए सर्व करने पर मजबूर किया। दूसरे सेट में भी पैटर्न वैसा ही रहा, जोकोविच ने 3-2 के बाद बढ़त बनाई और 6-2 से सेट जीत लिया। तीसरे सेट में जोकोविच ने मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली, एक तनावपूर्ण पांचवें गेम में सर्व ब्रेक करके 4-1 से आगे हो गए। मास्ट्रेली ने देर से वापसी की कोशिश किया, लेकिन जोकोविच की सटीकता और निरंतरता निर्णायक साबित हुई, क्योंकि उन्होंने इतालवी खिलाड़ी की गलतियों का फायदा उठाकर जीत पूरी की। जोकोविच ने एक अनजान विरोधी के बारे में कहा, 'आजकल मेरे साथ ऐसा अक्सर होता है। फिर भी, सम्मान हमेशा रहता है और मैं किसी को कम नहीं आंकता। उसके पास एक बड़ी सर्व है और बड़े स्टेज पर उसके पास अभी भी अनुभव की कमी है, लेकिन उसके पास गेम है जिससे वह बहुत आगे जा सकता है और रैंकिंग में ऊपर जा सकता है, इसलिए मैं उसे इसके लिए शुभकामनाएं देता हूं।' जोकोविच तीसरे राउंड में नीदरलैंड के बोटिक वैन डी जैड्सचल्प से भिड़ेंगे।

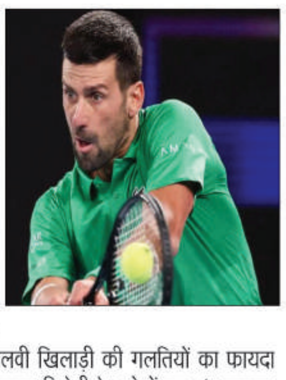

टी20 विश्वकप पर हैं नजरें : हरमनप्रीत

त्रिवेंद्रम । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि अब उनकी टीम का लक्ष्य 2026 टी20 विश्वकप जीतना है। हरमनप्रीत की कप्तानी में एकदिवसीय विश्वकप जीतने के बाद से ही टीम के हौंसले बुलंद हैं। इसके बाद श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में भी टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा है और उसने सीरीज जीती। हरमनप्रीत ने साफ किया कि श्रीलंका के खिलाफ इस सीरीज के प्रदर्शन से आने वाले टी20 विश्वकप के लिए टीम को अभ्यास का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि टीम ने श्रीलंका के खिलाफ अधिक आक्रामक रवैया अपनाया है। ताकि एक प्रयोग किया जा सके। हरमनप्रीत ने कहा, एकदिवसीय विश्वकप जीतने के बाद हमने तय किया था कि टी20 क्रिकेट में अपने स्तर को और आगे ले जाना है। इसी कारण आक्रामक रुख अपनाया गया है। विश्व कप में जीत के लिए आक्रामक तरीके से खेलना बहुत जरूरी होता है। इसी को देखते हुए अभ्यास के तौर पर इस सीरीज में टीम आक्रामक रही। हरमनप्रीत ने कहा कि भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंका के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया है। साथ ही कहा कि इससे भारतीय टीम की गेंदबाजी ताकत उभरकर सामने आयी है। टी20 प्रारुप में गेंदबाजों की भूमिका बेहद अहम होती है। इसमें विरोधी टीम को छोटे स्कोर पर रोकना होता है जिसमें भारतीय गेंदबाज सफल रहे हैं।

शमी ने अब भी वापसी की नहीं छोड़ी उम्मीद, जमकर कर रहे अभ्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले काफी समय से भारतीय क्रिकेट टीम के बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के भविष्य पर सवाल उठ रहे हैं। 35 साल के शमी ने हाल ही में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर अपना फार्म और फिटनेस साबित की थी। इसके बाद भी उन्हें न्यूजीलैड के खिलाफ एकदिवसीय ओर टी20 सीरीज के शामिल नहीं किया गया। वहीं शमी ने कहा कि वह अभ्यास कर रहे हैं जो उनकी हाथ में है। साथ ही कहा कि उनका काम मेहनत करना है बाकि सब ऊपर वाले के हाथ में है। इससे अंदाजा होता है कि वह निराश नहीं है और टीम में वापस को लेकर सकारात्मक रुख रख रहे हैं।

शमी ने अंतिम बार भारतीय टीम की ओर से पिछले साल मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी में खेला था। इस टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था पर उसके बाद वह चोटिल होने के कारण टीम के बाहर हो गये थे। इस दौरान वह सर्जरी से भी गुजरे। इसके

बाद से ही वह टीम में जगह का इंतजार करते रहे हैं। टीम से बाहर होने के बाद शमी ने अपनी फिटनेस पर भी काफी काम किया पर इसके बावजूद चयनकर्ताओं ने उनकी अनदेखी की। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने यहां तक कह दिया कि उन्हें शमी की फिटनेस के बारे में जानकारी नहीं है। शमी ने घरेलू क्रिकेट में बंगाल के लिए पहले रणजी ट्रॉफी और उसके बाद सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और फिर विजय हजारे ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन कर अपना फार्म और फिटनेस साबित की है। इसके बाद भी उन्हें पहले इंग्लैंड फिर दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए शामिल नहीं किया गया। ऐसे में लगातार अपनी उपेक्षा से निराश शमी ने कहा कि वह अभ्यास कर रहे हैं जो उनकी हाथ में है। साथ ही कहा कि उनका काम मेहनत करना है बाकि सब ऊपर वाले के हाथ में है।

शमी के जज्बे से लगता है कि उन्होंने अभी वापसी की उम्मीद नहीं छोड़ी है। वह घरेलू क्रिकेट में लगातार गेंदबाजी कर रहे हैं। वह अपनी फिटनेस को भी बनाये रखने पर ध्यान दे रहे हैं। पिछले साल जब अगरकर ने शमी की फिटेनस पर टिप्पणी की थी तो उन्होंने कहा था कि अगर वह 50 ओवर के मैच में 10 ओवर डाल रहे हैं तो टेस्ट में भी गेंदबाजी कर सकते हैं। वहीं माना जा रहा है कि टीम प्रबंधन अब उन्हें अपनी योजनाओं का हिस्सा नहीं मानना है, इसी लिए चयनकर्ता उनसे आगे बढ़ गये हैं। नये तेज गेंदबाजों के आने से भी शमी की मुश्किलें बढ़ी हैं। टीम प्रबंधन अब 2027 विश्वकप को देखते हुए टीम बना रहा है और अधिक उम्र के कारण इसके लिए शमी फिट नहीं हैं।

रोहित और विराट से मतभेद की खबरें आधारहीन : गंभीर

वडोदरा । भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा से उनके मतभेदों को लेकर जो बातें मीडिया में आती रही हैं। वे अधार हीन हैं। गंभीर ने कहा कि इस प्रकार की रिपोर्ट जब वह पड़ते हैं तो उन्हें हंसी आ जाती है। पिछले साल जब भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई थी तब एकदिवसीय सीरीज के दौरान ऐसी खबरें आईं कि विराट और गंभीर के बीच बातचीत नहीं है। वहीं रोहित के साथ बातचीत तो बंद नहीं है पर दोनो के संबंध ठीक नहीं हैं। ये भी कहा जा रहा है कि रोहित और विराट के टेस्ट से संन्यास के पीछे भी गंभीर जिम्मेदार हैं। इसके अलावा अब वह इन्हें एकदिवसीय से भी बाहर करना चाहते हैं। इस प्रकार की बातों को गंभीर ने गलत बताया है। गंभीर ने सोशल मीडिया में लिखा है, कोच के जिस असीमित अधिकार की बातें की जा रही हैं उसमें भी कोई सच्चाई नहीं है। तब तक तो मुझे इस पर हंसी आ रही है कि मुझे अपनों के खिलाफ ही खड़ा किया जा रहा है जबकि वे बेस्ट हैं। गंभीर जब से टीम इंडिया के कोच बने हैं तब से भारतीय टीम का टेस्ट में प्रदर्शन खराब हुआ है। इसके बाद भारतीय टीम को घरेलू धरती पर भी हार का सामना करना पड़ा है। पहले उसे न्यूजीलैंड ने क्लीन स्वीप किया और फिर दक्षिण अफ्रीका ने हराया। इसके बाद से ही उन्हें हटाने की भी मांग उठाती रही है। इसके अलाव कई पूर्व क्रिकेटरो ने भी हर प्रारुप में अलग-अलग कोच की मांग की है।

चैंपियंस लीग : केन के दो गोल से बायर्न म्यूनिख ने मेंरॉयल यूनियन सेंट-गिलोइस को हराया

बर्लिन । आखिरी 30 मिनट 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही बायर्न म्यूनिख ने हैरी केन ने दूसरे हाफ में किए गए दो गोल की बदौलत रॉयल यूनियन सेंट-गिलोइस पर 2-0 से जीत हासिल दर्ज की। बुधवार को खेले गये मुकाबले में बायर्न ने अच्छी शुरुआत की और दूसरे ही मिनट में बढ़त बनाने के करीब पहुंच गया जब लुइस डियाज एरिया में घुसे और केन को पास दिया, लेकिन यूनियन के गोलकीपर केजेल शेर्पेन ने शानदार बचाव किया। दोनों टीमें कई प्रयासों के बावजूद पहले हाफ में गोल करने में विफल रहीं। ब्रेक के बाद बायर्न के लिए केन ने 52वें मिनट में हेडर से गोल किया और तीन मिनट बाद उसने पेनल्टी को गोल में बदलकर बढ़त को दोगुना कर दिया। बायर्न का कंट्रोल तब मुश्किल में पड़ गया जब 63वें मिनट में किम मिन-जे को दूसरा पीला कार्ड मिलने पर बाहर भेज दिया गया। यूनियन ने आगे बढ़ने का प्रयास करते हुए मौके बनाने के लिए संघर्ष किया, जबकि बायर्न ने जवाबी हमला किया। केन लगभग हैट्रिक पूरी करने ही वाला था, लेकिन उसने देर से मिली पेनल्टी को क्रॉसबार पर मार दिया। इस जीत से बायर्न चैंपियंस लीग लीग-फेज टेबल में दूसरे स्थान पर पहुंच गया और टॉप-आठ में जगह पक्की कर ली, जिससे आखिरी 16 के लिए क्वालिफिकेशन पक्का हो गया।

अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स ने रांची रॉयल्स को शूटआउट में हराकर हासिल किया बोनस अंक

भुवनेश्वर : अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स और रांची रॉयल्स के बीच पुरुष हीरो हॉकी इंडिया लीग (।ह्लरु) में एक रोमांचक मुकाबले के निर्धारित में 3-3 से ड्रॉ रहने के बाद ड्रैगन्स ने नाटकीय शूटआउट में 4-2 से हरा दिया। ड्रैगन्स ने शूटआउट में जीत से बोनस अंक हासिल मिला। जबकि रॉयल्स ने पॉइंट्स टेबल में दूसरा स्थान हासिल करने के लिए काफी अच्छा प्रदर्शन किया, जिससे शुक्रवार को कलिंगा लांसर्स के खिलाफ एक ब्लॉकबस्टर क्वालीफायर 1 मुकाबला तय हो गया। हैदराबाद तूफान ने भी प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर ली है, जबकि जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब को एचआईएल जीसी से आगे चौथे प्लेऑफ स्थान को पक्का करने के लिए कल एसजी पाइपर्स के खिलाफ मुकाबले में सात गोल के अंतर से जीतना होगा। टॉम बून ने रॉयल्स के लिए दो बार गोल किया (9', 35'), पहले मिनट में मनदीप सिंह (1') के शुरुआती गोल का साथ दिया। ड्रैगन्स ने ब्लेक गोवर्स (24', 53') के दो गोल और कार्थी सेल्वम (32') के एक गोल से वापसी की। शूटआउट के दौरान, नाथन एफाम्स, ब्लेक गोवर्स, उत्तम सिंह और टॉम क्रेग ने ड्रैगन्स के लिए अपने मौके भुनाए।

अभिषेक शर्मा ने पहला टी20आई जीतने के बाद किया रणनीति का खुलासा

नागपुर (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के विरुद्ध पहले टी-20 मैच में 35 गेंदों में 84 रनों की विस्फोटक पारी खेलने वाले भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने कहा कि उन्हें अपने कुछ चुनिंदा शॉट्स पर ही पूरा भरोसा हैं। मैच के बाद अपनी रणनीति को लेकर अभिषेक ने कहा, 'जब आप विपक्षी गेंदबाजो के वीडियो खंगालते हैं या अपनी बल्लेबाजी का विश्लेषण करते हैं, तो आपको अंदाजा हो जाता है कि सामने वाली टीम क्या रणनीति बनाए और मुझे अपने रन कहां बनाने हैं। सच कहूं तो मैं अपने गिने-चुने शॉट्स पर ही यकीन करता हूं क्योंकि मेरे पास वैरायटी बहुत अधिक नहीं है। बस कुछ खास स्ट्रोक्स हैं जिनकी मैं जी-तोड़ अभ्यास करता हूं और मैदान पर उन्हें ही आजमाता हूं।'

उन्होंने अपनी तकनीक को लेकर कहा, 'मैं अधिकतर पावर हिटिंग का प्रयास नहीं करता क्योंकि मुझमें वैसी शारीरिक ताकत नहीं है। मेरी बल्लेबाजी मुख्य रूप से टाइमिंग के भरोसे चलती है। मेरे लिए सबसे अहम यह है कि मैं गेंद की लाइन पर नजर रखूं और माहौल को समझूं। चूंकि हम फिलहाल पूरे भारत में अलग-अलग जगहों पर खेल रहे हैं, तो परिस्थितियों के साथ तालमेल बिठाना बेहद आवश्यक हो जाता है। इसके लिए मैं मैच से पूर्व या नेट अभ्यास के दौरान ही अपनी रणनीति तैयार कर लेता हूं। विपक्षी गेंदबाजी की अपनी योजना होती है, इसलिए मेरे जेहन में हमेशा यह रहता है कि मैं अपने खेल और अपनी तैयारी पर पूरा भरोसा रखूं।'

सलामी बल्लेबाज ने अपनी शैली पर कहा, 'मैं इसे जोखिम भरा खेल नहीं मानता। हालांकि इसे 'कम्फर्ट जोन' कहना पूरी तरह सही नहीं होगा, लेकिन मेरा लक्ष्य हमेशा टीम को मजबूत शुरुआत दिलाना होता है। शुरुआती 6 ओवरों का लाभ उठाना बेहद अहम है और मैं नेट्स पर भी इसी की तैयारी करता हूं। मेरे जेहन में यह बात स्पष्ट रहती है कि विपक्षी टीम के मुख्य गेंदबाज ही पारी के शुरुआती ओवर फेंकते हैं। अगर मैं पहले तीन-चार ओवरों में उन पर हावी हो जाऊं, तो मैच पर हमारी पकड़ मजबूत हो जाती है।'

उन्होंने कहा, 'मैंने एक चीज सीखी है कि यदि आप हर गेंद पर प्रहार करना चाहते हैं या 200 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी का इरादा रखते हैं, तो वैसी ही मानसिकता और कड़ा अभ्यास जरूरी है। हर टीम मेरे लिए अलग रणनीति तैयार है। अब मुझे समझ आता है कि यह केवल क्षेत्ररक्षण सेटिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि पिच और गेंदबाजी के तरीके पर भी निर्भर करता है। इसलिए मैच से पहले की गई मेरी तैयारी सबसे ज्यादा मायने रखती है। इस सीरीज के शुरू होने से पहले मेरे पास

एक सप्ताह का समय था। मैं जानता था कि न्यूजीलैंड के गेंदबाज मुझे मुश्किल में डालने की कोशिश करेंगे, लेकिन मुझे अपनी नैचुरल गेम और अपनी मेहनत पर पूरा भरोसा है।'

पत्नी से मिलने पहुंचा 9 साल से फरार हत्या का आरोपी यूपी से गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक 9 साल के लंबे समय से फरार हत्या के आरोपी को उत्तर प्रदेश के आगरा जिले के रिछोहा गांव से गिरफ्तार किया है। यह मामला दिल्ली के कंझावला इलाके का है, जहां साल 2016 के अंत में नए साल की पूर्व संध्या पर विवाद ने एक जान ले ली थी। जानकारी के मुताबिक मोविन खान और मृतक मलखान दोनों ही कंझावला के लेबर चौक पर दिहाड़ी मजदूर थे। दिसंबर 2016 में दोनों के बीच 400 रुपए और मोबाइल फोन को लेकर विवाद हो गया था। नए साल की रात को मोविन मलखान से मिला। उस समय ज्यादातर साथी न्यू ईयर मना रहे थे और मलखान नशे में था। गुस्साए मोविन ने मलखान का गला रेत दिया और शव को सावदा गांव के खेत में फेंक दिया। कुछ घंटों बाद मलखान गंभीर हालत में मिला था जिसकी बाद में अस्पताल में मौत हो गई। हत्या के तुरंत बाद मोविन दिल्ली से फरार हो गया। वह लगातार जगह बदलता रहा और बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में छिपता रहा। कोर्ट ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया था और पुलिस ने उसके खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल कर दी थी। वह अपने परिवार से भी कम ही संपर्क करता था। पिछले पांच महीनों से क्राइम ब्रांच की टीम चार राज्यों में उसकी तलाश में जुटी थी। डीसीपी (क्राइम) ने बताया कि टीम ने हार नहीं मानी और समन्वय के साथ छापेमारी की। पिछले हफ्ते पुलिस को सूचना मिली कि मोविन आगरा से अपनी पत्नी से संपर्क करने की कोशिश कर रहा है। टीम ने तुरंत कार्रवाई की और उसे गिरफ्तार कर लिया।

अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल के पास निहंगों ने महंत की कर दी पिटाई

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल की हेरिटेज स्ट्रीट (विरासती मार्ग) पर निहंगों ने जबरन रुपए मांग रहे महंतों की पिटाई कर दी है। निहंगों ने डंडों से उन्हें पीटकर भगाया। निहंगों के विरोध को देखकर महंत भी वहां से दौड़ते हुए नजर आए। निहंगों के एक्शन के बाद कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण बन गया लेकिन यहां आए श्रद्धालुओं और दुकानदारों के सपोर्ट की वजह से महंत निहंगों का विरोध नहीं कर पाए। निहंगों के महंतों को हेरिटेज स्ट्रीट से दौड़ाने के वीडियो सामने आए हैं। निहंगों का कहना है कि उन्हें श्रद्धालुओं की और से सोशल मीडिया पर लगातार शिकायत मिल रही थी कि उन्हें परेशान किया जा रहा है। जिसके बाद वे मंगलवार रात वहां पहुंचे। वहां देखा कि महंत जबरन लोगों की जेब से रुपए निकालने तक के लिए जा रहे हैं। जिसके बाद निहंग एक्शन में आ गए। कुछ निहंग हेरिटेज स्ट्रीट पर जा रहे हैं। इस दौरान वह वहां घूम रहे महंतों पर नजर रख रहे हैं। इस दौरान एक महंत लोगों से रुपए मांगते हुए दिखता है। इस पर निहंग मंहत को घेर लेता हैं। इसके बाद निहंग डंडों से उसकी पिटाई करते हैं। वह महंत को कहते हैं कि कितनी बार तुम्हें कहा है, जाकर अपना काम करो। इसके बाद निहंग पीट-पीटकर महंत को दौड़ा देते हैं। निहंग कहते हैं कि इन्होंने गंद डाल रखा है। इसके बाद महंत दौड़ते हुए नजर आता है। महंतों को दौड़ाने के बाद श्रद्धालु हाथ जोड़कर निहंगों का धन्यवाद करते हुए भी नजर आते हैं।

1.5 करोड़ रुपये की घूसखोरी के मामले में डिप्टी कमिश्नर प्रभा से सीबीआई की पूछताछ

लखनऊ (एजेंसी)। सीबीआई ने 1.5 करोड़ रुपये की घूसखोरी के मामले में झांसी के सीजीएसटी कार्यालय में तैनात रही डिप्टी कमिश्नर प्रभा भंडारी सहित अन्य आरोपितों से पूछताछ की। करीब आठ घंटे की पूछताछ में डिप्टी कमिश्नर खुद को निर्दोष बताया। वहीं, दो अन्य आरोपितों से भी सीबीआई अधिकारियों ने पूछताछ की, लेकिन उन्होंने मुंह नहीं खोला। डिप्टी कमिश्नर को सीबीआई की विशेष अदालत ने एक दिन के कस्टडी रिमांड पर सीबीआई को सौंपा था, जबकि दो अन्य आरोपितों का तीन दिन का रिमांड है। दरअसल जांच एजेंसी सीबीआई ने घूसखोरी के आरोप में बीती 31 दिसंबर को झांसी में छापेमारी कर डिप्टी कमिश्नर सहित जीसीएसटी के दो कर्मचारियों और एक वकील सहित दो अन्य लोगों को गिरफ्तार किया था। इनके ठिकानों से 70 लाख रुपये के अलावा संपत्तियों के दस्तावेज और ज्वैलरी बरामद हुई थी। इसके बाद सीबीआई की टीम तीनों आरोपितों को पूछताछ के लिए जेल से अपने कार्यालय आई थी। डिप्टी कमिश्नर ने सीबीआई अधिकारियों से कहा कि उन्हें घूस लेकर गिरफ्तार नहीं किया गया है, इसलिए इस मामले में उनकी कोई संलिप्तता नहीं है। हालांकि, सीबीआई ने जब उन्हें फोन काल का रिकार्ड दिखाया और व्हाट्सएप पर अन्य आरोपितों के साथ की गई चैट दिखाई तब वह कुछ नहीं बोल सकी। पूछताछ के बाद उन्हें शाम को जेल भेज दिया गया है, जबकि अनिल तिवारी व अजय शर्मा से कुछ देर ही पूछताछ की गई। दोनों आरोपितों से गुरुवार को भी पूछताछ की जाएगी।

जब पति-पत्नी अलग होने को तैयार, तो कोर्ट उसमें तकनीकी अड़चनें नहीं डाले

-राजस्थान हाईकोर्ट ने तलाक को लेकर सुनाया फैसला, फैमिली कोर्ट का आदेश किया रद्द

जोधपुर (एजेंसी)। राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर मुख्यपीठ ने मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत आपसी सहमति से होने वाले तलाक को लेकर फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के रवैये पर तल्खी जाहिर करते हुए कहा कि जब पति-पत्नी दोनों अलग होने के लिए तैयार हैं, तो कोर्ट को उसमें तकनीकी अड़चनें नहीं डालनी चाहिए। जस्टिस अरुण मोंगा और जस्टिस योगेंद्र कुमार पुरोहित की डिवीजन बेंच ने मेड़ता फैमिली कोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया। इस आदेश में एक मुस्लिम दंपती के तलाक को मंजूरी देने से इनकार कर दिया गया था। कोर्ट ने अपने फैसले की शुरुआत ही पुरानी कहावत को उल्टे रूप से करते हुए लिखा- यह मामला ऐसा है जहां मियां-बीवी राजी, नहीं मान रहा काजी वाली स्थिति बन गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मामला पाली निवासी आयशा चौहान और वसीम खान से जुड़ा है। दोनों का निकाह 27 फरवरी 2022 को मुस्लिम रीति-रिवाज से हुआ था। शादी के बाद विचारों में मतभेद के चलते वे साथ रहने को तैयार नहीं थे। इसके बाद पति ने शरीयत के मुताबिक तीन अलग-अलग तुहर में 8 जून, 8 जुलाई और 8 अगस्त 2024 को तीन बार तलाक बोला। इसके बाद दोनों ने 20 अगस्त 2024 को 500 रुपए के स्टाम्प पेपर पर आपसी सहमति से तलाकनामा लिखा। इसी समझौते के आधार पर उन्होंने फैमिली कोर्ट, मेड़ता में तलाक घोषित करने की अर्जी लगाई, लेकिन 3 अप्रैल 2025 को फैमिली कोर्ट ने अर्जी खारिज कर दी। हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान पाया कि फैमिली कोर्ट ने अर्जी खारिज करने के लिए गलत आधार चुना।

भारत पर्व में झारखंड की झांकी प्रस्तुत करेगी राज्य की हरियाली, वन्यजीव और आदिवासी संस्कृति

▸ भारत पर्व 2026 में झारखंड की झांकी उजागर करेगी इको-टूरिज्म और साहसिक पर्यटन

एजेंसी

नई दिल्ली : गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर लाल किले में आयोजित होने वाले भारत पर्व 2026 में झारखंड की झांकी इस बार दर्शकों के लिए सबसे बड़ी आकर्षण का केंद्र बनेगी। राज्य की झांकी के माध्यम से झारखंड की समृद्ध प्राकृतिक विरासत, बहुमूल्य जैव विविधता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता प्रभावशाली ढंग से प्रदर्शित की जाएगी। इस वर्ष झांकी की थीम स्वतंत्रता का मंत्र : वंदे मातरम और विकसित भारत रखी गई है, जो प्रकृति और राष्ट्रभक्ति के गहरे संबंध को उजागर करेगी। झांकी में झारखंड के प्रसिद्ध दसम जलप्रपात, वन्यजीव और इको-टूरिज्म को प्रमुखता से दर्शाया जाएगा। एशियाई हाथी और नीलगाय जैसे वन्यजीव राज्य की जैव विविधता और संरक्षण प्रयासों के प्रतीक बनेंगे। यह झांकी झारखंड की हरियाली, जलस्रोतों की प्रचुरता और आदिवासी समाज के प्रकृति से जुड़े जीवन को दर्शकों के सामने सशक्त रूप से प्रस्तुत करेगी।

भारत पर्व 2026 का आयोजन लाल किला प्रांगण में 26 जनवरी से 31 जनवरी तक किया जाएगा। इस दौरान झारखंड सहित देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की झांकियां भारत की सांस्कृतिक विविधता, प्राकृतिक धरोहर और विकास यात्रा को प्रदर्शित करेंगी। झारखंड की झांकी राज्य को सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति-आधारित पर्यटन के अग्रणी उदाहरण के रूप में पेश करेगी। यह उल्लेखनीय है कि भारत पर्व का आयोजन हर वर्ष पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर किया जाता है। यह कार्यक्रम 26 जनवरी से 31 जनवरी तक प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से रात 9 बजे तक आम जनता के लिए निःशुल्क खुला रहेगा। भारत पर्व में दर्शक न केवल गणतंत्र दिवस परेड में शामिल विभिन्न राज्यों की झांकियों का आनंद लेंगे, बल्कि फूड वेंडर्स के माध्यम से देश के विभिन्न राज्यों के पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद भी उठा पाएंगे।

सिख विरोधी दंगा : सज्जन को कोर्ट ने दी राहत, भीड़ को भड़काने के आरोप से किया बरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। 1984 सिख विरोधी दंगों के एक मामले में कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार को कोर्ट ने राहत दी है। दिल्ली की एक कोर्ट ने सज्जन कुमार को उस मामले में बरी कर दिया है जिसमें उन पर जनकपुरी और विकासपुरी में भीड़ को भड़काने का आरोप था। स्पेशल जज दिग्विनय सिंह ने कुमार को बरी करने का संक्षित रूप से मौखिक फैसला सुनाया। फैसले की कॉपी का इंतजार है। पिछले साल दिसंबर में मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने 22 जनवरी के लिए अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फरवरी 2015 में एसआईटी ने दंगों के दौरान दिल्ली के जनकपुरी और विकासपुरी में हुई हिंसा से जुड़ी शिकायतों के आधार पर सज्जन कुमार के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज की थीं। एक एफआईआर जनकपुरी में हुई हिंसा से संबंधित थी, जहां एक नवंबर 1984 को सोहन सिंह और उनके दामाद अवतार सिंह की हत्या कर दी गई थी। दूसरी प्राथमिकी गुरबचन सिंह के मामले में दर्ज की गई थी, जिनको दो नवंबर 1984 को विकासपुरी में कथित तौर पर जिंदा जला दिया गया था।

तेलंगाना में 15 बंदरों की संदिग्ध मौत, 80 गंभीर, पशु प्रेमी और लोगों में हड़कंप

-बंदरों को किसी अज्ञात व्यक्ति के जहरीला पदार्थ खिलाने की लोग जता रहे शंका

कमारेड्डी (एजेंसी)। तेलंगाना में कामारेड्डी जिले के बिक्नूर मण्डल के अंतम्पल्ली गांव के पास नेशनल हाइवे पर स्थित एक ढाबे में कम से कम 15 बंदरों की संदिग्ध मौत हो गई, जबकि कई अन्य बंदर गंभीर रूप से बीमार हो गए। घटना की जानकारी लोगों ने तुरंत गांव के सरपंच और पशु चिकित्सक को दी, जिन्होंने मौके पर पहुंचकर घायल बंदरों का इलाज किया और कई बंदरों की जान बचाई।

मीडिया रिपोर्ट में लोगों ने बताया कि करीब 80 बंदर बहुत नाजुक स्थिति में पाए गए, जिन्हें चलने-फिरने में भी कठिनाई हो रही थी। मृत बंदरों के शव ढाबे के आसपास पड़े थे। लोग शक व्यक्त कर रहे हैं कि बंदरों को किसी अज्ञात व्यक्ति ने जहरीला पदार्थ खिला दिया है। इस घटना ने पशु प्रेमियों के बीच गहरा आक्रोश पैदा कर दिया है। कामारेड्डी जिले के ही मचारेड्डी और बिक्नूर मण्डलों में हाल ही में बंदरों और आवारा कुत्तों के जहर दिए जाने के आरोपों के मद्देनजर यह घटना और भी चिंता का विषय बन गई है।

इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए गांव के सरपंच ने बताया कि कुछ अज्ञात लोगों ने बंदरों के एक समूह को वैन में लाकर नेशनल हाइवे के ढाबे पर छोड़ दिया। उन्होंने यह भी कहा कि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जाएगी। स्थानीय पशु चिकित्सक ने बताया कि बचाए गए बंदरों का इलाज चल रहा है और उनकी स्थिति अब स्थिर है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तुरंत प्रशासन या पुलिस को दें।

रिपोर्ट के मुताबिक पशु कल्याण संगठनों ने भी घटना की कड़ी निंदा की है और प्रशासन से इस तरह की घटनाओं की रोकथाम के लिए कड़े कदम उठाने की मांग की है। वन विभाग और पुलिस प्रशासन ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

मित्र देश के साथ रणनीतिक साझेदारी करने का यह सबसे उपयुक्त समय: वायु सेना प्रमुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायु सेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने देश की हवाई सुरक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण और रणनीतिक दृष्टिकोण साझा किया है। उन्होंने जोर देकर कहा है कि भारत के लिए अगली पीढ़ी की हवाई युद्ध प्रणालियों और हथियारों के विकास के लिए एक विश्वसनीय मित्र देश के साथ रणनीतिक साझेदारी करने का यह सबसे उपयुक्त समय है। नई दिल्ली में आयोजित नेशनल सिक्योरिटी इम्पेरेटिव्स विषय पर एक सेमिनार को संबोधित करते हुए वायु सेना प्रमुख ने कहा कि भविष्य की चुनौतियों को देखते हुए उन्नत सैन्य विमान इंजन और अत्याधुनिक तकनीक के लिए वैश्विक सहयोग अब अनिवार्य हो गया है।

वायु सेना प्रमुख ने विशेष रूप से फ्रांस के साथ हालिया रक्षा सहयोग का उदाहरण देते हुए कहा कि लड़ाकू विमानों के इंजन विकास को लेकर जो निर्णय लिए गए हैं, वे इस दिशा में एक मजबूत आधार साबित हो सकते हैं। उन्होंने वर्तमान वैश्विक उथल-पुथल की ओर इशारा करते हुए चेतावनी दी कि किसी भी देश के लिए एक मजबूत सैन्य शक्ति, विशेषकर वायु शक्ति को बढ़ाना अब विकल्प नहीं बल्कि जरूरत बन गया है। उनके अनुसार, भारत के पास रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के लिए आवश्यक इच्छाशक्ति और मानव संसाधन की कोई कमी नहीं है, लेकिन तकनीकी स्तर पर कुछ ऐसी बाधाएं हैं जिन्हें पार करने के लिए बाहरी सहयोग की आवश्यकता है। एयर चीफ मार्शल ने इस बात पर जोर दिया कि यद्यपि भारत अपने दम पर तकनीक विकसित करने में सक्षम है, लेकिन वर्तमान क्षेत्रीय सुरक्षा परिस्थितियों और पड़ोसी देशों की गतिविधियों को देखते हुए हमारे पास अधिक समय नहीं है। उन्होंने कहा कि अनुसंधान और विकास के प्रयासों के साथ-साथ मेक इन इंडिया के तहत त्वरित निर्णय लेने होंगे ताकि निकट भविष्य में आवश्यक हथियार और प्लेटफॉर्म उपलब्ध हो सकें। वायु सेना प्रमुख का यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारतीय वायु सेना के बेड़े में लड़ाकू विमानों की संख्या घटकर 29 स्क्वाड्रन रह गई है, जो पिछले छह दशकों में सबसे कम स्तर पर है। देश की सुरक्षा के लिए कम से कम 42 स्क्वाड्रन की आवश्यकता बताई जाती है।

वायु सेना की युद्धक क्षमता को बढ़ाने की दिशा में हाल ही में एक बड़ी राहत की खबर भी सामने आई है। रक्षा खरीद बोर्ड ने फ्रांस की कंपनी दसॉ एविएशन से 114 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद के प्रस्ताव को अपनी शुरुआती सहमति दे दी है। यह पूरी प्रक्रिया मेक इन इंडिया ढांचे के तहत पूरी की जाएगी, जिसमें फ्रांसीसी कंपनी एक भारतीय साझेदार के साथ मिलकर जेट विमानों का निर्माण करेगी। इस प्रस्ताव को अब रक्षा खरीद परिषद और सुरक्षा पर मंत्रिमंडलीय समिति से अंतिम मंजूरी मिलना बाकी है। वायु सेना प्रमुख ने स्पष्ट किया कि यद्यपि सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को 180 तेजस मार्क-1ए विमानों का ऑर्डर दिया गया है, लेकिन आपूर्ति में होने वाली देरी के कारण वायु सेना को अन्य विकल्पों पर गंभीरता से विचार करना पड़ रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि तकनीकी कमियों को समय के साथ दूर कर लिया जाएगा, लेकिन सशस्त्र बलों को हर परिस्थिति के लिए तैयार रहने की जरूरत है। अगली पीढ़ी की तकनीक के साथ तालमेल बिठाना ही भारत को हवाई युद्ध के क्षेत्र में एक वैश्विक शक्ति बनाएगा।

आप दिल्ली ब्लास्ट में शामिल हैं, सुनते ही घबरा गए रिटायर्ड अधिकारी

-साइबर ठगों ने धमकाकर 16.50 लाख रुपए अलग-अलग बैंकों में करा लिए ट्रांसफर

नई दिल्ली (एजेंसी)। साइबर ठगी के मामले आए दिन सामने आ रहे हैं जिसमें लोगों से लाखें की ठगी की जा रही है। अब एक ऐसा ही मामला बृहन्मुंबई नगर निगम से रिटायर्ड अधिकारी से लाखों रुपए की ठगी का है। दरअसल, साइबर ठगों ने इस बार दिल्ली ब्लास्ट के नाम पर 16.50 लाख रुपए उड़ा लिए।

मीडिया रिपोर्ट के मताबिक साइबर अपराधी ने खुद को एटीएस और एनआईए का अधिकारी बताया। इसके बाद मुंबई में रहने वाले 75 साल के बीएमसी से रिटायर शख्स को कॉल किया। विक्टिम को बताया कि दिल्ली ब्लास्ट आरोपियों में उनका नाम भी शामिल है, जो हाल ही में हुआ है। मुंबई के अंधेरी में रहने वाले शख्स ने पुलिस स्टेशन जाकर इस मामले की जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि विक्टिम को 11 दिसंबर को अनजान नंबर से कॉल रिसीव हुई थी। कॉल करने वाले ने बताया है कि वह दिल्ली एटीएस से है। इसके बाद कॉलर ने विक्टिम को धमकाना शुरू किया।

इसके बाद विक्टिम को बताया है कि उनको जांच में सहयोग करना होगा, जो सीक्रटली तरीके से होगी। इसके बाद साइबर ठगी का केस आगे बढ़ा। विक्टिम को बताया कि उनको एक मोबाइल ऐप्लीकेशन इंस्टॉल करने को कहा। जहां विक्टिम को एक वीडियो कॉल रिसीव हुई। वीडियो कॉल में एक शख्स सामने था, जिसने खुद को एनआईए ऑफिसर बताया। कॉलर ने विक्टिम को बताया कि एक बैंक अकाउंट का लिंक उनके मोबाइल नंबर है। उस बैंक अकाउंट में मनी लाउंड्रिंग के जरिए 7 करोड़ रिसीव हुए हैं। इसमें आरोपी को गिरफ्तार करने की धमकी दी गई, जिसके बाद विक्टिम घबरा गए।

साइबर ठग ने विक्टिम से कहा कि यह नेशनल सिक्योरिटी का मामला है। इसमें विक्टिम से कहा कि वह किसी को भी इसके बारे में ना बताए। साइबर स्कैमर्स ने विक्टिम को बताया है कि एजेंसी जानना चाहती है कि आपके बैंक खाते में कितनी रकम है और अन्य इनवेस्टमेंट लीगल हैं या नहीं। इसके बाद विक्टिम को सभी रकम कुछ बैंक अकाउंट में ट्रांसफर करने को कहा। ये रकम वेरिफिकेशन्स के नाम पर अन्य बैंक अकाउंट में ट्रांसफर करने को कहा। साथ ही कहा कि निर्दोष पाए जाने पर सभी रकम वापस कर दी जाएगी।

इसके बाद विक्टिम ने अलग-अलग बैंक अकाउंट में 16.50 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए फिर कॉलर ने विक्टिम का नंबर ब्लॉक कर दिया। विक्टिम को समझ आया कि वह साइबर ठगी का शिकार हो चुका है और उन्होंने पुलिस को जानकारी दी और शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है और आरोपियों का पता लगा रही है।

आतंकी मोहम्मद आरिफ की उपचारात्मक याचिका को सुनेगा सुप्रीम कोर्ट... लाल किला हमले के दोषी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने साल 2000 में हुए ऐतिहासिक लाल किला हमले के दोषी और मौत की सजा पाए लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आतंकी मोहम्मद आरिफ उर्फ ??अशफाक की उपचारात्मक याचिका को सुनने का फैसला किया है। गुरुवार को अदालत ने मामले में नोटिस जारी करते हुए आरिफ के पास उपलब्ध अंतिम कानूनी विकल्प पर विचार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

इस हमले में सेना के तीन जवान शहीद हो गए थे। न्यायालय ने मामले में सजा के खिलाफ आरिफ की पुनर्विचार याचिका तीन नवंबर 2022 को खारिज की थी। ??अशफाक को अक्टूबर 2005 में निचली अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी और दिल्ली उच्च न्यायालय ने सितंबर 2007 में निचली अदालत के फैसले को कायम रखा था।

इसके बाद आरिफ ने हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देकर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। शीर्ष अदालत ने अगस्त 2011 में आरिफ को दी गई मौत की सजा को बरकरार रखा था। गुरुवार को प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी की विशेष पीठ ने वकीलों द्वारा प्रस्तुत दलीलों पर गौर किया, जिसमें शीर्ष अदालत के उन फैसलों का हवाला दिया गया था, जिसमें अपील और पुनर्विचार याचिका को खारिज करते हुए मृत्युदंड को बरकरार रखा गया था। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, '' नोटिस जारी करें।'' उपचारात्मक याचिका वादी के पास फैसले को चुनौती देने के लिए मौजूद अंतिम कानूनी उपाय है, जिसे सर्वोच्च न्यायालय ने स्वयं दो बार अपील और समीक्षा याचिका को खारिज करके बरकरार रखा है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, 22 दिसंबर 2000 की रात को कुछ घुसपैठिए लाल किले के अंदर उस क्षेत्र में घुस गए जहां भारतीय सेना की 7 राजपूताना राइफल्स की यूनिट तैनात थी और उन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी। इस घटना में सेना के तीन जवान शहीद हो गए थे।

यूरोप ने कहा- बगैर भारत के हमारा काम नहीं चलेगा, गणतंत्र दिवस पर होगी सुरक्षा पर बड़ी डील

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व की बदलती राजनीतिक बिसात पर भारत इस समय एक ऐसी सुदृढ़ स्थिति में खड़ा है, जहां दुनिया की महाशक्तियां उसके साथ साझेदारी के लिए लालायित हैं। एक ओर जहां अमेरिका द्विपक्षीय व्यापारिक समझौतों के लिए उत्सुक दिख रहा है, वहीं दूसरी ओर यूरोप ने खुले तौर पर यह स्वीकार कर लिया है कि भारत के बिना उसकी वैश्विक रणनीति अधूरी है। इस वर्ष का गणतंत्र दिवस समारोह इसी बदलते वैश्विक समीकरण का गवाह बनने जा रहा है, क्योंकि यूरोपीय संघ (ईयू) के शीर्ष नेता इस बार मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर रहे हैं। यह दौरा केवल औपचारिक शिष्टाचार तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने साथ कई ऐसे बड़े रक्षा और आर्थिक समझौते लेकर आ रहा है जो आने वाले दशकों में भारत और यूरोप के संबंधों की नई दिशा तय करेंगे।

यूरोपीय मेहमानों का भारत आगमन इस बात का स्पष्ट संकेत है कि पश्चिमी देशों के लिए भारत अब केवल एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि एक अनिवार्य रणनीतिक मजबूरी बन चुका है। भारत के बिना हम अधूरे हैं जैसे शब्द आज के दौर में यूरोप की उसी सोच को दर्शाते हैं, जो वैश्विक युद्ध, अस्थिरता और आर्थिक दबावों के बीच एक भरोसेमंद साझेदार की तलाश में है। दिल्ली में होने वाला यह यूरोपीय संघ-भारत शिखर सम्मेलन वैश्विक शक्ति के संतुलन में आए बदलाव का सबसे बड़ा प्रतीक है। इस सम्मेलन का प्रभाव केवल दिल्ली तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसकी गूंज बीजिंग से लेकर इस्लामाबाद तक महसूस की जाएगी।

इस ऐतिहासिक समझौते के तहत डिफेंस, काउंटर टेररिज्म और साइबर सिक्योरिटी जैसे संवेदनशील मुद्दों पर भारत और यूरोपीय संघ एक मंच पर आने जा रहे हैं। इसे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन की आक्रामक समुद्री नीति पर लगाम लगाने की एक साझा रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। समुद्री सुरक्षा और मैरिटाइम डोमेन अवेयरनेस पर सहयोग बढ़ने से हिंद महासागर में खुले व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, जो सीधे तौर पर नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगी। यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा कैलास ने भी स्पष्ट कर दिया है कि यूरोप की आर्थिक मजबूती और रणनीतिक स्थिरता के लिए भारत की भूमिका अनिवार्य है। पाकिस्तान के लिए यह साझेदारी एक बड़े कूटनीतिक झटके के समान है। आतंकवाद के मुद्दे पर भारत और यूरोपीय संघ का एक सुर में बोलना पाकिस्तान के अंतरराष्ट्रीय नैरेटिव को कमजोर करेगा और आतंकी नेटवर्कों पर वैश्विक दबाव को बढ़ाएगा। वहीं, चीन के लिए भारत और यूरोप की यह नजदीकी इसलिए चिंताजनक है क्योंकि यह न केवल सुरक्षा के मोर्चे पर, बल्कि टेक्नोलॉजी, सेमीकंडक्टर और साइबर स्पेस में भी चीन के एकाधिकार को चुनौती देने वाली है। सिर्फ सुरक्षा ही नहीं, बल्कि आर्थिक मोर्चे पर भी एक बड़ा गेम-चेंजिंग प्लान तैयार है। लंबे समय से प्रतीक्षित फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर बातचीत ने अब रफ्तार पकड़ ली है। क्लीन टेक्नोलॉजी, फार्मा और

सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन में सहयोग से भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में बड़ी पहचान मिलेगी। इसके साथ ही, प्रस्तावित मोबिलिटी फ्रेमवर्क से भारतीय छात्रों और पेशेवरों के लिए यूरोप में शिक्षा और रोजगार के नए द्वार खुलेंगे। कुल मिलाकर, गणतंत्र दिवस के अवसर पर होने वाला यह पावर शिफ्ट दुनिया को यह संदेश दे रहा है कि भारत अब वैश्विक सुरक्षा ढांचे का एक मुख्य स्तंभ बन चुका है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 7903538992, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902